शुभ लाभ

शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सिद्धरामैया के नाम पर सड़क का नाम रखने का समर्थन किया @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 26 दिसंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।*। मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-356

सुप्रीम कोर्ट ने फिर पेश किया 'न्यायिक' फैसले का 'बेजोड़' नमूना

लॉटरी माफिया के कंप्यूटरों से सबूत निकालने पर रोक

नई दिल्ली, 25 दिसंबर (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण आदेश में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को लॉटरी किंग के नाम से प्रसिद्ध सैंटियागो मार्टिन, उसके रिश्तेदारों और कर्मचारियों के खिलाफ छापेमारी के दौरान जब्त किए गए इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का डाटा निकालने और उसकी प्रति (कॉपी) बनाने से रोक दिया। शीर्ष कोर्ट ने यह आदेश फ्यूचर गेमिंग एंड होटल्स सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (एफजीएचएसपीएल) और मार्टिन की याचिका पर पारित किया था। इस आदेश के बाद जांच एजेंसियों को आरोपियों के मोबाइल फोन या लैपटॉप जब्त करने का निर्णय लेने से पहले पुनर्विचार करना पड़ सकता है।

यह आदेश इस तरह के मामलों में आरोपी व्यक्तियों के लिए मददगार हो सकता है। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस पंकज मिथल की पीठ ने कहा, नोटिस जारी किया जाता है और इस बीच, अर्जी को ध्यान में रखते हुए अंतरिम राहत प्रदान की जाती है। पीठ ने याचिका पर केंद्र, ईडी और उसके अधिकारियों को नोटिस जारी किए

माफिया के कंप्यूटरों में हैं बड़ी हस्तियों को धन देने की सूचनाएं

बड़ी हस्तियों को बचाने के लिए ईडी पर लगाम लगाना जरूरी था

और इस पर लंबित मामलों के साथ 17 फरवरी, 2025 को सुनवाई की तारीख तय की। अन्य मामलों में अमेजन इंडिया के कर्मचारी और 2023 न्यूज क्लिक मामला शामिल है, जहां याचिकाकर्ताओं ने जांच एजेंसियों द्वारा डिजिटल उपकरणों को जब्त करने के लिए दिशा निर्देश मांगे हैं।

ईडी ने कहा कि डिजिटल रिकॉर्ड के अलावा इस मामले में उनके पास अन्य विश्वसनीय साक्ष्य भी बरामद हुए हैं। मेघालय पुलिस की एक शिकायत के बाद नवंबर में छह राज्यों में 22 स्थानों पर की गई छापेमारी की गई थी, जिसमें मार्टिन की कंपनी फ्यूचर गेमिंग एंड होटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड पर राज्य में लॉटरी कारोबार पर अवैध रूप से एकाधिकार करने का आरोप लगाया गया था। इस छापेमारी के दौरान 12.41 करोड़ रुपए की नकदी भी प्राप्त हुई थी। फ्यूचर गेमिंग के वकीलों ने दलील दी कि जब्त इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की सामग्री हासिल करना गोपनीयता और मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है।

सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को आदेश दिया है कि ▶10पर

अटल जी की जयंती पर केन-बेतवा लिंक परियोजना का शिलान्यास

पानी के लिए अंबेडकर ने जतन किया, कांग्रेस ने श्रेय नहीं दिया

भोपाल, 25 दिसंबर (एजेंसियां)।

देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की सौवीं जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज केन-बेतवा लिंक परियोजना का शिलान्यास किया। इस परियोजना से मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के लोगों को फायदा होगा। किसानों को सिंचाई के लिए पानी मिलेगा और शहरों में पेयजल भी उपलब्ध कराया जा सकेगा। यह राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना के अंतर्गत देश की पहली नदी जोड़ो परियोजना है। केन और बेतवा नदियों के जल को एक साथ मिलाकर केन-बेतवा लिंक परियोजना का शिलान्यास करने के साथ-साथ पीएम मोदी ने अटल बिहारी वाजपेयी पर डाक टिकट भी जारी किया।

इस मौके पर पीएम मोदी ने

पीएम मोदी ने देश की पहली नदी जोड़ो परियोजना प्रारंभ की

मध्य प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश के लोगों को मिलेगा भरपूर लाभ

कहा कि आने वाले समय में मध्य प्रदेश देश की टॉप इकॉनमी वाले राज्यों में से एक होगा। इसमें बुंदेलखंड की बड़ी भूमिका होगी। विकसित मध्य प्रदेश और विकसित भारत बनाने में बुंदेलखंड अपनी भूमिका निभाएगा। पीएम मोदी ने कहा कि पानी हर किसी के जीवन से जुड़ा है। इसीलिए आज यह अपार जनसमूह मुझे आशीर्वाद देने आया है। पीएम मोदी ने जल शक्ति योजनाओं का श्रेय बाबा साहब अंबेडकर को दिया और कहा कि केंद्रीय जल आयोग के गठन के पीछे बाबा साहब अंबेडकर का हाथ था। लेकिन कांग्रेस ने कभी बाबा साहेब को श्रेय नहीं दिया। सभी कामों के लिए एक ही व्यक्ति को क्रेडिट दिया गया। राज्यों के बीच पानी को लेकर विवाद थे। देश में जल शक्ति के लिए बाबा साहब अंबेडकर ने प्रयास किए।

पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने कभी भी जल संकट के स्थाई समाधान के लिए नहीं सोचा। भारत के लिए नदी जल का महत्व क्या है ▶10पर

44,605 करोड़ की लागत से तैयार हो रही केन-बेतवा लिंक परियोजना

भोपाल, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। केन-बेतवा लिंक परियोजना के तहत केन नदी के पानी को मध्य प्रदेश से उत्तर प्रदेश की बेतवा नदी में भेजा जाएगा। केन नदी, जो जबलपुर के पास कैमूर पहाड़ों से निकलती है और उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में यमुना नदी में मिलती है, से पानी बेतवा नदी तक ले जाया जाएगा। बेतवा नदी मध्य प्रदेश के रायसेन जिले से निकलकर उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में यमुना से मिलती है। इस परियोजना के अंतर्गत केन नदी पर एक बांध बनाया जाएगा और 221 किलोमीटर लंबी नहर के ▶10पर

भाजपा अध्यक्ष के आवास पर हुई एनडीए नेताओं की बैठक

अटल का स्मरण और रणनीतियों पर मंथन

नई दिल्ली, 25 दिसंबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के नेताओं ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के आवास पर बैठक की। बैठक पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के मौके पर आयोजित की गई थी। वाजपेयी को उनकी मजबूत नेतृत्व क्षमता और भारत में पहली पूर्णकालिक गठबंधन सरकार को सफलतापूर्वक चलाने के लिए याद किया जाता है।

अंबेडकर पर बहस को जनता तक पहुंचाने पर विमर्श

एक देश एक चुनाव विधेयक को लेकर भी हुई चर्चा

बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) के प्रमुख और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, जनता दल (यूनाइटेड) के नेता और केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह, अपना दल (एस) की अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल और जनता दल (सेकुलर) के नेता और केंद्रीय मंत्री मंत्री एचडी कुमार स्वामी शामिल हुए। इसके अलावा, बैठक में हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (एस) के नेता जीतन राम मांझी, राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) के अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा, भारत धर्मजन सेना के प्रमुख तुषार वेलापल्ली भी मौजूद थे।

एनडीए के नेताओं ने देश की राजनीति से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। हालांकि, बैठक के एजेंडे के बारे में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया। लेकिन, सूत्रों ने बताया कि इसमें खासतौर पर सुशासन और राजनीतिक मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। सुशासन अटल बिहारी वाजपेयी के शासन काल का एक अहम हिस्सा था। एनडीए के नेताओं ने इस आदर्श को आगे बढ़ाने पर चर्चा की। ▶10पर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने की सीआरपीएफ की सराहना

जम्मू कश्मीर और पूर्वोत्तर में हो रहा बेहतरीन काम

नई दिल्ली, 25 दिसंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को सीआरपीएफ मुख्यालय का दौरा किया। उन्होंने सीआरपीएफ के महानिदेशक अनीश दयाल सिंह समेत कई वरिष्ठ अधिकारियों से भी मुलाकात की। शाह ने यहां दुनिया के सबसे बड़े अर्धसैनिक बल की संचालन और प्रशासनिक दक्षता की भी समीक्षा की। अमित शाह ने कहा कि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने नक्सलवाद का मुकाबला करने और जम्मू-कश्मीर एवं पूर्वोत्तर में शांति स्थापित करने के लिए बेहतरीन काम किया है। सीआरपीएफ हमेशा से देश की आंतरिक सुरक्षा और शांति स्थापना सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाती रही है। बैठक में सीआरपीएफ प्रमुख ने गृह मंत्री को बल के शहीद हुए जवानों के लिए लागू हो रही कल्याण योजनाओं की भी जानकारी दी। इसमें जवानों के परिवार के सदस्य को नियुक्ति देने से जुड़ी योजना भी शामिल है। ▶10पर

विमान हादसे में 30 से ज्यादा की मौत, 28 बचाए गए

कजाखस्तान, 25 दिसंबर (एजेंसियां)।

कजाखस्तान के अक्तौ हवाई अड्डे के पास एक विमान हादसे का शिकार हो गया है। विमान में 62 यात्री और चालक दल के पांच सदस्य सवार थे। हादसे में अब तक 28 लोगों को बचा लिया गया है, जबकि 30 लोगों से ज्यादा लोगों के मारे जाने की खबर है। हालांकि, मृतकों की आधिकारिक संख्या अब तक सामने नहीं आई है, लेकिन हादसे का वीडियो देखते हुए आशंका जताई जा रही है कि हताहतों की संख्या काफी अधिक हो सकती है।

अक्तौ शहर में विमान लैंडिंग के वक्त क्रैश हो गया और आग के गोले में तब्दील हो गया। अजरबैजान एयरलाइंस का विमान अजरबैजान से रूस जा रहा था। इस बीच इसमें कुछ तकनीकी खराबी आ गई। इसके बाद विमान की ओर से अक्तौ हवाई अड्डे से आपातकालीन लैंडिंग की अनुमति मांगी गई। लैंडिंग के दौरान ही विमान क्रैश हो गया। ▶10पर

असम से अंसारुल्ला बांग्ला टीम के दो और आतंकी गिरफ्तार

एसटीएफ ने तीन राज्यों से अब तक 10 आतंकियों को पकड़ा

दिसपुर, 25 दिसंबर (एजेंसियां)।

असम की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीफ) ने अलकायदा से जुड़े अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) के दो और आतंकियों को गिरफ्तार कर लिया है। इसी के साथ अब तक एबीटी के 10 आतंकी पकड़े जा चुके हैं। इससे पहले एसटीएफ ने एबीटी के 8 आतंकियों को असम, पश्चिम बंगाल और केरल से गिरफ्तार किया था। इन आठ में से पांच को असम के कोकराझार और धुबरी जिले से पकड़ा गया था। इसके अलावा दो और लोगों को पश्चिम बंगाल और एक बांग्लादेशी को केरल से गिरफ्तार किया गया था।

गिरफ्तार आतंकियों के पास से कई आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुए थे, जिसमें संदिग्ध ऐप्स वाले मोबाइल फोन, प्रचार सामग्री, बांग्लादेशी-निर्धारित पहचान दस्तावेज, और महत्वपूर्ण साक्ष्य वाले पेन ड्राइव शामिल हैं। ▶10पर

फिल्म पुष्पा-2 के प्रदर्शन के दौरान हुए हादसे का मामला

पीड़ित बच्चे के परिवार को मिले दो करोड़

हैदराबाद, 25 दिसंबर (एजेंसियां)।

अभिनेता अल्लू अर्जुन और पुष्पा-2 के निर्माताओं ने भगदड़ में घायल हुए व्यक्ति के परिवार को 2 करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। इस बीच, तेलंगाना राज्य फिल्म विकास निगम (एफडीसी) के अध्यक्ष और प्रमुख निर्माता दिल राजू ने कहा कि फिल्मी हस्तियों का एक प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से मुलाकात करेगा ताकि सरकार और फिल्म उद्योग के बीच संबंधों को बढ़ावा दिया जा सके। फिल्म अभिनेता अल्लू अर्जुन के पिता और दिग्गज निर्माता अल्लू अरविंद, दिल राजू और अन्य लोगों के साथ एक निजी अस्पताल गए, जहां भगदड़ में घायल हुए एक लड़के का इलाज चल रहा है। अल्लू अरविंद ने डॉक्टरों से बात की, जिन्होंने बताया कि लड़का ठीक हो रहा है ▶10पर

अल्लू अर्जुन ने दिए एक करोड़ और निर्माताओं ने दिए 50-50 लाख

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 78,320/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 90,203/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 28^0

न्यूनतम : 21^0

मणिपुर हिंसा को लेकर पूर्व मुख्य न्यायाधीश का संवेदनशील कथन

हिंसा में 'अदृश्य' ताकतों का हाथ, नहीं रुका तो सब खत्म हो जाएगा

नई दिल्ली/इंफाल, 25 दिसंबर (एजेंसियां)।

मणिपुर में जारी हिंसा को लेकर पूर्व मणिपुर उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सिद्धार्थ मृदुल ने बड़ा संवेदनशील बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि राज्य में हालात को जल्दी से नियंत्रण में लाने की आवश्यकता है, अन्यथा यहां कुछ भी नहीं बचेगा। पूर्व मुख्य न्यायाधीश ने हिंसा के पीछे अदृश्य ताकतों का हाथ होने का दावा किया है। उनका मानना है कि कुछ तत्व राज्य में हिंसा को बढ़ावा दे रहे हैं और मणिपुर को जलते रहने के लिए उकसा रहे हैं।

पूर्व मुख्य न्यायाधीश ने यह बयान दिल्ली में एक पैनल चर्चा के दौरान दिया। उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि मणिपुर में जारी हिंसा के पीछे एक अदृश्य हाथ है। हालांकि, इस हाथ के बारे में उन्होंने कोई ठोस जानकारी नहीं दी, लेकिन यह संकेत दिया कि इसके पीछे कई बाहरी और स्थानीय कारक हो सकते हैं। जस्टिस मृदुल का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब मणिपुर में हिंसा का दौर लगभग 19 महीने से जारी है और इसने राज्य की सामाजिक और राजनीतिक स्थिति को गंभीर रूप से प्रभावित किया है।

मृदुल ने कहा कि जब भी स्थिति सामान्य होने लगती है, अचानक हिंसा की एक नई लहर उठ जाती है, जिससे यह अनुमान होता है कि इन घटनाओं

के पीछे कोई न कोई ताकत है, जो इसे बढ़ावा दे रही है। इस हिंसा ने मणिपुर के लोगों की जिंदगी को कठिन बना दिया है, और केंद्र सरकार को अधिक सैनिकों की तैनाती, अफस्पा को फिर से लागू करने और विभिन्न समूहों के साथ वार्ता करने के लिए मजबूर कर दिया है। बावजूद इसके, हिंसा पर नियंत्रण पाना अभी तक मुश्किल साबित हो रहा है।

राज्य में लगभग 60,000 सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई है, जिसमें भारतीय सेना, असम राइफल्स, सीआरपीएफ और मणिपुर पुलिस शामिल हैं। हालांकि, मृदुल ने इन सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की प्रभावशीलता पर सवाल उठाया। उनका कहना है कि इतनी बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मी तैनात होने के बावजूद भी, हिंसा के कारण विस्थापित हुए लोग अपने घरों को वापस लौटने में असमर्थ हैं। राहत शिविरों में रह रहे लोग बार-बार यही कह रहे हैं कि वे अपने घर वापस लौटना चाहते हैं और उस शांति और सुरक्षा को फिर से महसूस करना चाहते हैं, जो हिंसा से पहले थी।

पूर्व मुख्य न्यायाधीश ने यह भी कहा कि यदि स्थिति को जल्द से जल्द नियंत्रण में नहीं लाया गया, तो यह और बिगड़ सकती है, और यह अन्य राज्यों में भी फैल सकती है। उनका मानना है कि प्राधिकृत अधिकारियों को मणिपुर में शांति बहाल करने पर प्राथमिकता देनी चाहिए, क्योंकि अगर स्थिति और बिगड़ी, तो इसका असर केवल मणिपुर तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि इसका क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर गंभीर प्रभाव हो सकता है।

कार्टून कॉर्नर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

पार्श्वनाथ भगवान का जन्म एवं दीक्षा कल्याणक मनाया

समता में रहते हुए उपसर्गों को सहन किया तीर्थंकर पार्श्वनाथ ने: साध्वी आगमश्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर में विराजित साध्वी आगमश्री ने तीर्थंकर पार्श्वनाथ भगवान के जन्म एवं दीक्षा कल्याणक दिवस के अवसर पर धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि तीर्थंकर बनने से पहले पार्श्वनाथ भगवान को नौ पूर्व जन्म लेने पड़े थे।

पहले जन्म में ब्राह्मण, दूसरे में हाथी, तीसरे में स्वर्ग के देवता, चौथे में राजा, पांचवें में देव, छठवें जन्म में चक्रवर्ती सम्राट और सातवें जन्म में देवता, आठवें में राजा और नौवें जन्म में राजा इंद्र, तत्पश्चात दसवें जन्म में उन्हें तीर्थंकर बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। दस भवों में मरुभूति के जीव ने घोर उपसर्ग सहन किये और हर भव में समाधि और समता में रहते हुए सहने का कार्य किया। पूर्व जन्मों के संचित पुण्यों और दसवें जन्म के तप के फलतः वें तीर्थंकर बने। भगवान पार्श्वनाथ के गणधरों की संख्या दस थी। इनमें आर्यदत्त स्वामी प्रथम गणधर हुए। श्री पार्श्वनाथ ने ही जैन धर्म के पंच मुख्य व्रत की शिक्षा दी जिनमें सत्य, अहिंसा, अस्तेय, अपरिग्रह व ब्रह्मचर्य आते हैं। दस भव से कमठ का जीव मरुभूति के जीव को कष्ट देता रहा, उपसर्ग करता रहा, दस भव तक मरुभूति के जीव ने जो समता पूर्वक कष्ट सहकर आत्म साधना में रत रहे। ऐसा समता भाव हमें अपने जीवन में प्रकट करना चाहिए। आज भी पार्श्वनाथ की कई चमत्कारिक मूर्तियां देश भर में विराजित है। जिनकी गाथा आज भी पुराने लोग सुनाते हैं और सबसे ज्यादा साधना तीर्थंकर पार्श्वनाथ की कि जाती है। इसके पूर्व साध्वी धैर्याश्री ने पार्श्वनाथ जाप का उच्चारण करवाया।

इस अवसर पर कम्मनहल्ली संघ अध्यक्ष हस्तीमल बाफना, राजाजीनगर संघ से रोशनलाल नाहर, राकेश दलाल, महावीरचंद धोका, ज्ञानचंद लोढ़ा, उगमराज लुणावत, धीरज नाहर, शकुंतला मेहता, रेखा पोखरना, सायरबाई लोढ़ा, अमृताबाई भलगट, बसंतीबाई चाणोदिया, नीतू लुंकड़, चंद्राबाई गांधी व अन्य उपस्थित रहे। अनेक श्रावक श्राविकाओं ने एकासन एवं उपवास के पच्चखान लिए। अंत में साध्वी धैर्या ने पार्श्वनाथ स्तवन की प्रस्तुति दी। आगमश्री ने मंगलपाठ प्रदान किया। अध्यक्ष प्रकाशचंद चाणोदिया ने आभार ज्ञापित किया और संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

विशेष अनुष्ठान कार्यक्रम का आयोजन

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी संयमलता जी के सानिध्य में प्रभु पार्श्व जयंती पर विशेष अनुष्ठान कार्यक्रम हासन तेरापंथ सभा भवन में आयोजित किया गया। नमस्कार महामंत्र से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। तेरापंथ युवक परिषद द्वारा प्रभु पार्श्व की स्तुति में मंगल गान किया गया। साध्वी संयमलता जी ने कहा भगवान महावीर ने आत्म शुद्धि साधना के लिए हमें अनेक आयाम दिए है। उन आयामों से प्रत्येक व्यक्ति अपनी रुचि, क्षमता व अनुकूलता के अनुसार अपने साधना पथ का चुनाव कर अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। आज इसी क्रम में एक आयाम जप अनुष्ठान का है। आज तीर्थंकर भगवान पार्श्व की जन्म जयंती है , इस दिन मंत्रों की सिद्धि एवं सफलता का सिद्ध दिन होता है। अतः श्री पार्श्वनाथाय का सभी को जप करना चाहिए। वज्रपंजराभ रक्षाकवच भौतिक सिद्धि व आध्यात्मिक समृद्धि, वैभव को प्राप्त कराने वाला है। मंत्रों का उच्चारण कर हम चारों तरफ एक सशक्त प्रकम्पनों से अपनी शक्तियों को जागृत कर सही दिशा में

नियोजित कर सकते है। साध्वी मार्दवश्री ने अनुष्ठान करवाते हुए स्वर विज्ञान जो मानसिक एकाग्रता का घोतक है, पर कहा स्वर तीन प्रकार के होते है। चंद्र, सूर्य, सुषुम्ना स्वर, जिस समय सुषुम्ना स्वर चलता है तब साधक अंतर्मुखता की ओर अग्रसर होता है। जप अनुष्ठान का प्रारंभ चक्र स्वर से करने से सफलता मिलती है। उसके पश्चात मुद्रा विज्ञान आता है। कहा जाता है कि अपना हाथ जगन्नाथ यानि मुद्राओं के द्वारा मानसिक स्थिरता एवं अनेक रोगों, दुर्बलताओं को दूर करने वाली है। शंखमुद्रा द्वारा मन की चंचलता को दूर कर अनुष्ठान में तल्लीनता लाएं। अर्हम की ध्वनि के साथ मंत्र की शक्ति वृद्धिगत हो जाती है। विविध लय से अर्हम का उच्चारण किया गया। वज्रपंजराभ महामंत्र नवकार को परकोटे का रक्षाकवच बनाया गया। पार्श्व भगवान की स्तवना जैनाचार्य कृत मंत्रों का जप किया गया। सभी श्रावक श्राविकाओं ने लालचुनरी एवं सफेद परिधान में स्वस्तिक के आकर में मंत्रों की साधना की। इस कार्यक्रम में हासन, चिक्कमगलूरु होलेनर-सीपुर, मांड्या आदि आस पास के क्षेत्रों से समाज की उपस्थिति रही। लगभग 14 उपवास और 40 एकासना भी हुआ। चिक्कमगलूरु के श्रावकों की अर्जी पर मर्जी करते हुए साध्वी जी ने 2025 का मर्यादा महोत्सव चिक्कमगलूरु में मानने की स्वीकृति दी। कार्यक्रम का समापन मंगल पाठ से हुआ।

भीषण हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

हावेरी/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले में बुधवार की दोपहर एसयूवी और कार की आमने-सामने की टक्कर में एक 11 वर्षीय लड़के समेत एक परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। यह घातक दुर्घटना पुणे-बेंगलूरु राष्ट्रीय राजमार्ग पर हावेरी-धारवाड़ जिले की सीमा पर ताड़स-थिम्मापुर के पास बेलीगट्टी गांव में हुई। हावेरी जिले के पुलिस अधीक्षक अंशु कुमार के अनुसार, एसयूवी हावेरी से हुब्बल्ली की ओर जा रही थी। चालक ने नियंत्रण खो दिया, डिवाइडर के ऊपर से कूद गया और हुब्बल्ली से बेंगलूरु की ओर जा रही एक कार से टकरा गया। सभी मृतक कार में यात्रा कर रहे थे। दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य दो को हुब्बल्ली के केएमसी-आरआई अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया।

मृतकों में बेंगलूरु के चामराजपेट की चंद्रम्मा (59), उनकी बेटी मीना (38), दामाद महेश कुमार सी. (41) और पोता धनवीर (11) शामिल हैं, जो सभी दावणगेरे जिले के हरिहर के निवासी हैं। एसपी अंशु कुमार ने घटनास्थल का दौरा किया। तड़स थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। सूत्रों के अनुसार, एसयूवी में तीन लोग सवार थे। बताया जा रहा है कि दुर्घटना के बाद वे मौके से भाग गए।

मुख्यमंत्री के नाम पर सड़क का नाम रखना

ऐतिहासिक शहर मैसूरु और पूरे राज्य के साथ विश्वासघात और अपमान: जेडीएस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मैसूरु शहर में एक सड़क का नाम कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नाम पर रखे जाने के मैसूरु नगर निगम के प्रस्ताव का विपक्षी दलों ने विरोध किया है। जेडीएस ने केआरएस रोड का नाम सिद्धरामैया आरोग्य मार्ग रखे जाने के कदम को निंदनीय करार दिया। जेडीएस ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि सिद्धरामैया मुडा मामले में आरोपी हैं। उनके खिलाफ लोकायुक्त जांच चल रही है। मैसूरु नगर निगम में कोई निर्वाचित बोर्ड नहीं है। कांग्रेस सरकार की ओर से नगर निगम में

नियुक्त किए गए अधिकारियों ने अपना ऋण चुकाने के लिए सिद्धरामैया के नाम पर सड़क का नाम रखने का फैसला किया है। मुडा घोटाले में शामिल मुख्यमंत्री के नाम पर सड़क का नाम रखना ऐतिहासिक शहर मैसूरु और पूरे राज्य के साथ विश्वासघात और अपमान है। ज्ञातव्य है कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, उनकी पत्नी पार्वती बीएम और उनके भाई मल्लिकार्जुन स्वामी मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) जमीन आवंटन मामले में आरोपी हैं। मुडा शहरी विकास के दौरान अपनी जमीन खोने वाले लोगों के लिए एक योजना लेकर आई थी। 50:50 नाम की इस योजना में जमीन खोने वाले लोग विकसित भूमि के 50 प्रतिशत के हकदार होते थे। यह योजना 2009 में पहली बार लागू की गई थी। जिसे 2020 में उस वक्त की भाजपा सरकार ने बंद कर दिया। सरकार द्वारा योजना को बंद करने के बाद भी मुडा ने 50:50 योजना के तहत जमीनों का अधिग्रहण और आवंटन जारी रखा। सारा विवाद इसी से जुड़ा है। आरोप है कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की पत्नी पार्वती को इसी के तहत लाभ पहुंचाया गया। मुख्यमंत्री की पत्नी की तीन एकड़ और 16 गुंटा भूमि मुडा द्वारा अधिग्रहित की गई। इसके बदले में एक महंगे इलाके में 14 साइटें आवंटित की गईं। मैसूरु के बाहरी इलाके में यह जमीन मुख्यमंत्री की पत्नी पार्वती को उनके भाई मल्लिकार्जुन स्वामी ने 2010 में उपहार स्वरूप दी थी। मामले में लोकायुक्त पुलिस ने 27 सितंबर को एक विशेष अदालत के आदेश के बाद एफआईआर दर्ज की है।

जनवरी के दूसरे सप्ताह तक बेंगलूरु में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास खुल जाएगा: तेजस्वी सूर्या

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु दक्षिण के सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा कि जनवरी 2025 के दूसरे सप्ताह में बेंगलूरु में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास की स्थापना शहर के लिए एक ऐतिहासिक मील का पत्थर होगी। भारत में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने आखिरकार शहर में वाणिज्य दूतावास के संचालन की घोषणा की। सूर्या ने अमेरिकी वाणिज्य दूतावास को बेंगलूरु लाने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सहयोग और प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया। सूर्या ने कहा कि वाणिज्य दूतावास का उद्घाटन बेंगलूरु के नागरिकों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करने के लिए वर्षों से किए जा रहे लगातार प्रयासों का परिणाम है। सूर्या ने आभार व्यक्त करते हुए एक ट्वीट में कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और विदेश मंत्री एस जयशंकर के अथक समर्थन के बिना यह मील का पत्थर संभव नहीं होता। बेंगलूरु के हितों को बढ़ावा देने के लिए उनकी प्रतिबद्धता ने इस लंबे समय से लंबित मांग को पूरा करना सुनिश्चित किया है। मैं

अमेरिकी राजदूत केनेथ जस्टर और एरिक गार्सेटी को उनके अटूट समर्थन के लिए भी धन्यवाद देता हूं। सूर्या ने कहा कि वाणिज्य दूतावास की स्थापना से हजारों छात्रों, पेशेवरों और उद्यमियों के लिए वीजा आवेदन प्रक्रिया को सरल बनाने, द्विपक्षीय व्यापार और सहयोग को बढ़ाने, विशेष रूप से तकनीक और नवाचार क्षेत्रों में और वाणिज्य और प्रौद्योगिकी के लिए वैश्विक केंद्र के रूप में बेंगलूरु की स्थिति को मजबूत करने की उम्मीद है। 2019 में पदभार संभालने के बाद से, सूर्या ने बेंगलूरु में वाणिज्य दूतावास खोलने के लिए जोर दिया था, जो भारत के आईटी राजस्व का 40 प्रतिशत योगदान देता है और लाखों तकनीकी पेशेवरों का घर है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला था कि शहर में एक समर्पित अमेरिकी वाणिज्य दूतावास की अनुपस्थिति ने हजारों निवासियों को अमेरिकी वीजा-संबंधी सेवाओं के लिए चेन्नई या हैदराबाद की यात्रा करने के लिए मजबूर किया। नवंबर 2019 में, उन्होंने विदेश मंत्री (ईएएम) एस जयशंकर को भारत-अमेरिका संबंधों में बेंगलूरु की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए इस बात पर प्रकाश डाला कि बेंगलूरु की 750 बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ, जिनमें 370 अमेरिकी-आधारित फर्में शामिल हैं, और बड़ी संख्या में छात्र और उद्यमी अमेरिका की यात्रा करते हैं, वाणिज्य दूतावास के लिए एक आकर्षक मामला बनाते हैं। मार्च 2023 में बेंगलूरु की अपनी यात्रा के दौरान डॉ. जयशंकर की प्रतिक्रिया ने इस पहल के महत्व को और पुख्ता किया। इसे एक आसान और सम्मोहक अनुरोध बताते हुए, उन्होंने आश्वासन दिया कि तत्कालीन विदेश मंत्री एंथनी ब्लिंकन के साथ अपनी अगली बैठक के दौरान इस मामले को आगे बढ़ाया जाएगा।

सूर्या ने 2020 में भारत में तत्कालीन अमेरिकी राजदूत डॉ. केनेथ जस्टर के सामने भी इस मुद्दे को उठाया था, जिसमें उन्होंने अमेरिका-भारत संबंधों को मजबूत करने में बेंगलूरु की महत्वपूर्ण भूमिका को दोहराया था।

यह सफलता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 2023 में संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्रा के दौरान मिली, जहाँ उन्होंने पारस्परिक आधार पर बेंगलूरु में एक अमेरिकी वाणिज्य दूतावास की स्थापना की घोषणा की। तब से, बेंगलूरु में वाणिज्य दूतावास के लिए स्थान को अंतिम रूप देने की योजनाएँ चल रही हैं। अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने गुरुवार को यूएस-इंडिया बिजनेस काउंसिल की बैठक में आखिरकार जनवरी 2024 में वाणिज्य दूतावास के उद्घाटन की पुष्टि की।

न्यायिक जांच की मांग लेकर भाजपा राज्यपाल के पास पहुंची

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक भाजपा के वरिष्ठ नेता सीटी रवि और कांग्रेस नेता लक्ष्मी हेब्बालकर के बीच अपमान जनक टिप्पणी विवाद थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। इस मामले में जहां एक तरह कर्नाटक सरकार ने सीआईडी जांच के आदेश दिए है तो दूसरी ओर भाजपा नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडन ने मंगलवार को राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मुलाकात की। मुलाकत के दौरान भाजपा नेताओं ने सीटी रवि के खिलाफ निष्पक्ष जांच की मांग उठाई। बता दें कि भाजपा नेता रवि पर आरोप है कि उन्होंने 19 दिसंबर को विधान परिषद में हेब्बालकर के खिलाफ अपमानजनक शब्द कहे थे। इसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और बेलगावी पुलिस वैन में ले जाया गया। जानकारी के अनुसार मामले में गृह मंत्री जी परमेश्वर ने

कहा कि जब जांच चल रही हो, तो इस पर कोई टिप्पणी नहीं की जा सकती, इसलिए मामले की जांच सीआईडी को सौंप दी गई है। हालांकि भाजपा नेता रवि ने आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि अगर सीआईडी जांच करती है तो यह एक निष्पक्ष न्यायाधीश की निगरानी में होनी चाहिए। राज्यपाल से मुलाकात के दौरान भाजपा नेताओं ने अनुरोध किया कि रवि को उचित सुरक्षा दी जाए और निष्पक्ष जांच की जाए। इसके साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि रवि की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया। बता दें कि रवि ने 20 दिसंबर को पुलिस पर मानवाधिकार उल्लंघन का आरोप लगाया था और कर्नाटक उच्च न्यायालय ने उन्हें तुरंत रिहा करने का आदेश दिया था।

भाजपा विधायक मुनिरत्ना पर कुछ बदमाशों ने फेंके अंडे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हाल ही में बलात्कार के आरोप में जेल से रिहा हुए राजराजेश्वरी विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक मुनिरत्ना पर कुछ बदमाशों द्वारा अंडे फेंकने की घटना प्रकाश में आई है। मुनिरत्ना ने आरोप लगाया कि मामले ने राजनीतिक रूप ले लिया है और उन पर उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और पूर्व सांसद डीके सुरेश के समर्थकों ने हमला किया है। आरआरनगर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत लक्ष्मीदेवी नगर वार्ड के भाजपा कार्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का जनशताब्दी कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

जब मुनिरत्ना इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने जा रहे थे, तभी कुछ शरारती तत्वों ने नंदिनी लेआउट पर अंडे फेंके। फिलहाल कोई जनहानि नहीं हुई है। जैसे ही मामला मीडिया में प्रसारित हो रहा था, मुनिरत्ना के समर्थक कांतिरवा स्टेडियम के पास एकत्र हुए और कांग्रेस के खिलाफ नारे लगाए। इस दौरान कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच नोकझोंक भी हुई। पता चला है कि मुनिरत्ना पर अंडे फेंकने के

प्रतिशोध में मुनिरत्ना के समर्थकों ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं की कार में तोड़फोड़ की। पथराव और झड़प के परिणामस्वरूप दो से तीन कारें क्षतिग्रस्त हो गईं और कुछ लोगों को मामूली चोटें आईं। घटना की खबर मिलते ही नंदिनी लेआउट पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया और स्थिति की जानकारी ली। दोनों दलों के कार्यकर्ताओं के हंगामे के कारण स्टेडियम के सामने कुछ देर के लिए जाम लग गया। पुलिस ने दोनों पार्टियों के कुछ कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है। घटना पर टिप्पणी करते हुए, मुनिरत्ना ने आरोप लगाया कि डीके शिवकुमार और उनके भाई डीके सुरेश के समर्थकों ने उन पर हमला किया था। इसका सीधा कारण भाई और उनके समर्थक हैं। घटना को लेकर प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष बी.वाई.विजयेंद्र ने सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा हमारे विधायकों पर हमला हुआ है। मैं उनसे बात करूंगा। सत्ता होने के कारण किसी भी जन प्रतिनिधि का अपमान नहीं होना चाहिए। ये सिर्फ मुनिरत्ना का अपमान नहीं है, बल्कि पूरे निर्वाचन क्षेत्र का अपमान है।

सिम्हा ने सीएम की प्रशंसा की

सिद्धरामैया के नाम पर सड़क का नाम रखने का समर्थन किया

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को अप्रत्याशित रूप से एक समर्थक और प्रशंसक मिल गया है, जो पूर्व सांसद प्रताप सिम्हा हैं। यहां बुधवार को मीडियाकर्मियों से बात करते हुए भाजपा के सिम्हा ने लक्ष्मी वेंकटेश्वर मंदिर से केआरएस रोड के रॉयल इन जंक्शन तक के मार्ग का नाम सिद्धरामैया आरोग्य मार्ग रखने के मैसूरु सिटी कॉरपोरेशन (एमसीसी) के फैसले पर उठे विवाद के मद्देनजर सिद्धरामैया के काम की प्रशंसा की। उन्होंने कहा मैं वैचारिक रूप से सिद्धरामैया का विरोध करता हूं, लेकिन इस मामले में नहीं। वह मैसूरु के गौरवशाली पुत्र हैं। सिद्धरामैया दो बार स्पष्ट बहुमत के साथ सीएम रह चुके हैं। उन्होंने मैसूरु के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सिद्धरामैया जयदेव अस्पताल भवन, सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल और राजा मार्ग के निर्माण के लिए जिम्मेदार हैं। वह 40 से अधिक वर्षों से राजनीति और विधायक के रूप में हैं। उनके नाम पर सड़क का नाम रखने में क्या गलत है? इस

मामले का विरोध करना राजनीतिक संकीर्णता है। यह दही में पत्थर खोजने जैसा है। भाजपा ही नहीं, बल्कि सभी पार्टियों में सफल लोग हैं, हमें उन्हें स्वीकार करना चाहिए। ज्ञातव्य है कि मैसूरु में सिद्धरामैया के नाम पर सड़क का नाम रखने के एमसीसी के प्रस्ताव पर बहस शुरू हो गई है।

मैसूरु सिटी कॉरपोरेशन (एमसीसी) परिषद द्वारा केआरएस रोड के एक हिस्से का नाम कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नाम पर रखने के प्रस्ताव पर कड़ी प्रतिक्रिया हुई है। लक्ष्मी वेंकटरमणस्वामी मंदिर से आउटर रिंग रोड जंक्शन तक केआरएस रोड के हिस्से का नाम सिद्धरामैया आरोग्य मार्ग रखने का प्रस्ताव है। ऐसा इसलिए क्योंकि इस हिस्से पर ट्रॉमा सेंटर, जयदेव इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोवैस्कुलर साइंस एंड रिसर्च का मैसूरु सेंटर, सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल समेत कई अस्पताल बने हैं और इस हिस्से के लिए फंड की मंजूरी सिद्धरामैया ने अपने पिछले कार्यकाल के दौरान दी थी। चामराजा विधायक हरीश गौड़ा के सुझाव के आधार पर एमसीसी ने 22 नवंबर को अपनी बैठक में यह फैसला लिया। परिषद की बैठक में पेश किए जाने से पहले इस मुद्दे को मैसूरु के डिप्टी कमिश्नर के सामने रखा गया था। 13 दिसंबर को एमसीसी ने एक समाचार पत्र अधिसूचना जारी की, जिसमें अधिसूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के भीतर जनता से आपत्तियां आमंत्रित की गईं। एमसीसी के इस निर्णय की सूचना के अधिकार कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने आलोचना की है, जो मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) द्वारा मुख्यमंत्री की पत्नी को कथित अवैध रूप से भूखंड आवंटित करने के मामले में शिकायतकर्ता हैं और जिसकी जांच कर्नाटक लोकायुक्त पुलिस कर रही है। कृष्णा ने कहा कि यह निर्णय आश्चर्यजनक है, क्योंकि सिद्धरामैया को मुडा मामले में ए1 के रूप में नामित किया गया है, और इस मामले की जांच प्रवर्तन निदेशालय द्वारा भी की जा रही है। कृष्णा ने कहा ऐसा होने पर यह बेहद खेदजनक है कि एमसीसी एक ऐतिहासिक सड़क का नाम आरोपी के नाम पर रखना चाहती है। उन्होंने एमसीसी के समक्ष आपत्तियां दर्ज करने और इस कदम के खिलाफ लड़ने की कसम खाई। मैसूरु विश्वविद्यालय के विकास अध्ययन संस्थान के पूर्व प्रोफेसर चंद्रप्रकाश ने कहा कि सड़क का नाम बदलने की कोई आवश्यकता नहीं है, जिसे केआरएस रोड के नाम से जाना जाता है।

उसका नाम सिद्धरामैया के नाम पर रखा जा सकता है

यहां तक कि आपत्तियां मांगने वाली अधिसूचना में भी इसे केआरएस रोड बताया गया है। एक विरासत कार्यकर्ता ने कहा कि नलवाड़ी कृष्णराज वाडियार ने 1921 में अपनी बहन की याद में राजकुमारी कृष्णजम्मानी क्षय रोग और छाती रोग अस्पताल की स्थापना की थी, जो टीबी से मर गई थी। अस्पताल स्थापित करने के लिए भूमि का एक बड़ा हिस्सा – लगभग 200 एकड़ – आरक्षित किया गया था, जिसने लाखों रोगियों का इलाज किया है। जयदेव अस्पताल, ट्रॉमा केयर सेंटर और एक सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल सहित कुछ नए अस्पताल उसी भूमि पर बने हैं। इसलिए, राजकुमारी कृष्णजम्मानी के नाम पर सड़क का नाम रखना उचित होगा, जबकि किसी अन्य सड़क का विकास किया जा सकता है और उसका नाम सिद्धरामैया के नाम पर रखा जा सकता है।

अश्लील टिप्पणी विवाद

मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने सीटी रवि को धर्मस्थल देवता के सामने शपथ लेने की दी चुनौती

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक की महिला एवं बाल कल्याण मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने मंगलवार शाम को भाजपा एमएलसी सी. टी. रवि को चुनौती दी कि वह धर्मस्थल में भगवान मंजूनाथेश्वर के सामने शपथ लेकर आएं कि उन्होंने विधान परिषद में उनके खिलाफ अपमानजनक शब्द का इस्तेमाल नहीं किया है। बेलगावी में मीडिया से बात करते हुए मंत्री हेब्बालकर ने कहा रवि को धर्मस्थल आने दें। उन्हें वहां भगवान के सामने शपथ लेकर आना चाहिए कि उन्होंने इस शब्द का इस्तेमाल नहीं किया है। मैंने बहुत संघर्ष के बाद राजनीति में प्रवेश किया है। मैंने भगवान के नाम का इस्तेमाल करके और समाज में कलह पैदा करके अपना राजनीतिक करियर नहीं बनाया है। सी. टी. रवि, आप भगवान पर भरोसा करते हैं न? धर्मस्थल आइए। मैं अपने परिवार के साथ मौजूद रहूंगी। आपको भी अपने परिवार के साथ आना होगा और भगवान के सामने शपथ लेकर यह बताना होगा कि आपने परिषद में इस शब्द का इस्तेमाल नहीं किया है। रवि को भगवान के सामने यह कहना होगा कि उन्होंने किसी महिला का अपमान नहीं किया है। मैं अपने परिवार के साथ मौजूद रहूंगी। उन्होंने आरोप लगाया यह कोई चुनौती नहीं है, मुझे उनसे

कोई जवाब नहीं चाहिए। मुझे किसी दुष्ट मानसिकता वाले व्यक्ति से कोई जवाब नहीं चाहिए। हालांकि, रवि और भाजपा नेता अपने कार्यकर्ताओं और नेताओं को गुमराह कर रहे हैं। क्या आप भगवान में बहुत विश्वास करते हैं? धर्मस्थल आपके गृहनगर के बहुत करीब है। पूरा देश धर्मस्थल का सम्मान करता है। आप (रवि) भगवान मंजूनाथ की कसम खाते हैं। मंत्री हेब्बालकर ने कहा अगर आपमें कोई नैतिकता है, तो आप मुझे बुलाकर आइए। यह विवाद 19 दिसंबर को कर्नाटक विधान परिषद में गरमागरम बहस के दौरान शुरू हुआ। सी. टी. रवि ने कथित तौर पर कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को ड्रग एडिक्ट कहा। इस पर तीखी प्रतिक्रिया हुई और मंत्री हेब्बालकर ने रवि को हत्यारा कहा। कथित तौर पर रवि ने हेब्बालकर पर अश्लील टिप्पणी की। कथित टिप्पणी के कारण रवि को हेब्बालकर के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। हालांकि, उच्च न्यायालय के निर्देश के बाद रवि को रिहा कर दिया गया। कांग्रेस सरकार ने मामले को विशेष शाखा आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) को सौंप दिया है, जबकि परिषद के अध्यक्ष बसवराज होराट्टी ने कहा कि मामला बंद हो चुका है और पुलिस का हस्तक्षेप अस्वीकार्य है। लोकप्रिय मान्यता यह है कि जो कोई भी धर्मस्थल में भगवान मंजूनाथेश्वर के सामने झूठ बोलता है, वह सब कुछ खो देता है।

सीएम के नाम पर सड़क का नाम रखने का प्रस्ताव

क्या सिद्धरामैया को नैतिक दायित्व महसूस नहीं होता? विजयेन्द्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुडा मामले में मुख्य आरोपी मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नाम पर सड़क के एक हिस्से का नाम रखने के प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कर्नाटक भाजपा ने बुधवार को उनकी आलोचना की और सवाल किया कि क्या मुख्यमंत्री को कोई नैतिक दायित्व महसूस नहीं होता।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा मैसूरु साम्राज्य का निर्माण और पालन-पोषण मैसूरु के राजाओं और शासकों ने किया था। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने एक सड़क का नाम अपने नाम पर रखने का फैसला किया है, जिसका नाम महान शाही वंश के नाम पर है। विजयेंद्र ने कहा मैसूरु सिटी कॉरपोरेशन, जिसके पास वर्तमान में कोई निर्वाचित प्रतिनिधि नहीं है, के लिए ऐसा निर्णय लेना कितना प्रक्रियात्मक

और उचित है। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा क्या मुख्यमंत्री सत्ता में रहते हुए और अपना नाम स्थापित करने का प्रयास करते हुए नैतिक दायित्व महसूस नहीं करते? इस तरह की हरकतें केवल तुगलक शासन की याद दिलाने वाले प्रशासन में ही देखी जा सकती हैं। मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) मामले में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ आरोपों की पृष्ठभूमि में स्थानीय नगर निगम द्वारा मैसूरु शहर में एक सड़क का नाम उनके नाम पर रखने के प्रस्ताव पर आपत्तियां उठाई गई हैं। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए परिसर संरक्षण समिति की अध्यक्ष भानु मोहन ने मैसूरु नगर निगम को लिखे अपने पत्र में कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया वर्तमान में मैसूरु लोकायुक्त द्वारा जांच का सामना कर रहे हैं। इस मामले में मुख्यमंत्री को आरोपी नंबर एक बताया गया है। इन परिस्थितियों में सार्वजनिक सड़क का नाम मुख्यमंत्री के नाम पर रखना समाज में गलत संदेश देगा।

इस पृष्ठभूमि में, मैं आपत्ति जता रही हूं और अनुरोध करती हूं कि अदालती सुनवाई पूरी होने और फैसला आने तक सड़क का नाम मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नाम पर न रखा जाए।

अगर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया बेदाग निकलते हैं, तो उनके नाम पर सड़क का नाम रखने के प्रस्ताव पर विचार किया जा सकता है। भानु मोहन ने अपनी दलील के साथ मामले का विवरण और एफआईआर भी संलग्न की है।

भाजपा एमएलसी रवि की गिरफ्तारी का मामला

राजनेताओं को थाने के अंदर जाने देने के लिए पुलिस इंस्पेक्टर निलंबित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा एमएलसी सी टी रवि के खिलाफ दर्ज मामले के सिलसिले में हिरासत में रहने के दौरान खानपुर थाने के पुलिस इंस्पेक्टर को कथित तौर पर राजनीतिक नेताओं और अन्य लोगों को थाने के अंदर जाने देने के लिए ड्यूटी में लापरवाही बरतने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 21 दिसंबर को बेलगावी के उत्तरी क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय द्वारा निलंबन आदेश जारी किया गया। 19 दिसंबर को रवि को बेलगावी में सुवर्ण विधान सौधा के परिसर से पुलिस ने मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के खिलाफ विधान परिषद हॉल में कथित तौर पर अपमानजनक शब्द का इस्तेमाल करने के लिए गिरफ्तार किया था। आधिकारिक आदेश के अनुसार, जब सी टी रवि को सुरक्षा कारणों

से खानपुर थाने ले जाया गया, तो थाने के प्रभारी पुलिस इंस्पेक्टर मंजूनाथ नायक को कर्मचारियों का इस्तेमाल करने और उन्हें उपयुक्त ड्यूटी सौंपने के लिए कहा गया। साथ ही थाने के अंदर आरोपी के अलावा किसी अन्य व्यक्ति के प्रवेश को रोकने का भी आदेश दिया गया। हालांकि, कई राजनीतिक नेता और मीडियाकर्मी थाने के अंदर घुस आए। इससे थाने के अंदर शोरगुल का माहौल बन गया। आदेश में आगे कहा गया है कि एक जिम्मेदार पुलिस इंस्पेक्टर ग्रेड अधिकारी होने के नाते नायक कई राजनीतिक नेताओं को खानपुर थाने में घुसने से रोकने में विफल रहे, जिससे वहां अफरातफरी का माहौल बन गया। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश का उल्लंघन किया, कर्तव्य पालन में लापरवाही और असावधानी दिखाई। इसलिए विभागीय जांच शुरू की गई और नायक को कर्तव्य में लापरवाही के लिए तत्काल प्रभाव से सेवा से निलंबित कर दिया गया। बुधवार को जारी पुलिस बयान के अनुसार, हीरेबागेवाड़ी थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 75 (यौन उत्पीड़न) और 79 (किसी महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से शब्द, इशारा या कृत्य) के तहत मामला दर्ज करने के बाद रवि को हिरासत में लिया गया और जांच अधिकारियों को सौंप दिया गया। हालांकि, सुरक्षा पहलू और हीरेबागेवाड़ी थाने के पास जमा हुई भारी भीड़ को देखते हुए रवि को खानपुरा थाने में स्थानांतरित कर दिया गया। पुलिस ने कहा बड़ी संख्या में मीडियाकर्मी, समर्थक और पार्टी कार्यकर्ता खानपुरा पुलिस स्टेशन में एकत्र हुए और अराजक माहौल पैदा कर दिया। अतिरिक्त समर्थकों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के आने की भी संभावना थी। इन सभी कारकों से सार्वजनिक व्यवस्था को बाधित करने की भी संभावना थी। रवि की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उन्हें रामदुर्गा में स्थानांतरित कर दिया गया।

सेना का वाहन खाई में गिरने से कर्नाटक के तीन सैनिकों सहित पांच की मौत

सीएम ने जताया दुख

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में मंगलवार को सेना का वाहन खाई में गिर गया, जिसमें पांच सैनिकों की मौत हो गई। इनमें से तीन दयानंद थिरकन्नावरा, अनूप और महेश मेरीगोंडा कर्नाटक के थे। बुधवार को सीएम सिद्धरामैया ने एक्स पर एक संदेश में उनके निधन पर शोक जताया। उन्होंने कहा जम्मू-कश्मीर के पुंछ के पास सेना के वाहन दुर्घटना में कन्नड़ सैनिकों दयानंद थिरकन्नावरा, अनूप और महेश मेरीगोंडा की शहादत की खबर सुनकर मुझे दुख हुआ। मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि मृतक सैनिकों की आत्मा को शांति मिले और उनके परिवारों को इस दर्द को सहने की शक्ति मिले।

सिद्धरामैया ने आगे कहा राष्ट्र हमेशा इन शहीदों के बलिदान

और बहादुरी को याद रखेगा जिन्होंने राष्ट्र की सेवा में अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। सैनिक एक सैन्य वाहन में यात्रा कर रहे थे, जब किसी कारण से यह संकरी, जोखिम भरी सड़क से भटक गया, जिसकी अभी भी जांच चल रही है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि 11 मराठा लाइट इन्फैंट्री का एक सैन्य वाहन, जो नीलम मुख्यालय से एलओसी के पास बलनोई घोरा पोस्ट की ओर जा रहा था, घोरा पोस्ट के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अधिकारी ने कहा कि वाहन लगभग 150 फीट गहरी खाई में गिर गया, जिससे चालक सहित 10 सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गए। 11 मराठा लाइट इन्फैंट्री का एक त्वरित प्रतिक्रिया दल (क्यूआरटी) और मनकोट से एक पुलिस दल घटनास्थल पर पहुंचा और बचाव अभियान शुरू किया। रक्षा प्रवक्ता ने कहा कि दुर्घटना के कारण का पता लगाया जा रहा है, लेकिन संभवतः चालक ने सड़क के मोड़ पर नियंत्रण खो दिया। यह दुर्घटना घरोआ क्षेत्र में हुई जब छह वाहनों का एक काफिला नीलम मुख्यालय से बलनोई घोरा पोस्ट की ओर जा रहा था। अधिकारियों ने कहा कि बचाव दल ने 300-350 फीट गहरी खाई से पांच शव बरामद किए हैं। घायल सैनिकों को पुंछ के फील्ड अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनमें से एक की हालत गंभीर है। दुर्घटना में पांच सैनिकों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए।

वकालत करने से प्रसिद्धि नहीं मिलती: प्रल्हाद जोशी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि वह सिद्धरामैया से कहना चाहते हैं कि कानून हाथ में लेने से आप जैसे लोगों का नाम रोशन नहीं होगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र और अन्य नेताओं की मौजूदगी में मीडिया से बात करते हुए प्रल्हाद जोशी ने कहा कि मुनिरत्ना के खिलाफ आरोप हैं और कानून अपनी कार्रवाई कर रहा है। कोर्ट ने जमानत दे दी है। उन्होंने सवाल किया कि क्या अदालत ने उन्हें अपने निर्वाचन क्षेत्र में नहीं जाने के लिए कहा था। मुनिरत्ना अपने संसदीय क्षेत्र में अटल बिहारी वाजपेई का कार्यक्रम कर रहे थे। वहां उन पर अंडे फेंके गए, चाहे वह मुनिरत्ना का मामला हो या सीटी रवि का मामला हो कोर्ट को फैसला करने दीजिए। आपके द्वारा कानून हाथ में लेकर हमला करना और अंडे

फेंकना निंदनीय है। सीटी रवि की शिकायत पर आज तक कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। जब वकील ने पूछा कि शिकायत दर्ज क्यों नहीं की गई तो अधिकारी ने कहा कि मामले का ट्रांसफर सीआईडी में कर दिया गया है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि खानपुर थाने के पुलिस इंस्पेक्टर मंजूनाथ नाइक को निलंबित कर दिया गया है। उन्होंने पूछा कि क्या कमिश्नर और एसपी वहां नहीं थे? उस स्थिति में उन्होंने क्या किया होता। ऐसा लग रहा है कि कुछ डरावना हुआ है। आर.अशोक, विजयेंद्र और वकीलों को सीटी रवि से बात न करने के लिए बाहर बैठा दिया। लोकतंत्र में इस प्रकार का व्यवहार अस्वीकार्य है। लोकतंत्र में कानून के मुताबिक संविधान का पालन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि नेहरू के समय से लेकर अब तक कांग्रेस पार्टी संविधान और डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर का तिरस्कार करती रही है। इसी बीच भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा सत्ता के लिए किसी जन प्रतिनिधि पर अत्याचार करना और उसे अपमानित करना निंदनीय है। उन्होंने खानापुर सब-इंस्पेक्टर के निलंबन के बारे में एक सवाल का जवाब देते हुए यह बात कही। उन्होंने आपत्ति जताई कि इससे पता चलता है कि अगर धर्म शक्ति का स्तंभ है तो कोई कैसा व्यवहार कर सकता है। विधानसभा में पाकिस्तान जिंदाबाद कहने वालों पर आपने कार्रवाई नहीं की। इससे पहले जब सुवर्णसौधा में सत्र चल रहा था तो गुंडे विधायकों पर हमला करने के लिए घुस आए थे। उनके खिलाफ भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने कहा कि सरकार ऐसे काम कर रही है जैसे उसके पास शक्ति है, जो कि निंदनीय है।

कांग्रेस महाधिवेशन के मद्देनजर सुरक्षा पर एक बैठक आयोजित

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार और गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने बेलगावी सिटी पुलिस आयुक्त कार्यालय का दौरा किया और कांग्रेस महाधिवेशन के मद्देनजर सुरक्षा पर एक बैठक की। स्वतंत्रता से पहले 1924 को बेलगावी में आयोजित कांग्रेस के आम सत्र की अध्यक्षता महात्मा गांधी द्वारा किए जाने के 100 वर्ष पूरे होने की पृष्ठभूमि पर यह शताब्दी मनाई जा रही है। गृह मंत्री ने इस संदर्भ में उठाए गए सुरक्षा उपायों के बारे में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से परामर्श किया। कानून और व्यवस्था विभाग के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक आर. हितेंद्र, उत्तरी क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक विकासकुमार, बेलगावी शहर के पुलिस आयुक्त यदामार्टिन, बेलगावी के एसपी भीमा शंकर गुलेद, हुब्बल्ली-धारवाड़ के पुलिस कमिश्नर शशिकुमार बैठक में शामिल हुए।

कार्यक्रम में 150 से ज्यादा सांसद हिस्सा ले रहे हैं। इसके अलावा सम्मेलन में कांग्रेस के प्रभावशाली नेता सोनिया गांधी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस के राष्ट्रीय पदाधिकारी भाग ले रहे हैं। शताब्दी के उपलक्ष्य में एआईसीसी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक, खुला सम्मेलन, सुवर्णा सौधा के सामने गांधी प्रतिमा का अनावरण सहित बेलगावी में चलो अभियान का फैसला किया है। कांग्रेस पार्टी भाजपा पर लड़ाई न होने देने का दबाव बना रही है। अगर कोर्ट से अनुमति मिल जाती है तो क्या कदम उठाए जाएं, इस पर भी चर्चा की गई।

उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को चेतावनी दी है कि महाधिवेशन के दौरान किसी भी तरह की गड़बड़ी नहीं होनी चाहिए और सुरक्षा में सेंध नहीं लगनी चाहिए। डीके शिवकुमार के बैठक में पहुंचने से पहले परमेश्वर को पुलिस कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

चूंकि सरकार और कांग्रेस पार्टी संयुक्त रूप से कार्यक्रम का आयोजन कर रही है, इसलिए सुरक्षा पर अधिक जोर दिया जा रहा है। इस बीच भाजपा ने सीटी रवि का मामला सामने लाकर अधिकारियों के साथ विधान परिषद सदस्य सीटी रवि की गिरफ्तारी की जानकारी मिली। यह पता चला है कि गृह मंत्री ने इस बात पर अधीरता व्यक्त की कि उन्होंने उनके ध्यान में आए बिना अपमानजनक व्यवहार क्यों किया।

कुवेम्पु की जयंती मनाने के लिए थिएटर फेस्टिवल का आयोजन कल से

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो। शिवमोग्गा में थिएटर मंडली होंगिराना कवि कुवेम्पु की जयंती के अवसर पर शुक्रवार से कुवेम्पु रंगा मंदिरा शिवमोग्गा में तीन दिवसीय थिएटर महोत्सव आयोजित करेगा। मंडली कुवेम्पु के श्री रामायणदर्शनम, बोम्मनहल्ली किंदारी जोगी और नन्ना गोपाला पर आधारित नाटक रावण दर्शनम का मंचन करेगी। रावण दर्शनम, जिसकी पटकथा डॉ. राजप्पा दलवई ने लिखी थी, और नन्ना गोपाला, का निर्देशन सस्वेहल्ली सतीश ने किया है, जबकि बोम्मनहल्ली किंडारी जोगी का निर्देशन श्रुति आदर्श ने किया है।

यहां बुधवार को आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में होंगिराना के सस्वेहल्ली सतीश ने थिएटर-प्रेमियों से बच्चों के साथ नाटक देखने की अपील की। इन नाटकों का चयन प्रसिद्ध कवि कुवेम्पु की जयंती के अवसर पर किया गया, जिनका 20वीं सदी में कन्नड़ साहित्य और सांस्कृतिक जगत पर उल्लेखनीय प्रभाव था। तीनों दिन शो शाम 6.30 बजे शुरू होंगे। तीनों नाटकों के लिए प्रवेश टिकट नाटकों के लिए टिकटों की कीमत 100 है, तथा व्यक्तिगत नाटकों के लिए टिकटों की कीमत 50 प्रति व्यक्ति है।

पशुपतिनाथ से बैजनाथ धाम तक एक्सप्रेस-वे की मांग

सम्राट चौधरी ने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री को लिखा खत

पटना (एजेंसियां)। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राज्य के सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने और आर्थिक विकास को गति देने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की है। उन्होंने केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखकर नेपाल स्थित पशुपतिनाथ धाम से झारखंड के बैजनाथ धाम (देवघर) तक नए एक्सप्रेस-वे के निर्माण की मांग की है। सम्राट चौधरी ने अपने पत्र में इस बात पर जोर दिया कि इस मार्ग पर बड़ी संख्या में शिव-भक्त गंगा जल लेकर सुल्तानगंज से बैजनाथ धाम तक पैदल यात्रा करते हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि इस नए एक्सप्रेस-वे के दोनों ओर तीर्थयात्रियों और श्रद्धालुओं के लिए सर्विस रोड का निर्माण किया जाए, ताकि वे नंगे पैर आरामदायक यात्रा कर सकें।

उन्होंने बताया कि प्रस्तावित ग्रीनफील्ड एलाइनमेंट पशुपतिनाथ (नेपाल) से बैजनाथ धाम (देवघर) तक तैयार किया गया है। यह मार्ग भीमनगर, बीरपुर, पसराहा, अगुआनीघाट, सुल्तानगंज, कटोरिया और चानन से होकर गुजरेगा।

सुल्तानगंज-अगुआनीघाट पर गंगा नदी पर पुल का निर्माण पहले से चल रहा है, जो इस एक्सप्रेस-वे का एक अहम हिस्सा होगा। सम्राट चौधरी ने अपने पत्र में उल्लेख किया कि इस एक्सप्रेस-वे के निर्माण से न केवल बिहार में सांस्कृतिक और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि क्षेत्र का आर्थिक विकास भी तेज होगा। उन्होंने बताया कि बिहार में पर्यटन को प्रोत्साहन मिलने से स्थानीय कारोबार को बढ़ावा मिलेगा। यह एक्सप्रेस-वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय श्रद्धालुओं के लिए यात्रा को सुविधाजनक और सुरक्षित बनाएगा।

कॉफी की कीमतें आसमान छू रही

मौसम की अनिश्चितताओं के कारण कर्नाटक में उपज में 15 प्रतिशत की कमी की आशंका

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। इस साल कॉफी उत्पादक असमंजस में हैं, क्योंकि एक तरफ, कॉफी की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई हैं और दूसरी तरफ, 2023 और 2024 में मौसम की अनिश्चितताओं के कारण इस मौसम में फसल में अनियमितता और उपज में कमी आई है। कॉफी बोर्ड को इस वजह से इस मौसम में औसतन 15 प्रतिशत की कमी का अनुमान है। कॉफी की कटाई दिसंबर से फरवरी के बीच की जाती है।

कॉफी बोर्ड के सीईओ और सचिव के.जी. जगदीश ने कहा कि हमें अनुमान है कि कर्नाटक में 15 प्रतिशत से ज्यादा उपज में कमी आएगी, क्योंकि आंध्र प्रदेश और उत्तर पूर्व जैसे कॉफी उगाने वाले दूसरे इलाकों में उत्तर-पूर्वी मानसून आता है। इस बार, दक्षिण-पश्चिम मानसून, जो कर्नाटक को कवर करता है, ज्यादा भारी और एक समान नहीं था। उन्होंने कहा कि मार्च-अप्रैल में पोस्ट ब्लॉसम सर्वे के बाद सटीक आंकड़े स्पष्ट हो जाएँगे। भारी बारिश स्थानीय स्तर पर हुई। कुछ इलाकों में नवंबर में भी बारिश हुई। तीन मुख्य कॉफी जिलों - कोडागु, चिक्कमगलूरु और हासन में पैदावार प्रभावित होने की उम्मीद है। उन्होंने बताया पिछले साल नवंबर-दिसंबर में बारिश हुई थी। फिर इस साल जनवरी में फिर बारिश हुई।

फरवरी-मार्च के दौरान फूलों की बारिश आदर्श है। अगर पहले बारिश होती है, तो बेरी का असमान निर्माण और पकना देखा जाता है। हमें पिछले साल के 3.6 लाख मीट्रिक टन की तुलना में 3.5 लाख मीट्रिक टन का मामूली उत्पादन होने की उम्मीद है। दक्षिण कोडागु के देवरापुरा के एक बागान मालिक नाज चेंगप्पा ने कहा कई बागान मालिकों को कई बार बारिश और कई बार फूल आने की वजह से असमान पकने का अनुभव हो रहा है। एक कॉफी के पेड़ में, हम पके, हरे और सूखे फूल देख रहे हैं। अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में (बेरीज) गिरते भी देखे गए। बागान मालिकों के लिए यह बुरी खबर है क्योंकि ब्राजील और वियतनाम में आपूर्ति पक्ष की बाधाओं के कारण कॉफी की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई हैं। जगदीश ने कहा हमें उनसे बहाली के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिली है। इसलिए, जब तक यह बहाल नहीं हो जाता, तब तक कीमत अधिक हो सकती है।

जलवायु लचीलापन कॉफी बोर्ड ने बागान मालिकों से मौसम के बदलावों से खुद को बचाने के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं का पालन करने का आग्रह किया है। इस साल, भारी बारिश हुई। जिन लोगों ने जल संरक्षण में निवेश किया है, उन्होंने इस पानी को संग्रहीत किया होगा और बेहतर उपज के लिए इसका इस्तेमाल किया होगा। हमने जलवायु लचीलापन किस्मों पर शोध भी शुरू कर दिया है। हम उच्च कार्बन सामग्री, जैविक मल्चिंग, जैविक और रासायनिक उर्वरकों को मिलाने, अच्छी छाया प्रबंधन और जल संरक्षण को बनाए रखने की सलाह देते हैं।

मोबाइल फोन विवाद को लेकर मजदूर पर हमला

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। हाल ही में उडुपी पहुंचे एक दिहाड़ी मजदूर पर उसके ही दोस्त ने मोबाइल फोन के मामूली विवाद में हमला कर दिया। चिक्कमगलूरु के नंदीबट्टू तांड्या निवासी रवि (30), जो एक सप्ताह पहले ही उडुपी पहुंचा था और दिहाड़ी मजदूरी की तलाश में था, पर 23 दिसंबर की देर रात कथित तौर पर हमला किया गया।

घटना रात करीब 11:30 बजे तिरुमाला ज्वैलर्स के सामने मूदानिदंबुरु गांव में नैना फैंसी स्टोर के पास हुई।

रिपोर्ट के मुताबिक, रवि अपने एक परिचित हनुमंत से मोबाइल फोन के बारे में बात कर रहा था। चर्चा बहस में बदल गई, जिसके दौरान हनुमंत ने कथित तौर पर रवि के होठों और गाल पर वार किया, जिससे खून बहने लगा।इसके बाद हनुमंत ने कथित तौर पर रवि को लात मारी और उसके सिर पर पत्थर से हमला किया, जिससे उसे और चोटें आईं। उडुपी टाउन पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। आगे की जांच जारी है।

सड़क हादसे में दो लोगों की मौत

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण कन्नण में स्थित संपाजे के कोइनाडू के पास स्थित चादावु में एक ट्रक और स्कूटर के बीच हुई एक दुखद दुर्घटना में दो सवारों की मौत हो गई। मृतक की पहचान चिदानंद आचार्य के रूप में हुई है। चिदानंद की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि पीछे बैठी एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई।

उसे तुरंत सुलिया के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन दुर्भाग्य से, चिकित्सा प्रयासों के बावजूद उसकी जान नहीं बच पाई। घटना की आगे की जांच चल रही है।

सहकारी समिति में नकली सोना घोटाला

2.11 करोड़ रुपये का ऋण घोटाला 28 पर मामला दर्ज, 1 गिरफ्तार

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मेंगलूरु में समाज सेवा सहकारी समिति की पडिल शाखा में नकली सोने के आभूषणों को गिरवी रखकर 2,11,89,800 रुपये का ऋण लेने के मामले में धोखाधड़ी के आरोपों के बाद बंटवाल में समाज सेवा सहकारी समिति के अध्यक्ष, निदेशकों और प्रभारी प्रबंधक सहित 28 व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। सोसाइटी के पूर्व निदेशक और शिकायतकर्ता लोकनाथ डी के अनुसार, पुलिस ने मामले में दूसरे आरोपी और सोसायटी के स्वर्ण मूल्यांकनकर्ता विवेक आचार्य को गिरफ्तार किया है। मेंगलूरु प्रेस क्लब में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए लोकनाथ ने खुलासा किया कि मुख्य आरोपी, पुत्तुर ईश्वरमंगला निवासी अबूबकर सिद्दीकी ने नकली सोने

की चूड़ियों का इस्तेमाल करके ऋण लिया था। विवेक आचार्य ने कथित तौर पर नकली आभूषणों को असली के रूप में प्रमाणित किया। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि सोसायटी के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, निदेशकों और महाप्रबंधक के निर्देश पर शाखा के प्रभारी प्रबंधक प्रशांत द्वारा भारी ऋण वितरित किया गया था। 13 नवंबर, 2023 और 3 फरवरी, 2024 के बीच धोखाधड़ी वाले ऋण जारी किए गए थे। यह मामला इस साल फरवरी के पहले सप्ताह में सामने आया था। सोसायटी के वरिष्ठ सदस्यों ने 10 अप्रैल को मैसूरु रजिस्ट्रार के पास शिकायत दर्ज कराई, इसके बाद 1 जुलाई को जिला आयुक्त और पुलिस अधीक्षक को शिकायत की गई। शिकायतों के बाद, मैसूरु रजिस्ट्रार, दक्षिण कन्नड़ प्रभारी मंत्री और जिला आयुक्त ने मेंगलूरु उप-रजिस्ट्रार को मामले की जांच करने का निर्देश दिया। हालांकि, उप-रजिस्ट्रार ने कथित तौर पर जांच पूरी कर ली और शिकायतकर्ताओं के बयान दर्ज किए बिना ही मामला बंद कर दिया। पुलिस पूछताछ के दौरान, आरोपी ने आरोपों से इनकार किया और झूठे बयान दिए। इस दौरान कथित तौर पर नकली सोने के गहनों की गुप्त नीलामी की गई। कुल ऋण राशि में से 1.31 करोड़ रुपये का भुगतान नहीं किया गया है। सोसायटी के नियमों के अनुसार सोने के आभूषणों के बदले प्रतिदिन अधिकतम 20 लाख रुपये का ऋण दिया जा सकता है, लेकिन इन नियमों का कथित तौर पर उल्लंघन किया गया। पुलिस आयुक्त से मिलने और विवरण प्रस्तुत करने के बाद, मेंगलूरु सीईएन पुलिस स्टेशन में एक औपचारिक शिकायत दर्ज की गई।

लोकनाथ ने मामले के संबंध में दूसरे आरोपी विवेक आचार्य की गिरफ्तारी की पुष्टि की। सोसाइटी के वरिष्ठ सदस्य सेसप्पा टी, सोमय्या एच, सुंदर बी, रमेश बी और पूर्व निदेशक हेमंत साल्यान प्रेस कॉन्फ्रेंस में मौजूद थे।

दो बच्चों की हत्या कर महिला ने की खुदकुशी

कोलार/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के केजीएफ तालुक में बुधवार को 38 वर्षीय महिला ने कथित तौर पर अपने दो बच्चों की हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि महिला की पहचान थिपम्मा के रूप में हुई है। वह गृहिणी थी। पुलिस के अनुसार महिला और उसके पति के बीच तनावपूर्ण संबंध थे। उनकी शादी को 20 साल से अधिक हो चुके थे। ऐसा संदेह है कि पति-पत्नी के बीच वैवाहिक विवाद के कारण महिला ने यह कदम उठाया। प्रारंभिक जांच का हवाला देते हुए एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि महिला ने कथित तौर पर अपने बच्चों - सात वर्षीय बेटी और चार वर्षीय बेटे - को फांसी लगाकर मार डाला। उन्हें मारने के बाद उसने खुद को भी पंखे से लटका लिया। उन्होंने बताया कि शव उसके पति ने देखे और फिर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है। जांच के तहत महिला के पति से पूछताछ की गई है।

बीपीएससी अभ्यर्थियों पर पुलिस ने फिर किया लाठी चार्ज

पटना (एजेंसियां)। बुधवार को गर्दनीबाग़ धरनास्थल पर धरना प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थी एक बार फिर बिहार लोक सेवा आयोग कार्यालय के सामने पहुंचे और प्रदर्शन करने लगे। पुलिस ने उन्सब्को वहां से हट जाने के लिए कहा, लेकिन जब अभ्यर्थियों ने पुलिस की बात नहीं मानी तब पुलिस ने उनपर लाठियां बरसानी शुरू कर दी। प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों का कहना है कि हमलोग लगातार एक सप्ताह से शांति पूर्वक धरना प्रदर्शन कर रहे थे लेकिन सरकार ने हमारी बात को नहीं सुना। न तो सरकार की तरफ से और ना ही आयोग की तरफ से कोई बात करने आया, ऐसे में जब हमलोग आयोग के पास अपनी बात कहने आये तब पुलिस ने हमलोगों पर लाठी चार्ज कर दिया। वेलोग 70वीं पीटी (प्रारंभिक) परीक्षा को रद्द करने की मांग कर रहे हैं। बीपीएससी 70वीं संयुक्त परीक्षा के अभ्यर्थियों का कहना है कि वेलोग पिछले 8 दिनों से गर्दनीबाद धरना प्रदर्शन स्थल पर आमरण अनशन पर बैठकर सरकार और आयोग से अपील कर रहे हैं लेकिन हमारी बात को किसी ने नहीं सुना।

सिद्धरामैया ने शिवराज कुमार के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कन्नड़ सुपरस्टार शिवराजकुमार के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर सीएम ने कहा मैंने प्रसिद्ध कन्नड़ फिल्म अभिनेता शिवराजकुमार को फोन किया और उनसे बात की, जिनकी बीमारी के कारण सर्जरी हुई है और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। मुझे विश्वास है कि शिवराजकुमार का आत्मविश्वास, साहस और दयालुता इस लड़ाई को जीतेगी। शिवन्ना के नाम से मशहूर अभिनेता सर्जरी के लिए 18 दिसंबर को अमेरिका के लिए रवाना हुए। रवाना होने से पहले मीडिया से बात करते हुए, शिवराजकुमार ने कहा कि उनकी सर्जरी 24 दिसंबर को मियामी कैंसर इंस्टीट्यूट (एमसीआई) में होनी है। सिद्धरामैया ने यह भी पोस्ट किया कि देश के बुजुर्गों का आशीर्वाद और छोटों की शुभकामनाएँ शिवराजकुमार के साथ रहेंगी और उनकी रक्षा करेंगी। हम शिवराजकुमार की वापसी की प्रतीक्षा कर रहे हैं, जो जीवन में इस छोटी सी कठिनाई को पार कर स्वस्थ होकर वापस आएंगे। मैं उनके शुभचिंतकों में से एक हूं, जो उनके ठीक होने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।

अरविंद केजरीवाल के झूठ का फिर हुआ पर्दाफाश

मेरा वोट कभी नहीं कटा मैं हमेशा वोट डालती हूं

जिस महिला का नाम लेकर झूठ फैला रहे थे, उसने ही खोली पोल

नई दिल्ली, 25 दिसंबर (एजेंसियां)।

आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की राजनीति एक बार फिर विवादों के घेरे में आ गई है। आम आदमी पार्टी (आपा) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने किदवई नगर में आयोजित एक कार्यक्रम में दावा किया कि एक महिला मतदाता चंद्रा का नाम वोटर लिस्ट से कट गया है। उन्होंने इसे अपने भाषण में मतदाताओं को गुमराह करने और अपनी सरकार की ओर ध्यान खींचने करने का जरिया बनाया।

हालांकि, जब चंद्रा ने खुद इस दावे पर प्रतिक्रिया दी, तो केजरीवाल के बयान की पोल खुल गई। चंद्रा ने साफ कहा, मेरा नाम कभी वोटर लिस्ट से नहीं कटा। मैंने हमेशा नियमित रूप से अपना वोट डाला है। मुझे नहीं पता कि केजरीवाल ने ऐसा क्यों कहा। हो सकता है उन्हें कोई गलतफहमी हुई हो। चंद्रा ने यह भी जोड़ा कि शायद केजरीवाल ने किसी और महिला के बारे में बात की हो, लेकिन गलती से उनकी ओर इशारा कर दिया। चंद्रा के पति एम. रघु ने भी इस मामले में अपना बयान दिया। उन्होंने कहा, हम दोनों का नाम हमेशा वोटर लिस्ट में था

और है। हो सकता है केजरीवाल ने अनजाने में चंद्रा का नाम लिया हो।

अब भाजपा ने इस मामले पर आपा से जवाब मांगा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने हमला बोलते हुए एक्स पर लिखा, मतदाता सूची पर भ्रम फैला रहे महाठग को महिला ने दिया मुंहतोड़ जवाब। अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी एक सुसंगठित नेटवर्क के माध्यम से दिल्ली में रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों के अवैध प्रवास को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रही है। इस राष्ट्रविरोधी अभियान से ध्यान हटाने के लिए उन्होंने भाजपा पर पूर्वांचलियों के वोटर कार्ड रद्द करने का झूठा आरोप लगाया। उनकी चाल और झूठ दोनों ही पूरी तरह से उजागर हो चुके हैं। अब अरविंद केजरीवाल बड़ी मुश्किल में फंस गए हैं अपने ही फैलाए जाल में!

इस घटनाक्रम ने केजरीवाल की राजनीति पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह पहली बार नहीं है जब केजरीवाल ने इस तरह के दावे किए हैं। विरोधियों का कहना है कि वह अक्सर बिना जांचे-परखे आरोप लगाते हैं, जिससे उनकी राजनीति का असली चेहरा उजागर होता है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या यह सुविधाएं झूठ और गुमराह करने वाली राजनीति को सही ठहराती हैं? क्या मतदाताओं को भ्रमित करना किसी भी सरकार के लिए सही कदम हो सकता है?

अरविंद केजरीवाल ने महिलाओं को 2100 रुपए प्रति माह देने की घोषणा की थी और इसका रजिस्ट्रेशन भी शुरू कर दिया था। हालांकि दिल्ली सरकार के ही विभाग ने साफ किया कि ऐसी कोई योजना अभी शुरू नहीं हुई है। केजरीवाल के इन दावों से न केवल उनकी विश्वसनीयता पर असर पड़ा है, बल्कि यह भी दिखा है कि कैसे वह अपनी राजनीति को चमकाने के लिए ऐसे बयान देते हैं।

चंद्रा और उनके पति के बयान ने साफ कर दिया कि यह घटना केवल एक राजनीतिक चाल थी। इस पूरे घटनाक्रम से यह बात साफ हो जाती है कि केजरीवाल की राजनीति केवल लोकलुभावन वादों और झूठे दावों पर आधारित है। जनता के मुद्दों से भटकाने और गुमराह करने की यह कोशिश एक जिम्मेदार नेता के लिए बेहद निराशा-जनक है। इससे यह सवाल भी खड़ा होता है कि क्या राजनीति का स्तर इतना गिर चुका है कि जनता के मुद्दों को भूलकर केवल सुर्खियाँ बटोरने के लिए झूठे दावे किए जाएं?

आम आदमी पार्टी के फर्जी दावे की उड़ी धज्जियां

महिला सम्मान योजना लागू नहीं: महिला आयोग

नई दिल्ली, 25 दिसंबर (एजेंसियां)।

दिल्ली सरकार द्वारा प्रस्तावित मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना और संजीवनी योजना को लेकर बड़ा झूठ सामने आया है। दिल्ली महिला आयोग ने अखबारों में विज्ञापन जारी कर स्पष्ट किया है कि अरविंद केजरीवाल द्वारा घोषित योजनाएं अभी तक अधिसूचित नहीं हुई हैं। आयोग ने जनता को आगाह किया है कि किसी को भी बैंक खाता, वोटर कार्ड, आधार कार्ड जैसे दस्तावेज न सौंपें, क्योंकि इससे धोखाधड़ी हो सकती है।

उल्लेखनीय है कि आम आदमी पार्टी महिलाओं को 2100 रुपए हर महीने देने का दावा किया था। ऐसे में दिल्ली महिला आयोग के बयान ने आपा के दावों की पोल खोल दी है।

दिल्ली सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने समाचार पत्रों में सार्वजनिक नोटिस जारी किया। इन नोटिसों में कहा गया है कि मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कुछ राजनीतिक दल और लोग इन योजनाओं के नाम पर फर्जी तरीके से नागरिकों की जानकारी इकट्ठा कर रहे हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग ने अपने नोटिस में कहा है कि उन्हें जानकारी मिली है कि एक राजनीतिक पार्टी महिला सम्मान योजना के तहत 2100 रुपए प्रतिमाह देने का वादा कर रही है। विभाग ने साफ किया कि दिल्ली सरकार द्वारा ऐसी कोई योजना अभी तक अधिसूचित नहीं हुई है। जब भी इस योजना को अधिसूचित किया जाएगा, आवेदन के लिए एक आधिकारिक वेबसाइट लॉन्च की जाएगी, जहां पात्रता शर्तों और नियमों को विस्तार से बताया जाएगा।

इसी प्रकार, संजीवनी योजना के संदर्भ में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने भी कहा कि यह योजना अभी लागू नहीं हुई है। इसके नाम पर किसी से व्यक्तिगत जानकारी, जैसे बैंक डिटेल, वोटर कार्ड, फोन नंबर आदि, साझा करने से बचने की सलाह दी गई है। सरकार ने नागरिकों को आगाह किया है कि यदि कोई व्यक्ति या संगठन पंजीकरण फॉर्म मांग रहा है, तो यह फर्जीवाड़ा हो सकता है। बैंक डिटेल्स या अन्य संवेदनशील जानकारी साझा करने पर साइबर अपराध और धोखाधड़ी की संभावना है। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि ऐसी जानकारी साझा करने से कोई नुकसान होता है, तो इसकी जिम्मेदारी संबंधित व्यक्ति की होगी, न कि विभाग की।

हादसों से बचने की तैयारियों में जुटा वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड

रोप-वे मुद्दे के खिलाफ हड़ताल से श्रद्धालु निराश

जम्मू, 25 दिसंबर (ब्यूरो)।

नववर्ष की पूर्व संध्या पर भीड़ से निपटने की तैयारियों में जुटे वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के अधिकारियों की चिंता रोप-वे निर्माण के खिलाफ बने हुए माहौल की है। इसे लेकर संघर्ष समिति के आह्वान पर आज से कटड़ा वैष्णो देवी में तीन दिनों की हड़ताल शुरू हो गई है और संघर्ष समिति कोई गुड न्यूज न आने की स्थिति में इसे आगे बढ़ाने की धमकी भी दे रही है।

श्राइन बोर्ड को उम्मीद है कि 31 दिसंबर और 1 जनवरी को वैष्णो देवी की गुफा के दर्शनार्थ आने वाली भीड़ नया रिकार्ड बना सकती है।

ऐसे में किसी प्रकार की भगदड़ की पुनर्रावृत्ति जैसी स्थिति से बचाव की खातिर वह श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक तीर्थयात्रा सुनिश्चित करने को जिन आवश्यक तैयारियों में जुटा है उनमें आरएफआईडी कार्ड के बिना किसी को आगे न बढ़ने की अनुमति देने के अतिरिक्त 700 सीसीटीवी कैमरों से निगरानी करना भी शामिल है।

श्राइन बोर्ड के अधिकारियों के बकौल, यात्रा प्रबंधन की खातिर वे पूरी ताकत झोंक रहे हैं और इसकी खातिर पुलिस व स्थानीय प्रशासन से भी सहयोग मांगा गया है। पार्किंग व्यवस्था व किसी प्रकार के संभावित खतरे से निपटने की खातिर अतिरिक्त पुलिस जवानों को तैनात करने की प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है। पर इन तैयारियों के बावजूद क्या भीड़ इस बार वैष्णो देवी में जुटेगी सबसे बड़ा प्रश्न इसलिए बन गया है क्योंकि तारकोट मार्ग पर प्रस्तावित रोप-वे के खिलाफ आरंभ हुए आंदोलन ने सबके लिए परेशानी बढ़ाई है। पहले ही कटड़ा में तीन बार हड़ताल हो चुकी है और आज से 72 घंटों के बंद के कारण आने वाले श्रद्धालु दर ब दर भटकने को मजबूर हुए हैं।

संघर्ष समिति के नेताओं का कहना है कि अगर इन 72 घंटों के भीतर प्रशासन और श्राइन बोर्ड ने रोप-वे मामले को लेकर कोई गुड न्यूज वाला आर्डर नहीं निकाला तो हड़ताल लंबी खिंच सकती है। इस हड़ताल में पिट्ठू, पालकी, घोड़े वालों के अतिरिक्त पूरा कटड़ा शामिल है।

नौसेना के बेड़े में शामिल होंगे दो स्वदेशी युद्धपोत और पनडुब्बी

नई दिल्ली, 25 दिसंबर (एजेंसियां)।

हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की लगातार बढ़ती पैठ का मुकाबला करने को भारत अपनी समुद्री लड़ाकू क्षमताओं को बढ़ावा देने के लिए नौसेना के बेड़े में अगले महीने दो स्वदेशी युद्धपोत और एक डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बी को शामिल करने के लिए तैयार है। नए युद्धपोतों में सबसे बड़ा निर्देशित मिसाइल विध्वंसक सूरत और स्टील्थ फ्रिगेट नीलगिरि हैं, जो इसी माह नौसेना को सौंपे जा चुके हैं। इस बीच रूस में निर्मित नया युद्धपोत आईएनएस तुशील भी स्वदेश आएगा। नौसेना के बेड़े में शामिल होने वाली वाग्शीर भारतीय नौसेना की छठी और कलवरी श्रेणी की अंतिम पनडुब्बी है।

आईएनएस वाग्शीर का नाम रेत मछली के नाम पर रखा गया है, जो हिंद महासागर में गहरे समुद्र में रहने वाली एक शिकारी मछली है। पनडुब्बी को सभी ऑपरेशन थियेटर में काम करने के लिए डिज़ाइन किया गया है और यह नौसेना टास्क फोर्स के अन्य घटकों के साथ अंतर-संचालन योग्य है। पनडुब्बी वाग्शीर का विस्थापन 1,600 टन होगा, जिनमें सभी घातक प्रहार के लिए भारी-भरकम सेंसर और हथियार लगे हैं। सूरत और नीलगिरी को पिछले हफ़्ते मुंबई स्थित मझगांव डॉक्स (एमडीएल) ने नौसेना को सौंप दिया था। नौसेना को मिला जहाज सूरत 35 हजार करोड़ रुपए की परियोजना 15 बी स्टील्थ गाइडेड मिसाइल विध्वंसक का चौथा और अंतिम है। इससे पहले पिछले तीन वर्षों में इसी प्रोजेक्ट के तीन जहाजों विशाखापत्तनम, मोरमुगाओ और इम्फाल को नौसेना के बेड़े में शामिल किया जा चुका है।

सूरत की डिलीवरी भारतीय नौसेना की स्वदेशी विध्वंसक निर्माण परियोजना का समापन है। इस परियोजना की शुरुआत 2021 में हुई थी। कुल 7,400 टन वजन और 164 मीटर की लंबाई वाला निर्देशित मिसाइल विध्वंसक होने के नाते आईएनएस सूरत शक्तिशाली और बहुमुखी प्लेटफॉर्म है, जो सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों, जहाज रोधी मिसाइलों और टॉरपीडो सहित अत्याधुनिक हथियारों और सेंसर से लैस है। इसने अपने समुद्री परीक्षणों के दौरान 30 नॉट्स (56 किमी/घंटा) से अधिक की गति हासिल की है। यह स्वदेशी रूप से विकसित भारतीय नौसेना का पहला एआई सक्षम युद्धपोत है, जो नौसेना की परिचालन दक्षता को कई गुना बढ़ाएगा।

नौसेना को सौंपा गया फ्रिगेट नीलगिरि प्रोजेक्ट 17 ए स्टील्थ का पहला जहाज है। इस योजना के सात जहाज एमडीएल, मुंबई और जीआरएसई, कोलकाता में बनाए जा रहे हैं। ये बहु-मिशन फ्रिगेट भारत के समुद्री हितों के क्षेत्र में पारंपरिक और अपारंपरिक दोनों तरह के खतरों से ब्लू वाटर में मुकाबला करने में सक्षम हैं। इसे डीजल या गैस से संचालित किया जाता है। इनमें अत्याधुनिक एकीकृत प्लेटफ़ॉर्म प्रबंधन प्रणाली भी है। जहाज में सुपरसोनिक सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल प्रणाली, मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली, 76 मिमी अपग्रेडेड गन और रैपिड फ़ायर क्लोज-इन हथियार प्रणालियों को लगाया गया है।

आईएनएस वाग्शीर (एस 26) भारतीय नौसेना के लिए छह कलवरी श्रेणी की पनडुब्बियों के पहले बैच की छठी पनडुब्बी है। यह स्कॉर्पीन श्रेणी पर आधारित एक डीजल-इलेक्ट्रिक अटैक पनडुब्बी है, जिसे फ्रांसीसी नौसेना रक्षा और ऊर्जा समूह नेवल ग्रुप ने डिजाइन किया है और मुंबई के शिपयार्ड मझगांव डॉक लिमिटेड ने निर्मित किया है। इसमें दुश्मन के राडार से बचने, क्षेत्र की निगरानी, खुफिया जानकारी जुटाने, पानी के अंदर या सतह पर एक ही समय में 18 टारपीडो और ट्यूब-लॉन्च एंटी-शिप मिसाइलों के साथ सटीक निर्देशित हथियारों का उपयोग करके दुश्मन पर विनाशकारी हमला करने की क्षमता है। स्टील्थ प्रौद्योगिकी सक्षम कलवरी श्रेणी की यह पनडुब्बी 221 फीट लंबी, 40 फीट ऊंची है। समुद्र की सतह पर इसकी गति 20 किमी प्रति घंटा और नीचे 37 किमी प्रति घंटा है। इसमें 50 दिनों के लिए 350 मीटर पानी के नीचे डूबने की सीमा है।

बांग्लादेशी घुसपैठियों को बसाने वाले गिरोह का खुलासा

उत्तराखंड में भी चल रही है ऐसी साजिश

नई दिल्ली/देहरादून, 25 दिसंबर (एजेंसियां)।

दिल्ली पुलिस ने फर्जी दस्तावेज बनाकर बांग्लादेशी नागरिकों को राजधानी दिल्ली में बसाने वाले एक गिरोह को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस खबर के सुर्खियों में आने के बाद उत्तराखंड में भी ऐसे गिरोह के सक्रिय होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। दिल्ली में पकड़े गए गिरोह के सदस्य फर्जी आधार कार्ड, पेन कार्ड, वोटर कार्ड आदि बनाने में माहिर थे। ये बांग्लादेशियों की योजनाबद्ध तरीके से राजधानी दिल्ली और आसपास बसावट कर रहे थे। दिल्ली में बंग्लादेशी के साथ साथ बड़ी संख्या में रोहिंग्या के भी घुसपैठ करने की खबरे समय समय पर सामने आती रही है।

हाल ही में देहरादून में सत्यापन

अभियान चलाया गया जिसमें असम, बंगाल व अन्य पूर्वोत्तर राज्यों के आधार कार्ड पाए गए। बड़ा सवाल यह है कि ये लोग उत्तराखंड में झुग्गी-झोपड़ियों में रहने क्यों और कैसे आ रहे हैं। दरअसल बंग्लादेशी और रोहिंग्या मुस्लिमो की भाषा बोली, संस्कृति, पहनावा अन्य मुस्लिमो से मेल नहीं खाती है । पहली नजर में ये मुस्लिम नहीं लगते इसलिए उनके फर्जी पहचान पत्रों में भी उन्हें हिंदू बंगाली बताया जाता है। बाद में यही पहचान पत्र एक बार फिर से बदल कर मुस्लिम समुदाय से हो जाते हैं।

कुछ मामले ऐसे भी खुफिया एजेंसियों के संज्ञान में आए की हाल ही में भारत सरकार द्वारा बांग्लादेशी हिंदुओं और पाकिस्तानी हिंदुओं को नागरिकता दिए जाने का निर्णय लिया था। जिसके बाद इस तरह की घुसपैठ बढ़ने की खबरें आ रही हैं और यहां आने वाले लोग अपनी पहचान छिपाकर खुद को बांग्लादेशी शरणार्थी बता रहे हैं। हरिद्वार में गंगा किनारे, देहरादून में आईएसबीटी, सेलाकुई, मानसिक अस्पताल के आसपास ऐसे घुसपैठियों की बसावट देखी जा सकती है। उत्तराखंड पुलिस,उच्च अधिकारियों के निर्देश पर सत्यापन अभियान तो चलाती है लेकिन अभियान के दो दिन बाद उसे इस सत्यापन का भी सत्यापन करने में कोई दिलचस्पी नहीं रहती। कहां से ये आए, कहां इनके कार्ड बने इस पर कोई जांच टीम काम नहीं कर रही।

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने पिछले दिनों डीजीपी और गृह सचिव को इस बारे में गहनता से जांच करने के लिए निर्देशित किया था। एक दिन सत्यापन अभियान चला कुछ संदिग्ध दिखे भी उसने बाद अभियान फुस्स हो गया और पुलिस अन्य कामों में व्यस्त हो गई। उत्तराखंड ऐसा सीमावर्ती राज्य है जहां असम के बाद सबसे तेजी से मुस्लिम आबादी की घुसपैठ हो रही है, डेमोग्राफी चेंज के इनपुट सरकार को केंद्र की खुफिया एजेंसियों से भी मिल रहे हैं। उत्तराखंड के मैदानी जिलों में ये घुसपैठ बदस्तूर जारी है, इसमें स्थानीय ग्राम पंचायतों के जन प्रतिनिधि भी शामिल हैं। बावजूद इसके पुलिस प्रशासन इस मामले में गंभीरता नहीं दिखा रहा है।

दिल्ली दंगे के एक और आरोपी को टिकट देने जा रहे हैं ओवैसी

नई दिल्ली, 25 दिसंबर (एजेंसियां)।

असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के दिल्ली प्रमुख शोएब जमाई ने दिल्ली दंगों के आरोपी शाहरुख पठान के परिवार से मुलाकात की है। ओवैसी की पार्टी शाहरुख पठान को इस बार के विधानसभा चुनाव में मैदान में उतार सकती है। दिल्ली दंगों का आरोपी शाहरुख पठान फिलहाल जेल में है।

शोएब जमई ने कहा, पिछले दिनों जेल में बंद शाहरुख पठान के घर पर उनकी मां से मेरी मुलाकात हुई। दिल्ली मजलिस का एक डेलिगेशन उनके परिवार से मुलाकात करके उनके हालात और कानूनी सहायता के सिलसिले में बातचीत की है। दिल्ली में इंसाफ की मुहिम में

हमारा यह छोटा सा कदम कई परिवारों को हौसला देगा, जिनके बच्चे बिना ट्रायल के सालों से जेल में बंद है। सुप्रीम कोर्ट के अनुसार जमानत उन कैदियों का अधिकार है जिनके मामले लंबित हैं। उनकी मां का कहना है कि अरविंद केजरीवाल के इशारे पर ही उनके बेटे पर केस दर्ज किया गया और यह बात वह भूल नहीं सकेंगे। पठान पर दंगा करने, विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने वाले गैरकानूनी जमावड़े सहित कई अपराधों का आरोप है। पठान हिंसा के दौरान हेड-कांस्टेबल दीपक दहिया पर पिस्तौल तानने और रोहित शुक्ला नामक व्यक्ति की हत्या की कोशिश के दो मामलों में आरोपी है। वह अभी तिहाड़ जेल में बंद है।

दिल्ली में नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के समर्थकों और विरोधियों के बीच फरवरी 20 को उत्तर-पूर्वी दिल्ली में दंगे भड़क उठे थे जिनमें कम से कम 53 लोग मारे गए थे। उल्लेखनीय है कि 24 फरवरी 2020 को मौजपुर-जाफराबाद इलाके में सीएए के विरोध में हुए दंगे में शाहरुख पठान ने खुलेआम पुलिस हेड कांस्टेबल दीपक दहिया पर पिस्तौल तान दी थी। इस घटना की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थीं।

भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी का जन्म शताब्दी समारोह

सुशासन के लिए सुरक्षा का भाव आवश्यक: सीएम योगी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की भी कार्यक्रम में उपस्थिति रही

लखनऊ, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सुशासन के लिए सुरक्षा का भाव आवश्यक है। यह जनसहभागिता के बिना संभव नहीं हो सकता। सुरक्षा का भाव घर के अंदर से पैदा करना होगा। यदि व्यक्ति घर के अंदर सुरक्षित है तो सामुदायिक रूप से सुरक्षा का भाव स्वतस्फूर्ति भाव के साथ पैदा होता हुआ दिखाई देगा। अपराध-अपराधियों, भ्रष्टाचार व भ्रष्टाचारियों के लिए सरकार की नीति जीरो टॉलरेंस की है। अटल जी व पीएम मोदी से प्रेरणा प्राप्त करते हुए सरकार ने सुरक्षा के मुद्दे पर पहले दिन से जीरो टॉलरेंस की जो नीति रखी है, इसके परिणाम सबके सामने हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी समारोह में शिरकत की। रक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री समेत जनप्रतिनिधियों ने लोकभवन में पूर्व प्रधानमंत्री की प्रतिमा पर पुष्पांजलि भी की। सीएम ने महामना मदन मोहन मालवीय की जयंती व क्रिसमस की बधाई दी। छात्रा स्नेहा तिवारी ने कविता सुनाई। रक्षा मंत्री व मुख्यमंत्री ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी सम्मानित किया।

सीएम ने कहा कि अटल जी ने अपने शासनकाल में सुशासन की नींव को मजबूती दी। अटल जी की पंक्तियां आदमी को चाहिए कि वह जूझे, परिस्थितियों से लड़े, एक स्वप्न टूटे तो दूसरा गढ़े, एक पांव धरती पर रखकर ही वामन भगवान ने आकाश-पाताल को जीता था, धरती ही धारण करती है, कोई उस पर भार न बने, मिथ्या-अभिमान से न तने। यह पंक्तियां हमें प्रेरणा प्रदान करती हैं। सीएम योगी ने कहा कि भावी भारत के विकास व विकसित भारत के निर्माण के लिए जो नींव श्रद्धेय अटल जी ने रखी थी, पीएम मोदी के नेतृत्व में उस पर नए भारत का निर्माण हो रहा है। यह 2047 में विकसित भारत के रूप में 140 करोड़ की आकांक्षाओं की पूर्ति का भारत बनेगा।

सीएम ने कहा कि आज की तिथि अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज से ही दिन बड़े होने लगेंगे यानी ऊर्जा के लिए भगवान सूर्य के दर्शन अधिक समय तक होंगे। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की प्रेरणा से पूरे देश में अटल जी की जयंती को सुशासन दिवस के रूप में आयोजित करने का निर्णय लिया गया। यह अटल जी का जन्म शताब्दी वर्ष है, इसलिए सुशासन सप्ताह के अवसर पर हर जनपद में बच्चों के लिए सुशासन पर आधारित (काव्य पाठ, निबंध व भाषण) प्रतियोगिताएं हुईं। सीएम ने कहा कि सचिवालय प्रशासन व उच्च शिक्षा विभाग प्रदेश भर में सुशासन से संबंधित स्मारिका व पत्रिका का प्रकाशन व संकलन करे। राज्य स्तर पर अच्छे आलेख को संकलित करते हुए विभिन्न लाइब्रेरी में उपलब्ध कराया जाए।

सीएम योगी ने बताया कि सुशासन सप्ताह के आयोजन में शासन के विभिन्न विभागों ने भागीदारी की। इस दौरान लोकशिकायतों के निस्तारण में उत्तर प्रदेश देश में शीर्ष पर रहा। यहां 2.59 लाख से अधिक लोकशिकायतों का निस्तारण किया गया। मुख्यालय, मंडल व तहसील स्तर पर भी 16,223 कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

9 लाख छह हजार 800 से अधिक सर्विस डिलीवरी के आवेदन निस्तारित किए गए। इस दौरान ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, मिशन कर्मयोगी, सुशासन में एआई व मशीन लर्निंग, साइबर सिक्योरिटी, सूचना के अधिकार का महत्व, नागरिकों को समयबद्ध रूप से सेवाएं उपलब्ध कराए जाने हेतु जनहित गारंटी की योजना से संबंधित उपयोगिता, शासकीय खरीद-फरोख्त में जेम पोर्टल, मानव संपदा पोर्टल पर आधारित कार्यक्रमों से भी लोगों को अवगत कराया गया। समारोह में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह, संगठन महामंत्री धर्मपाल, राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा, प्रदेश सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह, बलदेव सिंह औलख, महापौर सुषमा खर्कवाल, विधायक नीरज बोरा, योगेश शुक्ल, सुरेंद्र मैथानी, ओपी श्रीवास्तव, अमरेश कुमार, विधान परिषद सदस्य पवन सिंह चौहान, लालजी प्रसाद निर्मल, पूर्व महापौर संयुक्ता भाटिया आदि की मौजूदगी रही।

रक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री ने सुशासन सप्ताह (19 से 25 दिसंबर) के अंतर्गत हुई प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया। काव्य पाठ प्रतियोगिता में स्नेहा तिवारी प्रथम, शांभवी शुक्ला ने द्वितीय व विदुषी मिश्रा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में पहला स्थान मो. फिरोज, दूसरा स्थान मृणाली दीक्षित व तृतीय स्थान माही वाजपेयी ने हासिल किया। निबंध प्रतियोगिता (कक्षा 9-12) में सुप्रिया दीक्षित ने बाजी मारी। हर्षिता सिंह व साक्षी पांडेय क्रमशः द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहीं। सचिवालय प्रशासन विभाग द्वारा स्वच्छ सचिवालय अभियान के अंतर्गत उत्तम अनुभाग को पुरस्कृत किया गया। यह पुरस्कार सिंचाई व जल संसाधन विभाग के अनुभाग अधिकारी अंबरीष कुमार यादव को प्रदान किया गया। उत्तम व स्वच्छ भवन के लिए लोकभवन के व्यवस्था अधिकारी मोहित अग्रवाल को सम्मानित किया गया। शिकायत व सर्विस डिलीवरी आवेदनों के शत-प्रतिशत गुणवत्तापरक निस्तारण के लिए कृषि विभाग के प्रमुख सचिव रविंद्र जी व विशेष सचिव सूचना-प्रौद्योगिकी व इलेक्ट्रॉनिक विभाग नेहा जैन को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

आर्मी कैंटीन का बाबू गिरफ्तार

1.83 करोड़ का गबन

मथुरा, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। आर्मी कैंटीन से 1.83 करोड़ रुपए गबन करने के आरोप में कैंटीन क्लर्क को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने 1.83 करोड़ रुपए बरामद भी कर लिए हैं। मथुरा के थाना सदर बाजार पुलिस ने आर्मी कैंटीन से लाखों रुपए की धनराशि अपनी पत्नी के खाते में डालने वाले बाबू को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभियुक्त और उसकी पत्नी के कब्जे से एक करोड़ 83 लाख 44 हजार 589 रुपए की नकदी बरामद की है। इस मामले में आरोपी बाबू की पत्नी, मां, बाप और चचेरे भाई को पुलिस जेल भेज चुकी है।

एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय ने बताया कि चार दिसंबर को सदर थाना क्षेत्र में कैप्टन पंकज यादव ने रोहतक के लाल बहादुर शास्त्री नगर निवासी दीपक कुमार के खिलाफ आर्मी कैंटीन की धनराशि गबन की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोप था कि दीपक ने धनराशि को अपनी पत्नी के खाते ट्रांसफर किया और गायब हो गया।

पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने छह दिसंबर को अभियुक्त बाबू की पत्नी मोनिका को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। इसके बाद 11 दिसंबर को अभियुक्त की मां शीला देवी, पिता करतार सिंह एवं चचेरे भाई संदीप को जिला कारागार के पास से गिरफ्तार किया। पुलिस मुख्य अभियुक्त की तलाश में जुटी रही। मंगलवार को पुलिस को सूचना मिली कि मुख्य अभियुक्त औरंगाबाद के पास देखा गया है। पुलिस मौके पर पहुंची और उसे औरंगाबाद से वाटर वर्क्स वाले रास्ते से गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से पुलिस ने एक करोड़ 66 लाख 62 हजार 100 रुपए बरामद किए। जबकि उसकी पत्नी के खाते को सीज कर 17 लाख रुपए पहले ही बरामद कर चुकी है। पुलिस अब तक कुल एक करोड़ 83 लाख 44 हजार 589 रुपए की नकदी बरामद कर चुकी है। प्रेस वार्ता में एसपी सिटी डॉ. अरविंद कुमार, सीओ सिटी भूषण वर्मा, स्वॉट टीम प्रभारी अभय कुमार, सदर थाना प्रभारी निरीक्षक विदेश कुमार आदि मौजूद रहे।

ब्रिटिश सैन्यकर्मी के घर एनआई का छापा

खालिस्तानी आतंकियों का बना हुआ है हैंडलर

पीलीभीत/तरनतारन, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत में ढेर किए गए खालिस्तानी आतंकियों के बाद जारी छानबीन में सुराग मिलने पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने ब्रिटिश सेना में तैनात सिख सैनिक फतेह सिंह उर्फ जगजीत सिंह के घर रेड की है। एनआईए ने ब्रिटिश सैन्यकर्मी के तरनतारन स्थित घर आज छापा मारा। जगजीत सिंह ब्रिटिश आर्मी में फतेह सिंह बग्गी के तौर पर नाम बदलकर सेवाएं दे रहा है। पीलीभीत में हुए एनकाउंटर के मामले में ही एनआईए ने यह छापामारी की। पीलीभीत में मारे गए खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स के तीनों आतंकी गुरदासपुर कलानौर थाने की बक्शीवाल पुलिस चौकी पर ग्रेनेड फेंकने के मामले में वांछित थे।

पंजाब के महानिदेशक गौरव यादव ने यूपी में पुलिस मुठभेड़ में मारे गए तीनों आतंकियों को लेकर खुलासा किया था कि तीनों आरोपी पाक में खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स चीफ के संपर्क में थे। वहीं, खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स आतंकी जगजीत ब्रिटिश सेना में तैनात है।

ग्रीस में बैठे जसविंद्र मन्नू ने इन्हें काम सौंपा था। डीजीपी गौरव यादव ने बताया था कि इस मॉड्यूल को केजेडएफ के प्रमुख रणजीत सिंह नीटा और गुरदासपुर के गांव अगवान निवासी हाल में ग्रीस में बैठा जसविंदर सिंह मन्नू द्वारा ऑपरेट किया जाता है। इसका नियंत्रण यूके में रहने वाले और ब्रिटिश सेना में कार्यरत जगजीत सिंह के पास है। जगजीत सिंह ने फतेह सिंह बग्गी की पहचान का इस्तेमाल किया। एनआईए ने इसी सूचना के आधार पर ब्रिटिश सैनिक के घर पर रेड की है।

संभल की बावड़ी में मिला बेशकीमती लाल पत्थर का फर्श

नक्काशीदार छह गेट, पीछे गलियारा, साफ दिखी ऊपरी मंजिल

संभल, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। संभल के चंदौसी में मुस्लिम बहुल मोहल्ला लक्ष्मण गंज में खाली प्लाट में मिली बावड़ी का रहस्य परत दर परत अब खुलने लगा है। पांचवें दिन खोदाई में बावड़ी की ऊपरी मंजिल साफ नजर आने लगी है। लाल पत्थर का फर्श दिखने लगा है। वहीं बुधवार को एएसआई की टीम ने मौके पर पहुंच कर बावड़ी का सर्वे किया है। बता दें कि 17 दिसंबर को मोहल्ला लक्ष्मण गंज में 150 साल पुराना खंडहरनुमा बांकेबिहारी मंदिर मिला था।

सनातन सेवक संघ के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस में डीएम राजेंद्र पैंसिया को प्रार्थना पत्र देकर मंदिर के जीर्णोद्धार कराने और मंदिर के पास ही गली में स्थित खाली प्लाट में बावड़ी होने का दावा किया था।

डीएम के आदेश पर उसी दिन खोदाई शुरू की गई तो बावड़ी अस्तित्व में आने लगी। रोजाना सुबह 10 बजे से शाम छह बजे तक खोदाई का कार्य चल रहा है। पांचवें दिन बुधवार को ऊपरी मंजिल का फर्श नजर आने लगा।

बेशकीमती लाल पत्थर का फर्श है। वहीं छह गेट नकासी बने हुए हैं। पांच गेट सादे हैं। इसके पीछे कमरे नुमा गलियारा है। दोपहर में पहुंची एएसआई की टीम ने फर्श से मिट्टी हटवाकर जांच पड़ताल की। फर्श से लिंटर की ऊंचाई करीब साढ़े दस फिट बताई जा रही है। बताया जाता है कि ऊपरी मंजिल के नीचे एक और मंजिल है, और उसके नीचे कुआं है। जिसके चारों ओर सीढ़ियां बनी हैं।

बावड़ी का राज खोलने के लिए नगर पालिका परिषद के पचास लोगों की टीम कार्य में लगी है। जल निगम के जेई अनुज कुमार ने बताया कि बावड़ी का अस्तित्व सामने लाने के लिए पालिका के दो सेनेटरी इंस्पेक्टर, एक रेवन्यू इंस्पेक्टर, एक जेई की देखरेख में 30 मजदूर काम कर रहे हैं। एक जेसीबी और तीन ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को भी लगाया गया है।

कुएं की खुदाई करने वाले कर्मचारियों को जान से मारने की धमकी

मस्जिद का मुतवल्ली आमिर अली गिरफ्तार

संभल, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में अवैध कब्जेदारी के खिलाफ और प्राचीन धरोहरों की तलाश में चल रही खुदाई के काम में मस्जिद के मुतवल्ली और उसके गुर्गों ने अड़ंगा डालने का प्रयास किया। मुतवल्ली आमिर अली ने कुओं की खुदाई का विरोध किया और कर्मचारियों को मार डालने की धमकी दी। उसकी इस करतूत की पुलिस से शिकायत की गई। पुलिस ने मुतवल्ली आमिर अली का चालान कर दिया। 24 नवंबर की हिंसा से जुड़े 7 अन्य दंगाइयों को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मामला संभल के सदर कोतवाली क्षेत्र का है। संभल नगरपालिका शहर के तमाम कुओं का जीर्णोद्धार करवा रही है। इसी कड़ी में नगरपालिका के कर्मचारी मंगलवार लाडम सराय मोहल्ले में पहुंचे। इस मोहल्ले में एक मस्जिद है। मस्जिद के बगल एक खाली जमीन है। इस जमीन पर एक कुआं है, जिसे मिट्टी में दबा दिया गया था। कर्मचारी कुछ मजदूरों के साथ मिलकर इसकी खुदाई में जुट गए। कुछ ही देर में पास की मस्जिद का मुतवल्ली आमिर अली अपने गुर्गों के साथ वहां आ धमका। वह नगरपालिका के स्टाफ सहित खुदाई कर रहे मजदूरों को हड़काने लगा। वहां आसपास के मुस्लिम तबके के लोग भी जमा होकर मुतवल्ली का साथ देने लगे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। मुतवल्ली ने पुलिस के सामने भी अपनी गुंडई जारी रखी। उसे पहले पुलिस ने भी समझाने की कोशिश की, लेकिन उसने हरकतें जारी रखीं। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। मुतवल्ली की गिरफ्तारी के बाद कुएं की खुदाई का काम फिर से शुरू किया जा सका। 24 नवंबर को जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान की गई हिंसा के फरार आरोपियो की धरपकड़ में पुलिस ने फरार चल रहे 7 अन्य हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों के नाम शोएब, सुजाउद्दीन, आजम, जावेद अख्तर, शाहद, मुस्तफा हसन और अजहरूद्दीन हैं। ये सभी संभल के अलग-अलग इलाकों के रहने वाले हैं। इनकी पहचान हिंसा के दौरान मिली वीडियो फुटेज के आधार पर हुई है। पुलिस को इन सभी की लोकेशन शहर की बुलबुली मस्जिद के पास मिली थी। इन 7 नई गिरफ्तारियों के बाद अब संभल हिंसा के 1 माह बाद गिरफ्तार हुए कुल उपद्रवियों की तादाद 47 पहुंच गई है। अन्य 91 हमलावर चिन्हित किए जा चुके हैं। इनको भी पकड़ने के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। फिलहाल पुलिस अभी तमाम नामजदों सहित अन्य अज्ञात हमलावरों की पहचान और लोकेशन ट्रेस कर के दबिश दे रही है।

संभल में एएसआई टीम ने किया बावड़ी का निरीक्षण

परत दर परत निकल रही प्राचीन इमारत

संभल, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। संभल के चंदौसी इलाके में मिली सदियों पुरानी बावड़ी का बुधवार को एएसआई सर्वेक्षण टीम ने निरीक्षण किया। इसके अलावा, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की टीम संभल के लाडम सराय इलाके में भी पहुंची। यहां खुदाई के दौरान प्रशासन को एक पुराना कुआं मिला है। टीम ने इस कुएं का निरीक्षण भी किया। संभल प्रशासन द्वारा यहां खुदाई का काम चल रहा है। संभल के चंदौसी में मुस्लिम बहुल मोहल्ला लक्ष्मणगंज में मलबे और मिट्टी के नीचे सालों से दबी मिली बावड़ी की इमारत परत दर परत अब लोगों के सामने आ रही है। मंगलवार को चौथे दिन खोदाई की गई। पालिका के 30 मजदूर फावड़े से बावड़ी की ऊपरी मंजिल से मिट्टी हटाने में जुटे रहे। अंधेरा होने तक बावड़ी के अंदर जा रही तेरह सीढ़ियां स्पष्ट नजर आने लगी हैं। बुधवार को भी बावड़ी से मिट्टी निकालने का काम किया जा रहा है। सोमवार को बावड़ी के ऊपर जमी मिट्टी और गलियारे से मिट्टी हटा कर सफाई कार्य का शुरू किया गया तो बावड़ी में जाने के लिए कुछ सीढ़ी नजर आईं। हालांकि तीसरे दिन मंगलवार को दोपहर में काम बंद कर दिया गया था। चौथे दिन मंगलवार को पालिका की टीम एक जेसीबी और तीन ट्रैक्टर ट्राली व 30 मजदूरों के साथ मौके पर पहुंची। सभी मजदूर बावड़ी के गलियारे से सीढ़ी तक लाइन से खड़े होकर मिट्टी हटाने के काम में जुट गए। मजदूर गलियारे से मिट्टी निकाल कर बाहर डाल रहे थे। वही जेसीबी मिट्टी को ट्रैक्टर-ट्राली में भर रही थी। शाम छह बजे करीब अंधेरा होने पर कार्य रोक दिया गया। तब तक बावड़ी में जा रही सीढ़ियां स्पष्ट नजर आने लगीं। मोहल्ला लक्ष्मण गंज में बांके बिहारी मंदिर मिलने के बाद सनातन सेवक संघ के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को तहसील में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में बांकेबिहारी मंदिर के जीर्णोद्धार कराने और मंदिर के कुछ दूरी पर गली में खाली प्लाट में बावड़ी होने का दावा करते हुए डीएम राजेंद्र पैंसिया को प्रार्थनापत्र दिया था। डीएम के आदेश पर उसी दिन दोपहर में एडीएम न्यायिक सतीश कुशवाह के साथ तहसील और पालिका की टीम ने मौके पर पहुंच कर खुदाई शुरू की तो बावड़ी की दीवार नजर आई। बावड़ी का राज खोलने के लिए नगर पालिका परिषद के पचास लोगों की टीम कार्य में लगी है। जल निगम के जेई अनुज कुमार ने बताया कि बावड़ी का अस्तित्व सामने लाने के लिए पालिका के दो सेनेटरी इंस्पेक्टर, एक रेवन्यू इंस्पेक्टर, एक जेई की देखरेख में 30 मजदूर काम कर रहे हैं। एक जेसीबी और तीन ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को भी लगाया गया है। उधर, मुस्लिम बहुल मोहल्ला लक्ष्मण गंज में मिले बांके बिहारी मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए मंगलवार को जमीन की पैमाइश कराई गई। मंदिर की भूमि पर फैला अतिक्रमण हटाया जाएगा और इसके बाद जीर्णोद्धार का कार्य शुरू कराया जाएगा। डीएम के आदेश के बाद तहसीलदार ने टीम के साथ मौके पर पहुंच कर पैमाइश कराई है। मोहल्ला लक्ष्मण गंज में 17 दिसंबर को खाली पड़ी जमीन पर खंडहरनुमा 150 साल पुराना बांकेबिहारी मंदिर मिला था। इसके बाद शनिवार को तहसील में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में सनातन सेवक संघ के कार्यकर्ताओं ने बांके बिहारी मंदिर के जीर्णोद्धार और मंदिर के पास ही एक गली में खाली पड़े प्लॉट में बावड़ी होने का दावा करते हुए डीएम राजेंद्र पैंसिया को प्रार्थनापत्र दिया था।

संपादकीय

संभल खुदाई सभ्यता!

सर्वोच्च अदालत ने सभी तरह की खुदाई, जांच और पुरातात्विक दावों पर रोक लगा रखी है, क्योंकि वह 'उपासना स्थल कानून, 1991' संबंधी याचिकाओं पर विचार कर रही है। दूसरी ओर सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा है कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के बाद अब हमें हर मस्जिद के नीचे शिवलिंग खोजने से बाज आना चाहिए। उप्र के संभल या राजस्थान के अजमेर में जो हिंदूवादी, मंदिरवादी दावे किए जा रहे हैं, उनसे स्पष्ट है कि वह तबका न तो शीर्ष अदालत की परवाह कर रहा है और न ही सरसंघचालक की नसीहत सुनने, मानने को तैयार है। बल्कि साधु-संतों का एक वर्ग सरसंघचालक के कथन का विरोध करने लगा है। रामभद्राचार्य सरीखे संत की टिप्पणी है कि मोहन भागवत उप्र, अजमेर या सनातन धर्म के प्रशासक नहीं हैं। दक्षिणपंथी खेमा ही संघ प्रमुख का विरोध कर रहा है, यह अत्यंत आश्चर्यजनक है। बहरहाल संभल (उप्र) में अब भी खुदाई जारी है। वहां 1978 के सांप्रदायिक दंगों की आड़ लेकर खुदाई की जा रही है। उन दंगों में 184 लोगों को जिंदा जला दिया गया था। अधिकांश लोग हिंदू थे। उन दंगों के बाद हिंदुओं ने व्यापक स्तर पर पलायन किया था, लिहाजा आजादी के वक्त हिंदुओं की जो आबादी 45 फीसदी थी, अव वे घट कर मात्र 20 फीसदी रह गए हैं। मुस्लिम आबादी 55 फीसदी से बढ़ कर 80 फीसदी हो गई है। कुछ दिन पहले 46 साल के बाद एक मंदिर खुला था, जहां अब पूजा-सेवा की जा रही हैं। यदि 1978 का दौर याद किया जाए, तो केंद्र में जनता पार्टी की सरकार थी। मोरार जी देसाई देश के प्रधानमंत्री थे। पश्चिमी उप्र के एकछत्र नेता चौधरी चरण सिंह गृहमंत्री थे। जनता पार्टी में ही विलीन 'जनसंघ' के तत्कालीन शीर्षस्थ नेता अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी भी जनता पार्टी सरकार में मंत्री थे। उप्र के तत्कालीन मुख्यमंत्री रामनरेश यादव भी जनता पार्टी के थे। बाद में वह भाजपा में शामिल हो गए। सवाल यह है कि 1978 के दंगों की जवाबदेही इन नेताओं की थी अथवा नहीं? इतने पुराने दंगों का संदर्भ अब क्यों उठाया जा रहा है? क्या प्रासंगिकता है? एक पुराना नक्शा जांच के दौरान सामने आया है, जिसके मुताबिक 68 हिंदू तीर्थों और 19 कूपों (कुओं) की खोज की जानी है। अब यह नक्शा संभल जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया के पास है, जिस नक्शे को 'शंभल महात्म्य' कहा जाता है। क्या इन तीर्थों के लिए भी खुदाई और जांच कराई जाएगी? बीते दिनों एक कूप से हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियां मिली थीं। कुछ खंडित प्रतिमाएं भी मिली थीं। अब संभल में एक प्राचीन बावड़ी सामने आई है। इस समय यह 210 वर्गमीटर में बनी है। बावड़ी को राजा सहसपुर के राजघराने के कुंवर जगदीश सिंह के नाना ने बनवाया था। इसमें कोई सुरंग नहीं है, बल्कि बावड़ी गोलाई में बनी है। बावड़ी में तीन मंजिलें पाई गई हैं। बावड़ी भी खुदाई में सामने आई है। खुदाई करते-करते एक नए भारत, नए उप्र की खोज जारी है। उससे हिंदूवादी सोच प्रगाढ़ होती है, बल्कि उन्माद, सांप्रदायिक विभाजन की संभावनाएं घनीभूत होती हैं। भागवत का मानना है कि प्राचीन विचारधारा और समावेशी संस्कृति के कारण भारत एक राष्ट्र बना। एकता का अर्थ इसकी विविधता को नष्ट करना या एकरूपता कायम करना नहीं है। अब हमें शत्रुता पैदा करने वाले या पुराने संदेहों को जगाने वाले मसलों से परहेज करना चाहिए। यह दुनिया को दिखाएगा कि हम सब शांतिपूर्वक एकसाथ रह सकते हैं। अब सवाल यह है कि क्या भाजपा नेतृत्व और खासकर उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इन खुदाइयों के जरिए 2027 के चुनाव की जमीन तैयार कर रहे हैं? खुदाइयां प्रशासनिक अधिकारियों के संरक्षण में की जा रही हैं।

उप्र के संभल या राजस्थान के अजमेर में जो हिंदूवादी, मंदिरवादी दावे किए जा रहे हैं, उनसे स्पष्ट है कि वह तबका न तो शीर्ष अदालत की परवाह कर रहा है और न ही सरसंघचालक की नसीहत सुनने, मानने को तैयार है। बल्कि साधु-संतों का एक वर्ग सरसंघचालक के कथन का विरोध करने लगा है। रामभद्राचार्य सरीखे संत की टिप्पणी है कि मोहन भागवत उप्र, अजमेर या सनातन धर्म के प्रशासक नहीं हैं। दक्षिणपंथी खेमा ही संघ प्रमुख का विरोध कर रहा है, यह अत्यंत आश्चर्यजनक है। बहरहाल संभल (उप्र) में अब भी खुदाई जारी है। वहां 1978 के सांप्रदायिक दंगों की आड़ लेकर खुदाई की जा रही है। उन दंगों में 184 लोगों को जिंदा जला दिया गया था। अधिकांश लोग हिंदू थे। उन दंगों के बाद हिंदुओं ने व्यापक स्तर पर पलायन किया था, लिहाजा आजादी के वक्त हिंदुओं की जो आबादी 45 फीसदी थी, अव वे घट कर मात्र 20 फीसदी रह गए हैं। मुस्लिम आबादी 55 फीसदी से बढ़ कर 80 फीसदी हो गई है। कुछ दिन पहले 46 साल के बाद एक मंदिर खुला था, जहां अब पूजा-सेवा की जा रही हैं। यदि 1978 का दौर याद किया जाए, तो केंद्र में जनता पार्टी की सरकार थी। मोरार जी देसाई देश के प्रधानमंत्री थे।

भाजपा को इस मुकाम तक पहुंचाने में उसकी मेंटर की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता है

धर्म के प्रति निरपेक्षता से बढ़ते अधर्म को आखिर रोकेगा कौन?

कमलेश पांडे

धर्म और अधर्म के बीच मौजूद सूक्ष्म विभाजन को स्पष्ट करते हुए लोक रचयिता गोस्वामी तुलसीदास महाकाव्य रामचरित मानस में लिखते हैं कि 'परहित सरिस धर्म नहीं भाई, परपीड़ा सम नहीं अधमाई।' यानी कि दूसरों का हित सोचना-करना ही धर्म है और दूसरों को पीड़ा पहुंचाना ही अधर्म है। जहां तक भारत और उसकी धर्मनिरपेक्षता का सवाल है तो खुद आरएसएस और उसका राजनीतिक संगठन भाजपा (जनसंघ का परिवर्तित स्वरूप) इस पर सवाल उठाते हुए तत्कालीन सत्ताधारी पार्टी कांग्रेस और समाजवादी दलों की सरकारों पर तुष्टिकरण के आरोप मढ़ती आई है। इससे स्पष्ट है कि धर्म के प्रति बढ़ती निरपेक्षता से बढ़ते अधर्म को आखिर कौन रोकेगा, यह यक्ष प्रश्न है और इस नीतिगत सवाल पर आरएसएस को ढुलमुल नहीं, बल्कि स्पष्ट रवैया अपनाना चाहिए। चूंकि वह विश्व का सबसे बड़ा सामाजिक संगठन है, दुनिया के सबसे पुराने धर्म सनातन धर्म के आधार पर जीवन पद्धति को विकसित करने और प्राणी मात्र की रक्षा करने का वह पक्षधर रहा है, इसलिए उसके रवैए से देश सहित विश्व का जनमत प्रभावित होता है। क्योंकि वह अमूमन तार्किक और लोकहितैषी बातें करता आया है। उसकी शाखाओं की दिनचर्या समाज के लिए भी सेहतमंद साबित होती आई हैं। भाजपा को इस मुकाम तक पहुंचाने में उसकी मेंटर की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता है। अब जरा सोचिए, भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है, लेकिन यदि वह प्राणी बद्ध/मानव बद्ध पर उदासीन रहता है, कुतर्क करता है तो इसका दोषी सरकार नहीं है तो कौन है? क्योंकि जनता को भी तो जागरूक करना उसी का कार्य है। गाहे बगाहे होने वाले सांप्रदायिक, जातीय, क्षेत्रीय या आपराधिक हिंसा-प्रतिहिंसा की बातों को कुछ देर के लिए विराम भी दे दिया जाए, क्योंकि मानवीय सनक को काबू में रखना किसी भी प्रशासन के लिए जटिल कार्य है। फिर भी इस पर सियासी कारणों से रोक नहीं लगाना भी अधर्म है। वहीं, ऐसी ही हिंसक प्रवृत्ति से जुड़ा एक पूरक सवाल है कि यदि भारत सरकार पशु-पक्षी बद्ध के लिए लाइसेंस जारी करती है या फिर इस तरह की मिलीजुली मानवीय प्रवृत्ति पर खामोश रहती है तो मेरे विचार में वह एक अधार्मिक प्रवृत्ति को बढ़ावा दे रही है और इससे उसका प्रशासन भी प्रभावित होगा। मेरा मानना है कि यदि देशवासियों को सही शिक्षा दी जाएगी, तो पुलिस व सैन्य खर्च में भारी कमी स्वतः आ जाएगी। आज यदि देश की जनता नाना प्रकार की नैतिक-भौतिक त्रासदी से जूझ रही है तो इसके पीछे उसकी धर्मनिरपेक्ष भावना ही है। जिसके चलते देशवासियों को सही शिक्षा की डिलीवरी नहीं हो पा रही है। आश्चर्य होता है कि इसके बावजूद भी हमारे धर्मनिरपेक्ष नेता मदमस्त हैं। वो यह नहीं समझ पा रहे हैं कि हमारे देश में कौन सा धर्म सही शिक्षा दे रहा है और कौन सा धर्म भड़काऊ शिक्षा दे रहा है। इनकी शिनाख्त करके उसे सही राह पर चलने के लिए भारत का प्रशासन विवश नहीं करेगा, तो कौन करेगा। आप धर्मनिरपेक्ष हैं, बहुत अच्छी बात है। लेकिन आप प्रकृति धर्म, प्राणी धर्म और मानव धर्म से निरपेक्ष नहीं हो सकते, क्योंकि इसका सम्मिलित स्वरूप ही राजधर्म है। मनुष्यों को नियंत्रित रखने के लिए किसी न किसी धर्म की जरूरत होती है, जो उन्हें अधार्मिक होने से रोकता है। हिंसक प्रवृत्ति अधार्मिक है, भोगवाद अधार्मिक है, क्योंकि इससे रोग उतपन्न होता है और बढ़ता है। वहीं, अहिंसा, त्याग और सेवा की भावना धार्मिक है, जिसे बढ़ावा देना चाहिए। यह प्राकृतिक गुण है, मानवीय गुण है और प्राणी मात्र के लिए हितैषी है। इस नजरिए से सनातन धर्म/हिन्दू धर्म इसका वाहक समझा जाता है। चूंकि हमारी सरकार धर्मनिरपेक्ष है, इसलिए वह इन नैसर्गिक गुणों से भी निरपेक्ष होना चाहती है, जो तमाम जन-समस्याओं की जननी है। इसलिए सवाल उठता है कि जिन्होंने हमें हिन्दू राष्ट्र और सनातनी सोच के सपने दिखाए, उन्हें भी जब देशवासियों ने कुछ अच्छा कर गुजरने के मौके दिये तो वो भी किंकर्तव्यविमूढ़ हो गए। क्या सत्ता के दुर्गुणों ने उन्हें भी अपने मायाजाल में फंसा लिया और अब वे दुष्टों के बढ़ते प्रभाव के वशीभूत होकर धर्मनिरपेक्ष होने मतलब अन्याय का समर्थन करने की वकालत कर रहे हैं। सच कहूं तो इससे एक बार फिर से धर्म की सही समझ ज्ञानी जनों के न्याय के कठघरे में खड़ी है। खासकर तब, जब हिन्दू हृदय सम्राट समझे गए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत, गत रविवार को अमरावती में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कहते हैं कि दुनिया में धर्म के नाम पर जितने भी अन्याय, अत्याचार होते हैं, उनके पीछे धर्म की गलत समझ काम कर रही होती है। याद दिला दें कि इससे पहले बीते सप्ताह ही आरएसएस प्रमुख ने यह भी कहा था कि जगह-जगह मंदिर विवाद खड़े करना ठीक नहीं है। लिहाजा संघ प्रमुख के बयानों के पीछे छिपी चिंता को समझे जाने की जरूरत है। क्योंकि ऐसा करना हालिया घटनाओं की रोशनी में खासा अहम हो जाता है। उन्होंने धार्मिक जटिलता पर ठीक ही कहा कि धर्म बड़ा जटिल विषय है और इसे समझने में अक्सर गलती होने की आशंका बनी रहती है। आखिर कब धर्म की उदार वृत्ति पर संप्रदाय विशेष की संकीर्ण दृष्टि काबिज हो जाती है और कब धार्मिक समावेशिता को सांप्रदायिक कट्टरता ढक लेती है, यह कई बार हमलोगों की समझ में नहीं आता है। आसेतु हिमालय यानी भारतीय उपमहाद्वीप के संदर्भ में देखा जाए तो बांग्लादेश में हाल के सत्ता परिवर्तन ने कैसे समाज को कट्टरपंथी तत्वों के चंगुल में ला दिया, यह सबके लिए एक ताजा सबक हो सकता है। इससे पहले पाकिस्तान के कट्टरपंथी सोच से हमलोग अवगत और भुक्तभोगी दोनों हैं। कभी उसी का भूभाग रहे बंगलादेश की बदलती घटनाओं और पनपती सोच की हम उपेक्षा नहीं कर सकते। क्योंकि कमोबेश वैसी ही ताकतें हमारे यहां भी सक्रिय हैं। यह खतरा वास्तविक इसलिए भी प्रतीत होता है, क्योंकि ऐसे उदाहरण दुनिया के दूसरे हिस्सों में भी देखने को मिलते हैं। खासकर एक धर्म विशेष के नाम पर पिछले कुछ दशकों में दुनिया भर में आतंकवाद का जैसा खौफनाक अभियान चला, उसे उस धर्म की सही समझ का उदाहरण कतई नहीं माना जा सकता है। लेकिन संघ प्रमुख की बातें सिर्फ दूसरे देशों के संदर्भ में नहीं कही गई हैं। बल्कि धर्म की गलत व्याख्या के कारण 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का अजेंडा पीछे छूटने का खतरा अपने देश में भी कम नहीं है। इसलिए हमें एकता के सूत्र तलाशने होंगे।

दूसरों का हित सोचना-करना ही धर्म है और दूसरों को पीड़ा पहुंचाना ही अधर्म है। जहां तक भारत और उसकी धर्मनिरपेक्षता का सवाल है तो खुद आरएसएस और उसका राजनीतिक संगठन भाजपा (जनसंघ का परिवर्तित स्वरूप) इस पर सवाल उठाते हुए तत्कालीन सत्ताधारी पार्टी कांग्रेस और समाजवादी दलों की सरकारों पर तुष्टिकरण के आरोप मढ़ती आई है। इससे स्पष्ट है कि धर्म के प्रति बढ़ती निरपेक्षता से बढ़ते अधर्म को आखिर कौन रोकेगा, यह यक्ष प्रश्न है और इस नीतिगत सवाल पर आरएसएस को ढुलमुल नहीं, बल्कि स्पष्ट रवैया अपनाना चाहिए

दृष्टि कोण

तख्तापलट के साए में वैश्विक लोकतंत्र

'तख्तापलट' यह लफ्ज सुनने में ही खौफनाक है, लेकिन भारत के हमसाया मुल्कों सहित विश्व के कई देश तख्तापलट का सामना कर चुके हैं तथा सिलसिला बदस्तूर जारी है। तख्तापलट यानी लोगों द्वारा चुनी गई संवैधानिक सरकार तथा संविधान दोनों को सैन्य बलों या बगावती गुटों द्वारा उखाड़ फैंकना। तख्तापलट के बाद मानवाधिकारों की कोई गारंटी नहीं रहती। बंदूकों की हुकूमत के साए में धर्मनिरपेक्षता, शिष्टाचार व नैतिकता जैसे अल्फाज अपनी आबरू बचाने को मजबूर हो जाते हैं। स्मरण रहे लोगों के वोट से चुने गए सियासी हुक्मरान तथा बम, बंदूक व बारूद की असकरी तरबियत से निकले सैन्य तानाशाह की विचारधारा में बहुत अंतर होता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था तथा तानाशाही के निजाम में जमीन-आसमान का फर्क होता है। तानाशाही के निजाम में संसद का शोर खामोशी में तब्दील हो जाता है। भारत के पड़ोसी मुल्कों ईरान, चीन, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, म्यांमार व बांग्लादेश में जम्हूरियत का दम घुट चुका है। लोकतंत्र अपना वजूद तलाश रहा है। भू-माफिया चीन, तिब्बत पर कब्जा कर चुका है। भूटान भारतीय सेना के रहमोकरम से सुरक्षित है। कुछ वर्षों से नेपाल व श्रीलंका में वहां के सियासी दल स्थिर सरकार बनाने में नाकाम रहे हैं। वर्ल्ड बैंक के मुताबिक जहां लोग गुरबत, महंगाई व भुखमरी जैसी बुनियादी चीजों से बेहाल हों तथा जिन मुल्कों में मानव विकास सूचकांक काफी कम हो, वहां तख्तापलट की घटनाएं ज्यादा होती हैं। मगर कई मुल्कों में सैन्य जरनैलों की सत्ता हथियाने की सनक ही तख्तापलट का सबब बनी है। तख्तापलट में सबसे रोचक इतिहास पाकिस्तान का है। पाक सैन्य तानाशाहों ने अपने मुल्क के किसी भी वजीरे आजम का कार्यकाल मुकम्मल नहीं होने दिया। म्यांमार के जरनैल 'ने विन' मार्च 1962 में अपने मुल्क में तख्तापलट का पहला मजमून लिखकर 26 वर्षों तक सत्ता पर काबिज हो गए थे। म्यांमार की सेना ने अपनी स्टेट काउंसलर व 'नोबल शांति पुरस्कार विजेता' 'आंग सान सू की' तथा राष्ट्रपति 'विन मिंट' को फरवरी 2021 में सलाखों के पीछे भेजकर अपनी फौजी हुकूमत नाफिज कर दी है। पड़ोसी मुल्क वियतमान के जनरल 'डोंग वान मिन्ह' ने नवंबर 1963 में अपने मुल्क में तख्तापलट को अंजाम देकर स्टेट काउंसलर 'न्गो दीन्ह न्हू' व उनके भाई को हलाक करके सत्ता पर कब्जा कर लिया था। हालांकि बाद में डोंग वान मिन्ह को भी अमेरिका में शरण लेनी पड़ी थी। हिंदोस्तान की खैरात पर पलने वाले बांग्लादेश की सेना ने सन्-1975 में अपने राष्ट्रपति 'शेख मुजीबुर्रहमान' का कत्ल करके तख्तापलट की संगे बुनियाद रख दी थी। सिलसिला बदस्तूर जारी है। चरमपंथ की परवरिश व कट्टरवाद की तालीम वाले मजहबी रहनुमां भी जम्हूरी निजाम में अकीदा नहीं रखते। तख्तापलट की लंबी दास्तान वाले अफगानिस्तान के अंतिम शासक 'राजा मोहम्मद जहीर शाह' के दौरे हुकूमत को अफगानों का स्वर्णिम काल कहा जाता है। सन्-1953 में अफगानिस्तान के प्रधानमंत्री बने 'मोहम्मद दाउद खान' को राजा जहीर शाह ने सन्-1963 में बर्खास्त कर दिया था। काबुल के कोर कमांडर रहे 'मोहम्मद दाऊद खान' ने जुलाई 1973 को उसी 'राजा जहीर शाह' का तख्तापलट करके राजशाही का सूर्यास्त कर दिया तथा अफगान गणराज्य के पहले राष्ट्रपति बन गए थे। राजा जहीर शाह को 29 वर्षों तक इटली में शरण लेनी पड़ी थी। मगर अफगान कम्युनिस्ट रहनुमां 'नूर मोहम्मद तराकी' ने मुजाहिद्दीनों की कयादत में अप्रैल 1978 को मोहम्मद दाउद खान का कत्ल कर दिया तथा खुद अफगान सदर के पद पर काबिज हो गए। 1980 के दशक में चौथे अफगान सदर 'बरबक करमाल' ने चरमपंथी गुटों के खौफ से चेक गणराज्य व चेकोस्लोवाकिया तथा सोवियत संघ जैसे मुल्कों में शरण ली थी। सन्-1992 में गुरिल्ला कमांडर 'अहमद शाह मसूद' ने मुजाहिद्दीनों की कमान में काबुल पर हमला करके अफगान राष्ट्रपति नजीबुल्लाह का तख्तापलट कर दिया था। काबुल के 'संयुक्त राष्ट्र परिसर' में शरण ले चुके साबिक सदर नजीबुल्लाह तथा उनके भाई को तालिबानियों ने 27 सितंबर 1996 को हलाक करके उनकी लाशों को ट्रैफिक लाइट के खंबे से लटका दिया था। अमेरिका व सोवियत संघ जैसे ताकतवर मुल्कों की सेनाएं भी अफगान मुजाहिद्दीनों से निपटने में नाकाम रहीं, नतीजतन तालिबान ने काबुल पर कब्जा करके अपना कट्टरपंथी निजाम नाफिज कर दिया। सन्-2021 में अफगान सदर 'अशरफ गनी' ने अपना मुल्क छोडक़र 'यूएई' में शरण ली। अगस्त 2024 को बांग्लादेश की सत्ता से बेदखल हुई वजीरे आजम शेख हसीना को भारत ने शरण दी है। नौ दिसंबर 2024 को विद्रोही गुटों ने सीरिया की सत्ता पर कब्जा करके 'असद' परिवार की पांच दशकों की हुकूमत का सूर्यास्त कर दिया। राष्ट्रपति बशर अल-असद ने रूस में शरण ली है।

कुछ अलग

संकल्पों के पुतले के न्यू ईयरी संकल्प

मित्रो! इस उम्र में संकल्पों का असाध्य गुणी होने के चलते मैं और तो कुछ नहीं करता, न कर सकता। जिसे केवल संकल्प लेने की लत हो, वह और करे भी तो क्यों करे? इसलिए अब हर सुबह बस, बिस्तर पर उठते ही बिस्तर पर अपनी रोगी काया को निरोगी करने के लिए दो चार उल्टी सीधी कसरतें हरकतें करने के बाद पांच सात लंबी लंबी सांसें लेकर लगे हाथ वहीं आए दिन के दो चार मोटे मोटे संकल्प भी ले लेता हूं कि आज मैं संकल्प लेता हूं कि... आज मै संकल्प लेता हूं कि...आज मैं संकल्प लेता हूं...और फिर संकल्पों की ओर से विमुख होकर चाय पीता पीता विकल्प ढूंढने लग जाता हूं। बंधुओ! मेरी कोई बात आपको हैरान करे या न, पर मैं शर्त लगा कर कह सकता हूं कि जो मैं आपको अपने संकल्पों के बारे में सविस्तार बताऊं तो मेरे संकल्प लेने का ओवर कांफिडेंस आपको हैरान नहीं, परेशान करके रख देगा, आपके किसी के ओर से भी लाख मस्त मस्त रहने के बाद भी। मैं चाय में चीनी लूं या न, पर मैं चाय के साथ संकल्प जरूर लेता हूं। यही वजह है कि मुझे शुगर की शुगर तो नहीं, पर सकंल्पों की शुगर बहुत है। मैं परांठे के साथ बटर लूं या न, पर मैं परांठे के साथ संकल्प जरूर लेता हूं। यही वजह है कि मेरे दिल को कोलेस्ट्रोल की शिकयत तो नहीं, पर दिमाग को संकल्पों की कोलेस्ट्रोल की गंभीर शिकायत है। ब्रीफ में, मैं दाल के साथ चपाती लूं या न, पर मुझे दाल के साथ संकल्प लेना बहुत पसंद है। मैं झूठ के साथ सच लूं या न, पर मुझे झूठ के साथ संकल्प लेना बहुत पसंद है। अगर अब मैं ऐसा कहूं कि संकल्प मेरा पैशन है तो कोई अतिशयोक्ति न होगी। मित्रो! अब मेरे संकल्पों का इतिहास देख संकल्पों के बड़े बड़े जानकार दांतों तले उंगलियां चबा लेते हैं। मेरे संकल्पों के आगे बड़े बड़े संकल्पों के धुरंधर पानी भरते हैं। ये जो मेरा घर आपको संकल्पों से ठसाठस भरा दिख रहा है न, इनमें मेरे बच्चों के कोई संकल्प नहीं। इनमें मेरी बीवी के कोई संकल्प नहीं। ये सब मेरे आज तक लिए किए संकल्प मात्र हैं। आज मैं सीना तान कर कह सकता हूं कि मैं किसी और मामले में रिच हूं या न, पर संकल्पों के मामले में रिचो रिच हूं जी! सोच रहा हूं अब अपने लिए संकल्पों को रखने के लिए किसी से गैरेज किराए पर आसपास ले लूं। किराए की कोई दिक्कत नहीं। नौकरी का दिया बहुत है। दोस्त कह रहे हैं कि नया साल आ रहा है। ऐसे में कुछ ठंडा हो या न, कुछ गर्म हो या न, पर कुछ संकल्प जरूर हो जाने चाहिएं। जो नए साल के आने पर संकल्प न लिए जाएं तो नया साल बंदे से सारा साल नाराज रहता है। अतैव, रे नए साल! तू भी क्या याद करेगा कि तेरे आने पर किसी ने संकल्प लिए थे। ले, मैं अपनी बीवी को साक्षी मानकर संकल्प लेता हूं कि नित नए संकल्प लेने वाला मैं संकल्पप्रिय तेरे स्वागत में सकंल्प लेता हूं कि नए साल से मैं साहब की चमचागीरी बिल्कुल नहीं करूंगा। हे नए साल! ले, मैं अपनी बीवी को साक्षी मानकर संकल्प लेता हूं कि नित नए संकल्प लेने वाला मैं संकल्पप्रिय तेरे स्वागत में एक और संकल्प लेता हूं कि नए साल से अपनी सीट पर किसी कभी काम करवाने आने वाले से बदतमीजी नहीं करूंगा, उससे धेला भी रिश्वत नहीं लूंगा। उल्टे उसे चाय पिलाकर हाथों हाथ उसका काम करके खुशी खुशी भेजूंगा। हे नए साल! ले, मैं अपनी बीवी को साक्षी मानकर संकल्प लेता हूं कि नित नए संकल्प लेने वाला संकल्पप्रिय तेरे स्वागत में एक और सकंल्प लेता हूं कि मैं समाज में अब रीढ़ सीधी कर जीऊंगा। हे नए साल! ले, मैं अपनी बीवी को साक्षी मानकर मैं संकल्प लेता हूं कि नित नए नए संकल्प लेने वाला मैं संकल्पप्रिय तेरे स्वागत में एक और सकंल्प लेता हूं कि नए साल से मैं कदम कदम पर सच कहूंगा। झूठ बिल्कुल भी न कहूंगा। हे नए साल! ले, मैं अपनी बीवी को साक्षी मानकर संकल्प लेता हूं कि नित नए नए संकल्प लेने मैं संकल्पप्रिय तेरे स्वागत में एक और संकल्प लेता हूं कि नए साल से मैं किसी से ईर्ष्या, द्वेष नहीं रखूंगा।

देश दुनिया से

मजबूत होते भारत-कुवैत द्विपक्षीय संबंध

हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ऐतिहासिक कुवैत यात्रा से दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूती मिली है।चार दशक से अधिक समय में इस खाड़ी देश (कुवैत) की यात्रा करने वाले नरेंद्र मोदी पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो वर्ष 1981 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के बाद यह यात्रा 43 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली कुवैत यात्रा थी। भारत और कुवैत के संबंध हमेशा से ही मैत्रीपूर्ण रहे हैं और वर्ष 1961 में जब कुवैत अंग्रेजी शासन से आजाद हुआ, तब भारत उसके साथ संबंध बनाने वाले शुरुआती देशों में शामिल था। कहना ग़लत नहीं होगा कि लंबे समय बाद भारत के प्रधानमंत्री की कुवैत यात्रा से भारत का पश्चिमी एशियाई जुड़ाव और अधिक सुनिश्चित तथा मजबूत हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी और कुवैत के अमीर शेख नवाफ अल-अहमद अल-जाबेर अल- सबा की बातचीत से यह उजागर हुआ है कि भारत और कुवैत कूटनीतिक और आर्थिक रिश्तों को मजबूत करने के लिए हमेशा तत्पर और तैयार हैं। इस यात्रा के दौरान भारत के प्रधानमंत्री मोदी को कुवैत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ऑर्डर ऑफ मुबारक अल-कबीर' से सम्मानित किया जाना दोनों देशों के पारस्परिक सम्मान का सूचक है। वास्तव में यह कदम दोनों देशों के रिश्तों की गहराई और महत्व को दर्शाता है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि दोनों देशों के बीच आर्थिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, परस्पर सौहार्द और सहयोग की भावना इनके बीच गहरी रणनीतिक साझीदारी का रास्ता खोलते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कुवैत यात्रा आर्थिक संबंधों के साथ ही सांस्कृतिक संबंधों को भी मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण रही। वास्तव में, अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री ने ऐसे अनेक लोगों से मुलाकात की जिन्होंने भारत-कुवैत संबंधों को मजबूत करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इनमें अब्दुल्ला अल-बारून भी शामिल हैं, जिन्होंने एक अनुवादक के रूप में भारतीय महाकाव्यों 'रामायण' एवं 'महाभारत' का अरबीभाषियों के लिए अनुवाद किया है। सच तो यह है कि भारत के प्रधानमंत्री की हालिया कुवैत यात्रा ने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों के एक नए युग की शुरुआत की है। इस दौरान दोनों देशों के बीच हुए समझौते और रणनीतिक सहमतियां पूरे क्षेत्र की स्थिरता के लिहाज से भी अहम हैं। महत्वपूर्ण है कि कुवैत यात्रा के दौरान भारत और कुवैत के बीच रक्षा, खेल, संस्कृति और सौर क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण समझौते हुए हैं, जो दोनों देशों के बीच संबंधों को निश्चित ही और अधिक मजबूती और प्रगाढ़ता प्रदान करेंगे। गौरतलब है कि कुवैत भारत का प्रमुख तेल आपूर्तिकर्ता रहा है और आज भी है। आंकड़े बताते हैं कि कुवैत, भारत का छठा सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता है, जो देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को तीन प्रतिशत तक पूरा करता है। यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि इससे यह आपूर्ति सुरक्षित होने के साथ ही खाड़ी क्षेत्र में भारत की समग्र ऊर्जा सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सकेगी। साथ ही साथ, कुवैत के साथ रक्षा सहयोग भारत की 'ऐक्ट बेस्ट नीति' को भी निश्चित ही मजबूती प्रदान करेगा। आज कुवैत में बहुत से भारतीय निवास करते हैं और वहां की सामाजिक संरचना में भारतीयों का स्थान प्रवासियों के रूप में बहुत ही महत्वपूर्ण है। भारतीयों ने कुवैत को इंजीनियरिंग व शिक्षा, मेडिकल समेत अनेक क्षेत्रों में अपना महत्वपूर्ण और अहम्योगदान दिया है।कुवैत भी बरसों-बरसों से भारत का एक महत्वपूर्ण ऊर्जा सप्लायर रहा है, जबकि अनेक भारतीय विशेषज्ञ और भारतीय श्रमशक्ति कुवैत के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसी बीच, कुछ समय पहले ही कुवैत नेशनल रेडियो द्वारा साप्ताहिक हिंदी रेडियो कार्यक्रम की शुरुआत किया जाना निश्चित रूप से यह दर्शाता है कि कुवैत के लिए प्रवासी भारतीय कितने महत्वपूर्ण और अहम् हैं। इतना ही नहीं, गत जून में कुवैत की एक इमारत में आग लगने से हुई भारतीयों की मौतों के बाद कुवैत ने जिस तरह का सहयोग दिया, वह भी दोनों देशों के मजबूत संबंधों को ही दर्शाता है। अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री ने प्रवासियों को बेहतर वाणिज्यिक सेवाओं और श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा का सकारात्मक व ठोस आश्वासन दिया है, जो विदेशों में अपने नागरिकों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। निश्चित ही इससे कुवैत में प्रवासी भारतीयों के आत्मविश्वास में बढ़ोत्तरी होगी। यहां यह भी महत्वपूर्ण है कि पीएम मोदी की इस ऐतिहासिक दो दिवसीय कुवैत यात्रा के दौरान भारत और कुवैत ने संबंधों को 'रणनीतिक साझेदारी' तक बढ़ाने पर सहमति जताई है और रक्षा क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को नियमित बनाने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह और भी अधिक महत्वपूर्ण है कि ऊर्जा सहयोग को बढ़ाने के उद्देश्य से दोनों पक्षों ने इस बात पर जोर दिया है कि वे अपने-अपने देशों की कंपनियों को तेल और गैस के अन्वेषण तथा उत्पादन, रिफाइनिंग, इंजीनियरिंग सेवाओं, और 'पेट्रोकेमिकल' उद्योगों में सहयोग बढ़ाने के लिए समर्थन प्रदान करेंगे। अंत में, यही कहूंगा कि प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा ने निस्संदेह कुवैत व भारत के संबंधों को ऊंचाइयों पर पहुंचाने का काम किया है।उनकी यह यात्रा निश्चित ही खाड़ी क्षेत्र में एक जिम्मेदार साझेदार के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करेगी। सच तो यह है कि भारतीय प्रधानमंत्री का कुवैत दौरा भारत और खाड़ी देशों के बीच बढ़ते संबंधों की यात्रा में एक अहम मील का पत्थर साबित होगा। यह दौरा कूटनीति, व्यापार और समुदाय संवाद की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है जो भारत और कुवैत के द्विपक्षीय रिश्तों को जहां एक ओर मजबूती प्रदान करेगा वहीं दूसरी ओर यह दोनों देशों के बीच भविष्य में सहयोग की रूपरेखा भी तय करेगा।

आप का नजरिया

परिवहन की छवि सुधारो

बद्दी की घटना में कानून व्यवस्था के बजाय परिवहन की दादागिरी कहीं अधिक है। माल ढुलाई की अपनी अर्थव्यवस्था है और यह हिमाचल के परिप्रेक्ष्य में हेकड़ी जमा चुकी है। न केवल माल ढुलाई, बल्कि यात्री एवं पर्यटन परिवहन में भी मनमानी का दस्तूर कुख्यात है। कम से कम हिमाचल के औद्योगिक विकास की सारी सफलता माल ढुलाई के हाथों ही पीटी जा रही है। एक तो भौगोलिक परिस्थितियां दुष्कर हैं, ऊपर से कच्चे माल से हर उत्पाद तक के बीच का सारा कारोबार, माल ढुलाई के वर्चस्व में अपने गणित सही से नहीं बैठा पाता। आश्चर्य यह कि सीमेंट से लेकर हर तरह के औद्योगिक उत्पाद के बाजार तक माल ढुलाई का आतंक, मनमाफिक भय पैदा कर रहा है। परिवहन के द्वार पर औद्योगिक विकास के पहिए इतने थमे कि हिमाचल से कुछ इकाइयों ने अपना नाता ही तोड़ लिया। इस पर अगर सस्ती माल ढुलाई के विकल्पों में बाहरी ट्रकों को आमंत्रित किया जाता है या औद्योगिक इकाइयां अपनी ढुलाई व्यवस्था खुद कायम करना चाहती हैं, तो वाहनों से तोडफ़ोड़ होने लगी है। जिस तरह वाहनों के शीशे टूटे, उससे लगता है कि हिमाचल के सीमांत इलाकों में जोर-जबरदस्ती का आलम पूंजीनिवेश के विरोध तक पहुंच चुका है। कम से कम निवेश मैत्री माहौल की यह दिशा नहीं और यह साबित हो चुका है कि उद्योगों के बसने से पहले ट्रक यूनियनों के बीच हिमाचली अधिकार बस जाते हैं। यह हिमाचली परिवहन की संगत में हलाल होने की शर्त बन चुका है। हिमाचल की ओर और हिमाचल से माल ढुलाई की लागत पर नकारात्मक असर डाल रही है। कमोबेश यही स्थिति पर्यटन की दृष्टि से टैक्सी सेवाओं में भी देखी जा रही है, लेकिन सरकार की ओर से न तो कोई स्पष्टता है और न ही स्थानीय राजनीति को ऐसा दखल पसंद है। नतीजतन हिमाचल के उपभोक्ता को महंगी दरों में आवश्यक वस्तुएं पहुंच रही हैं, जबकि हिमाचल में चल रहे प्रोडेक्शन को प्रतिस्पर्धा के बाजार में टिकाए रखना मुश्किल होता जा रहा है। जाहिर तौर पर कंपनियों को सस्ती माल ढुलाई के लिए सिर-धड़ की बाजी लगानी पड़ रही है, लेकिन छोटी सी कोशिश भी अगर तोडफ़ोड़ में बदल जाए, तो ऐसी दुश्मनी के अंजाम में कई यूनिट किसी अन्य राज्य में कूच कर जाएंगे। इसी तरह स्थानीय टैक्सी संचालकों के नखरों ने पर्यटकों के अनुभव को हिमाचल से विमुख किया है। तमाम पर्यटक स्थलों पर साइट सीईंग के नाम पर हिमाचल हर दिन इसलिए बदनाम होता है, क्योंकि परिवहन सेवाएं वहां लूट का तंत्र साबित हो रही हैं। इतना ही नहीं, एयरपोर्ट या बस अड्डों पर परिवहन सेवाओं का अराजक तंत्र मनमानी पर उतर आता है। अंब-अंदौरा तक पहुंच रही वंदे भारत के माध्यम से हर दिन जो पर्यटक उतरते हैं, उनके लिए टैक्सी तंत्र से कहीं अधिक षड्यंत्र है। क्या अंब-अंदौरा से एचआरटीसी को सीधे मकलोडगंज बस नहीं चलानी चाहिए। क्या भुंतर एयरपोर्ट से मनाली, गगल हवाई अड्डे से धर्मशाला-चामुंडा-पालमपुर बस नहीं चलानी चाहिए। ऑनलाइन राष्ट्रीय टैक्सी सेवाओं ने हिमाचल के कई भागों में टैक्सी चलाने की इच्छा जाहिर की है, तो यह राह किसने रोकी है। यहां मीटर टैक्सी का विरोध किसकी शह पर होता है।

भारत से निमंत्रण नहीं मिलने पर अब पाक और बांग्लादेश जाने की तैयारी में ओली

काठमांडू, 25 दिसंबर (एजेंसियां)।

नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली का भारत भ्रमण का निमंत्रण पाने के लिए किए गए सारे प्रयास विफल होने के बाद अब बांग्लादेश और पाकिस्तान की यात्रा की तैयारियों में जुटे हैं। इसके लिए उन्होंने दोनों देशों के राजदूतों से अलग-अलग मुलाकात कर भ्रमण की तारीख तय करने को कहा है।

मंगलवार शाम काठमांडू में पाकिस्तान के राजदूत अबरार हाशमी ने प्रधानमंत्री ओली से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान ही प्रधानमंत्री की तरफ से पाकिस्तान की यात्रा की इच्छा जताई गई। पांच दिन पहले ही बांग्लादेश के राजदूत सलाहुद्दीन चौधरी ने भी ओली से मुलाकात की थी, जिसमें उन्होंने ढाका की यात्रा की इच्छा जताई थी।

हालांकि इन दोनों ही मुलाकात को लेकर प्रधानमंत्री के सचिवालय की तरफ से कुछ और जानकारी दी गई है। बांग्लादेश के राजदूत के साथ प्रधानमंत्री ओली की मुलाकात को विदाई भेंट कहा गया था। प्रधानमंत्री के प्रमुख सलाहकार विष्णु रिमाल ने बताया कि राजदूत चौधरी को बांग्लादेश की सरकार ने यूएन में राजदूत बनाकर भेजने का निर्णय किया है जिसके बाद उन्होंने विदाई भेट की थी। पाकिस्तान के राजदूत हाशमी के साथ कल हुई मुलाकात को लेकर भी रिमाल ने बताया कि यह एक सामान्य शिष्टाचार मुलाकात थी जिसमें सार्क को पुनः सक्रिय करने को लेकर बातचीत हुई है। रिमाल के मुताबिक प्रधानमंत्री ने सार्क को सक्रिय करते हुए पाकिस्तान में प्रस्तावित सार्क शिखर सम्मेलन के जल्द से जल्द संपन्न कराने को लेकर अपनी तरफ से पूरा प्रयास करने की बात हुई है।

न्यूज ब्रीफ

अंतरिक्ष में फंसी सुनीता ने मनाया क्रिसमस, लोगों ने पूछा टोपी वहीं खरीदी या हाट बाजर से खरीदी

वॉशिंगटन। अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स बीते कई महीनों से स्पेस में फंसी हैं। उनकी वापसी तकनीकी एवं

अन्य कारणों के चलते अटकी हुई है। इसी बीच तीज त्योहार मनाने की तस्वीरें सामने आती रहीं हें। क्रिसमस पर जश्न मनाते सुनीता एक बार फिर दिखीं। सोशल मीडिया पर लोगों ने पूछा कि ये सांता की टोपी क्या वहीं सिलवाई है या अंतरिक्ष में लगी हाट से खरीदी है। सुनीता और बुच के क्रिसमस सेलिब्रेशन की तस्वीरें जैसे ही सामने आईं, सोशल मीडिया पर लोगों ने सवाल उठाने शुरू कर दिए। कई यूजर्स ने पूछा, क्या सांता हैट और क्रिसमस की सजावट वे अपने साथ ले गए थे, या उन्होंने इसे वहीं बनाया एक अन्य ने व्यंग्यात्मक रूप से लिखा, ये वही लोग हैं जो जून में आठ दिन के मिशन के लिए गए थे इसके अलावा, कुछ यूजर्स ने इसे बड़ा षड्यंत्र बताते हुए दावा किया कि ये सभी तस्वीरें और वीडियो एक स्टूडियो में फिल्माए गए हैं। नासा ने इन आरोपों को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि आईएसएस पर भेजे गए ताजा सामान की डिलीवरी में क्रिसमस की सजावट, विशेष उपहार, और उत्सव के भोजन शामिल थे। यह डिलीवरी नवंबर के अंत में एक स्पेसएक्स के जरिए की गई थी। नासा ने बताया कि हर साल आईएसएस को ताजा राशन और आवश्यक सामग्री के साथ-साथ त्योहारों के लिए विशेष सामान भी भेजा जाता है। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर फंसे नासा के अंतरिक्ष यात्रियों सुनीता विलियम्स और बुच विलमोर ने इस क्रिसमस को खास अंदाज में मनाया है। सैंटा हैट और क्रिसमस की अन्य सजावट पहने इन अंतरिक्ष यात्रियों की तस्वीरें हाल ही में सामने आईं, जिसमें वे उत्सव के मूड में दिखाई दिए। हालांकि इससे आशंकाओं भरे सवाल भी उठे हैं। इससे पहले, आईएसएस पर मौजूद अंतरिक्षयात्रियों ने धन्यवाद दिवस (थैंक्सगिविंग) भी धूमधाम से मनाया था। अब वे वहीं क्रिसमस और नए साल का जश्न मना रहे हैं। सुनीता और बुच केवल आठ दिन की यात्रा के लिए गए थे, लेकिन तकनीकी और अन्य बाधाओं के कारण लगभग एक साल अंतरिक्ष में बिताने को मजबूर हैं। उनकी वापसी का कार्यक्रम अब 2025 के वसंत तक टाल दिया गया है।आईएसएस पर मौजूद सात अंतरिक्ष यात्री और कॉस्मोनॉट्स के लिए भेजे गए पैकेज में हैम, टर्की, सब्जियां, पाई और कुकीज जैसे स्वादिष्ट खाद्य पदार्थ शामिल थे।

चुलबुली डॉल्फिन करती है नशा, जीवों को करती है प्रताड़ित कर देती है हत्या

लंदन। पानी के ऊपर कलाबाजी करने वाली मछली डॉल्फिन को आपने भी देखा होगा। करीब 2 मीटर लंबी और 20 किलो वजनी इस मछली की रफ्तार इतनी तेज होती है कि पलक झपकते ही आंखों से ओझल हो जाती है, लेकिन आप जानते नहीं होंगे कि यह मछली नशा भी करती है। हां यह सच है। दरअसल, पानी के अंदर एक खास मछली होती है जिससे डॉल्फिन को नशे का डोज मिलता है। डॉल्फिन मछलियों को लेकर एक डॉक्यूमेंट्री में इस बात का खुलासा हुआ था। इस डॉक्यूमेंट्री में बताया गया था कि समुंद्र के अंदर डॉल्फिन, पफर फिश को धीरे से चबाती है। ऐसा करने से पफर फिश के अंदर मौजूद जहर का थोड़ा सा हिस्सा डॉल्फिन के मुंह में चला जाता है और वह नशे में धुत हो जाती है।

अमेरिका में अब दो ही लिंग होंगे, पुरुष और महिला, प्रवासियों पर भी मुसीबत

वाशिंगटन। अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने कार्यकाल के पहले दिन ही ट्रांसजेंडर को

रोकने का संकल्प लिया है। एक कार्यक्रम में ट्रंप ने कहा कि मैं बाल यौन शोषण को खत्म करने, ट्रांसजेंडरों को सेना से, हमारे प्राथमिक विद्यालयों, माध्यमिक विद्यालयों और उच्च विद्यालयों से बाहर निकालने के लिए आदेशों पर हस्ताक्षर करूंगा।ट्रंप ने महिलाओं के खेलों से पुरुषों को दूर रखने की बात भी की और कहा कि यह अमेरिकी सरकार की आधिकारिक नीति होगी कि केवल दो ही लिंग होंगे, पुरुष और महिला। ट्रांसजेंडर मुद्दों ने अमेरिकी राजनीति को हिलाकर रख दिया है। डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन-नियंत्रित राज्य चिकित्सा उपचार और सार्वजनिक या स्कूल पुस्तकालयों में इस विषय पर कौन सी पुस्तकों की अनुमति है जैसी नीति पर अलग-अलग दिशाओं में चले गए हैं। ट्रंप ने प्रवासियों के खिलाफ तत्काल कदम उठाने का वादा भी किया है। ड्रग कार्टेलों को विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित करने की कसम खाई और पनामा नहर पर अमेरिकी नियंत्रण बहाल करने की अपनी बात को दोहराया है। ट्रंप ने अपने शपथ ग्रहण समारोह का जिक्र करते हुए कहा कि 20 जनवरी को संयुक्त राज्य अमेरिका विफलता, अक्षमता, राष्ट्रीय पतन के चार लंबे, भयानक सालों का पन्ना हमेशा के लिए पलट देगा और हम शांति, समृद्धि और महानता के एक नए युग की शुरुआत करेंगे। इसके अलावा उन्होंने कहा कि मैं रुस-यूक्रेन युद्ध खत्म कर दूंगा। मैं मध्य पूर्व में अराजकता को रोक दूंगा और मैं वादा करता हूं कि मैं तीसरे विश्व युद्ध को भी रोकूंगा। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका का स्वर्ण युग हमारे सामने है।

ईरान सरकार का बदल रहा रुख, नए हिजाब कानून पर रोक, व्हाट्सएप व गूगल प्ले से पाबंदी हटाई

तेहरान, 25 दिसंबर (एजेंसियां)।

अपने सख्त इंटरनेट प्रतिबंधों के लिए मशहूर ईरान अब अपना रुख बदल रहा है। ताजा घटनाक्रम में ईरान ने मेटा के मैसेजिंग प्लेटफॉर्म व्हाट्सएप और गूगल प्ले पर से पाबंदी हटा ली है। नए सख्त हिजाब कानून से जुड़े विधेयक को रोके जाने के बाद यह ईरान की सरकार के बदलते तेवर की एक और कड़ी है। ईरान की न्यूज एजेंसी आईआरएनए ने मंगलवार को राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन की अध्यक्षता में हुई बैठक के हवाले से बताया है कि व्हाट्सएप और गूगल प्ले जैसे कुछ लोकप्रिय विदेशी प्लेटफॉर्म से प्रतिबंध हटाने पर सकारात्मक बहुमत के बाद यह फैसला लिया गया है। देश के सूचना और संचार प्रौद्योगिकी मंत्री सत्तार हाशमी ने इसे इंटरनेट से प्रतिबंध हटाने की दिशा में पहला कदम बताया है। ईरान में अब लोग मेटा मैसेजिंग प्लेफॉर्म व्हाट्सएप और गूगल प्ले का इस्तेमाल कर सकेंगे।

सरकार के खिलाफ मुहिम के दौरान लगी थी पाबंदी

ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शनों में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का व्यापक इस्तेमाल किया गया था, जिसके बाद सरकार ने इसपर सख्त प्रतिबंध लगा दिए थे। हालांकि सितंबर में अमेरिका ने बिग टेक कंपनियों से अपील की थी कि वे उन देशों में ऑनलाइन सेंसरशिप को खत्म करने में मदद करें, जहां इंटरनेट पर भारी प्रतिबंध लगाए हैं।

हिजाब को लेकर सख्त कानून लागू करने की प्रक्रिया रोकी

इससे पहले 18 दिसंबर को ईरान ने महिलाओं के हिजाब पर नए सख्त कानून को लागू किए जाने की प्रक्रिया रोक दी थी। यह कानून सितंबर 2022 में संसद द्वारा स्वीकृत हुआ था लेकिन इसे अब सरकार के पास नहीं भेजा जाएगा।इस कानून में हिजाब पहनने से इनकार करने वाली महिलाओं के लिए कठोर दंड का प्रावधान है। साथ ही उन व्यवसायों पर भी जुर्माना लगाया जाना था जो ऐसी महिलाओं को सेवाएं प्रदान करते हैं। संसदीय मामलों के प्रभारी उपाध्यक्ष शाहराम दबीरी के मुताबिक नए हिजाब कानून से जुड़े विधेयक को सरकार के पास नहीं भेजने का निर्णय लिया गया। अगर विधेयक सरकार के पास भेजा जाता तो राष्ट्रपति को इसे 5 दिनों के भीतर समर्थन देना पड़ता। लेकिन इस विधेयक को रोकने के लिए राष्ट्रपति पेजेशकियन ने अपील की।

आर्कटिक में बर्फ के पिघलने से समुद्र का स्तर बढ़ा, तटीय और द्वीप देशों के डूबने का खतरा

लंदन। बर्फ से ढका रहने वाला आर्कटिक अब इसका समुद्री बर्फ का 10-12 फीसदी हिस्सा पिघल रहा है, जो पिछले 1500 सालों में सबसे तेज़ दर है। यह पर्यावरणीय बदलाव न केवल आर्कटिक क्षेत्र तक सीमित है, बल्कि पूरे ग्रह पर इसका असर पड़ रहा है। धरती का तापमान बढ़ने के कारण आर्कटिक की बर्फ तेजी से पिघल रही है। ग्रीनहाउस गैसों का बढ़ता स्तर तापमान को और बढ़ा रहा है। ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण आर्कटिक क्षेत्र में तापमान वृद्धि की दर अन्य स्थानों से दोगुनी तेज़ है। तेल और गैस का दोहन, शिपिंग और आर्कटिक क्षेत्र में बढ़ती मानव गतिविधियां बर्फ के पिघलने में योगदान कर रही हैं। बर्फ के पिघलने से समुद्र का स्तर बढ़ रहा है, जिससे तटीय क्षेत्रों और द्वीप देशों को डूबने का खतरा है। बर्फ पिघलने से पृथ्वी की जलवायु प्रणाली पर असर पड़ रहा है। इसका परिणाम अनियमित मानसून, बाढ़, और सूखा जैसी प्राकृतिक आपदाएं हैं। आर्कटिक क्षेत्र में बर्फ पिघलने से ध्रुवीय भालू, सील, और अन्य आर्कटिक जीवों के आवास नष्ट हो रहे हैं। आर्कटिक की बर्फ सूरज की किरणों को वापस अंतरिक्ष में भेजने में मदद करती है। इसके पिघलने से ग्लोबल वॉर्मिंग और तेज़ हो रही है। बर्फ पिघलने से पूरी दुनिया के लिए खतरा बढ़ गया है। बर्फ पिघलने से नए समुद्री रास्ते बन रहे हैं, लेकिन इससे पर्यावरणीय जोखिम बढ़ रहा है। बर्फ पिघलने से तेल और गैस भंडार तक पहुंच आसान हो रही है, जिससे पारिस्थितिक तंत्र को खतरा है। आर्कटिक क्षेत्र में हो रहे बदलाव वैश्विक जलवायु संतुलन को प्रभावित कर रहे हैं। कार्बन फुटप्रिंट को कम करना और नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग बढ़ाना। पेरिस समझौते जैसे अंतरराष्ट्रीय प्रयासों को सख्ती से लागू करना होगा।

बाइडेन कैदियों को कर रहे माफ, ट्रंप ने कहा-लेकिन मैं नहीं छोडूंगा

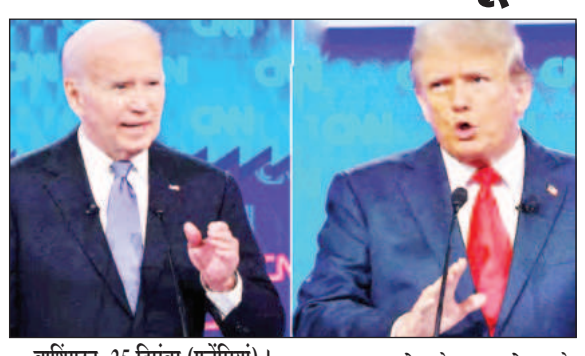

वाशिंगटन, 25 दिसंबर (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में अब कुछ ही दिन बचे हैं। लेकिन पद छोड़ने से पहले वह अब तक 37 कैदियों की मौत की सजा माफ कर चुके हैं। लेकिन बाइडेन का यह क्षमादान ट्रंप को रास नहीं आ रहा। ट्रंप का कहना है कि अमेरिकी लोगों के बेहतर जीवन और अपराध मुक्त माहौल के लिए डेथ पेनाल्टी जारी रखी जानी चाहिए। सजा माफ कर देने का कोई तुक नहीं है। किसी को बख्शा नहीं जाएगा।

बाइडेन की ओर से दी जा रही माफी का विरोध करते हुए ट्रंप ने कहा कि जैसे ही मैं शपथ लूंगा। मैं न्याय विभाग को निर्देश दूंगा कि रेपिस्ट, हत्यारों और हैवानों से अमेरिकी परिवारों की रक्षा के लिए डेथ पेनल्टी को देना जारी रखें। बता दें कि मृत्युदंड की सजा माफ करने के बाइडेन के फैसले को ट्रंप शपथ लेने के बाद नहीं बदल सकते। लेकिन ट्रंप का न्याय विभाग भविष्य में डेथ पेनाल्टी पर जोर देना जारी रखेगा।

दरअसल बाइडेन ने दो हफ्ते पहले 1500 कैदियों की सजा घटाने का ऐलान किया था। ये सभी कैदी कोरोना महामारी के दौरान जेल से रिहा किए गए थे और घर में नजरबंद थे। साथ ही उन्होंने ऐसे 39 अपराधियों की सजा माफ कर दी थी जो हिंसक अपराध में शामिल नहीं थे।मालूम हो कि अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन का कार्यकाल जनवरी में समाप्त हो रहा है। लेकिन वह कार्यकाल की समाप्ति से पहले कई बड़े फैसले लेने में जुटे हैं। बाइडेन का कहना है कि अमेरिका संभावना और दूसरा मौका देने के वादे की आधारशिला पर खड़ा है। राष्ट्रपति होने के नाते मेरे पास ऐसे लोगों को क्षमा करने का विशेषाधिकार है जिन्हें अपने किए पर पछतावा और दुख है और जो अमेरिकी समाज की मुख्यधारा में वापस लौटना चाहते हैं। इनमें विशेष रूप से ड्रग्स के मामलों में दोषी ठहराए गए लोग शामिल हैं।

भारी बारिश

इंडोनेशिया में भारी बारिश के कारण लोग रबड़ की नाव में एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते हुए।

रूस का मालवाहक जहाज उर्सा मेजर विस्फोट के बाद भूमध्य सागर में डूबा, स्पेन ने 14 क्रू मेंबर को बचाया, 2 लापता

मॉस्को, 25 दिसंबर (एजेंसियां)।

स्पेन और अल्जीरिया के बीच भूमध्य सागर में मंगलवार को एक रूसी मालवाहक जहाज उर्सा मेजर डूब गया। उसके चालक दल के दो सदस्य लापता हैं। स्पेन की समुद्री बचाव एजेंसी के मुताबिक उर्सा मेजर के चालक दल के 14 सदस्यों को सुरक्षित बचा कर स्पेन भेजा गया है। यह जहाज इंजन रूम में विस्फोट के बाद डूबने लगा।

स्पेन मैरीटाइम रेस्क्यू सर्विस ने दो जहाज और एक हेलीकॉप्टर घटनास्थल पर भेजकर उर्सा मेजर के 14 क्रू मेंबर्स को सुरक्षित बचाकर उन्हें उन्हें कार्टाजेना पोर्ट पर पहुंचाया। रूसी विदेश मंत्रालय के अनुसार जहाज के 16 चालक दल के सदस्यों में से 14 को रेस्क्यू करके स्पेन लाया गया लेकिन दो सदस्य अभी भी लापता हैं। जहाज के इंजन रूम में विस्फोट का कारण क्या था, इसके बारे में अभी पता नहीं चला है।

यह मालवाहक जहाज रूस के पूर्वी बंदरगाह व्लादिवोस्तोक जा रही थी और जहाज पर दो विशाल पोर्ट क्रेन लदे थे। इस जहाज को 2009 में समुद्र में उतारा गया था, जिसके ऑपरेशन की जिम्मेदारी रूसी रक्षा मंत्रालय के सैन्य निर्माण कार्यों की देखरेख करने वाली कंपनी ओबोरोनलॉजिस्टिका के पास थी। ओबोरोनलॉजिस्टिका द्वारा संचालित यह सबसे बड़ा मालवाहक जहाज था, जो सैन्य व नागरिक सामान का परिवहन करता है।

पाकिस्तान के हवाई हमले में 15 लोगों की मौत से भड़के अफगानिस्तान ने कहा- जवाब देंगे

काबुल, 25 दिसंबर (एजेंसियां)।

अफगानिस्तान के पक्तिका प्रांत के बरमल जिले में पाकिस्तान के हवाई हमले में महिलाओं और बच्चों सहित कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई है। मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका है। इस हमले से बौखलाए अफगानिस्तान ने पाकिस्तान को जवाब देने की धमकी दी है।

सुरक्षा अधिकारियों के हवाले से बताया है कि पाकिस्तानी फाइटर जेट्स ने मंगलवार रात अफगानिस्तान के पूर्वी इलाके के पक्तिका इलाके के तहरीक-ए-तालिबान के चार स्थानों पर बमबारी की। जिसमें कई लोग मारे गए हैं और कई घायल हुए हैं। हालांकि पाकिस्तान

की तरफ से आधिकारिक तौर पर अफगानिस्तान में एयर स्ट्राइक की पुष्टि नहीं की गई है।

पाकिस्तान फाइटर जेट्स ने 24 दिसंबर की रात को अफगानिस्तान के जिन इलाकों को निशाना बनाया, उनमें पक्तिका प्रांत के बरमल जिले में महिलाओं और बच्चों समेत कम से कम 15 लोग मारे गए हैं। हमले का निशाना बने गावों में लामन भी शामिल है जहां एक ही परिवार के पांच सदस्य मारे गए। बरमल का मुर्ग बाज़ार गांव पूरी तरह से नष्ट हो गया है और कई लोग हमले में घायल भी हैं। तालिबान के रक्षा मंत्रालय ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि पाकिस्तान के बर्बर हवाई हमलों का जवाब दिया जाएगा। मंत्रालय की तरफ से कहा गया है कि तमाम अंतरराष्ट्रीय कानूनों को दरकिनार कर यह हमला किया गया है। जबकि पाकिस्तान को यह सोचना चाहिए कि इन हमलों से समस्याओं का समाधान नहीं निकलने वाला है।

हाल के महीनों में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनावपूर्ण संबंधों के बीच पाकिस्तान का ताजा हमला, दोनों देशों के बीच चल रहे टकराव को बढ़ा सकता है। पाकिस्तान आरोप लगाता है कि अफगानिस्तान में तालिबान इन आतंकवादियों को पनाह दे रहा है जबकि अफगान तालिबान इस आरोप से इनकार करता है।

ऑस्ट्रेलिया पहले खो-खो विश्व कप के लिए तैयार पुरुष और महिला दोनों श्रेणियों में लेगा हिस्सा

नई दिल्ली, 25 दिसंबर (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलिया 13-19 जनवरी, 2025 के बीच दिल्ली में होने वाले पहले विश्व कप का हिस्सा बनने के लिए तैयार है।

ऑस्ट्रेलिया की ताकतवर टीम हमेशा से ही अपनी समृद्ध खेल संस्कृति के लिए जानी जाती है।

क्रिकेट से लेकर रग्बी तक, वे हमेशा से ही अपनी ताकत का लोहा मनवाते आए हैं और खो-खो में भी वे अपना जलवा दिखाने के लिए तैयार हैं, जहां वे पुरुष और महिला दोनों श्रेणियों में भाग लेंगे।

15 खिलाड़ियों वाली प्रत्येक टीम में, कुछ भारतीयों के अलावा, ऑस्ट्रेलियाई मूल के 6 पुरुष और 8 महिला खिलाड़ी भी हैं। टीम के एक सदस्य गस डॉडल ने भारत आने और इतिहास का हिस्सा बनने पर खुशी और उत्साह व्यक्त किया। खो को फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से जारी एक बयान में उन्होंने कहा, एक महान खेल राष्ट्र के रूप में ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व करना सम्मान की बात है, हम हमेशा ऐसे खेलों को आजमाने के लिए तैयार रहते हैं जिन्हें हमने पहले नहीं खेला है और मेरे लिए यह एक अद्भुत अवसर है कि मैं ऑस्ट्रेलिया के खेल मूल्यों जैसे निष्पक्ष खेल, प्रतिस्पर्धा और दृढ़ता को विश्व कप में ला पाऊं।

मैंने पाया है कि यह बहुत तेज़ और कठिन खेल है। साथ ही, यह बहुत म ेादार है और मैं वैश्विक आयोजन में खेलने के लिए बहुत उत्साहित हूं। इस खेल को देश के प्रशंसकों से बहुत समर्थन मिल रहा है और वे बहुत उत्साहित हैं कि एक ऑस्ट्रेलियाई टीम बहु-राष्ट्र टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा करेगी। उन्होंने कहा, हमें प्रशंसकों से बहुत समर्थन मिल रहा है, वे सभी यह जानकर बहुत उत्साहित हैं कि ऑस्ट्रेलिया की टीम विश्व कप में है।

न्यूज ब्रीफ

नेशनल साफ्ट टेनिस के लिए चंडीगढ़ रवाना हुई उत्तर प्रदेश की टीम

लखनऊ। 19वीं जूनियर नेशनल सॉफ्ट टेनिस चैम्पियनशिप 27 दिसम्बर से चंडीगढ़ में शुरू हो रही है। इस चैम्पियनशिप में हिस्सा लेने के लिए उप्र की टीम का चयन हो गया है। इन खिखाड़ियों को बुधवार को किट वितरित किया गया। इसके साथ ही टीम चंडीगढ़ के लिए रवाना हो गयी। चैम्पियनशिप में हिस्सा लेने वाली टीम में बालक वर्ग में यश पटेल, अनुज पांडे, राज पांडे, साहिल सिंह, विवेक, ओमकार जोशी, आराध्य चौहान एवं प्रशांत वर्मा शामिल हैं। वहीं बालिका वर्ग में अनुष्का, खुशी, नव्या, सोनाली, ज़मजम, संस्कृति, रिषिभा एवं स्वास्तिका शामिल हैं। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सॉफ्ट टेनिस एसोसिएशन के उपाध्यक्ष मृत्युंजय साहनी, कोषाध्यक्ष राजेश मिश्रा, एवं महासचिव प्रशांत शर्मा उपस्थित रहे। इन्होंने खिलाड़ियों को नेशनल सॉफ्ट टेनिस चैंपियनशिप में बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। मृत्युंजय साहनी ने उम्मीद जतायी कि चंडीगढ़ में खिलाड़ी अब तक का सबसे बेहतर प्रदर्शन करेंगे और मेडल अपने नाम कर प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

ब्राजील के पूर्व डिफेंडर राफिन्हा अपने मूल क्लब कोरीतिबा में लौटे

रियो डी जेनेरियो। ब्राजील के पूर्व अंतरराष्ट्रीय डिफेंडर राफिन्हा ने अपने मूल क्लब कोरीतिबा में मुफ्त ट्रांसफर पर फिर से शामिल होने पर सहमति व्यक्त की है। ब्राजील के सेरी बी क्लब ने मंगलवार को यह जानकारी दी। 39 वर्षीय खिलाड़ी ने इस महीने की शुरूआत में साओ पाउलो से अलग होने के बाद इस क्लब के साथ एक साल का अनुबंध किया है, जिससे उनके पेशेवर करियर की शुरुआत हुई थी। राफिन्हा ने सोशल मीडिया पर प्रकाशित एक वीडियो में कहा, मैं आपको यह बताने के लिए यहां हूं कि मैं लगभग 20 साल पहले जब मैं यहां से गया था, तो मैंने जो वादा किया था, उसे पूरा करने में मैं कभी असफल नहीं हो सकता। मैं एक बच्चे के रूप में यहां से चला गया था और आज मैं कोरीतिबा को उसके मूल स्थान पर वापस लाने में मदद करने के लिए वापस आया हूं। 2005 में राफिन्हा कोरीतिबा छोड़कर जर्मनी के शाल्के में शामिल हो गए और उसके बाद से राइट-बैक ने जेनोआ, बायर्न म्यूनिख और फ्लेमेंगो सहित अन्य क्लबों में खेला है। वह ब्राजील की राष्ट्रीय टीम के लिए चार बार खेल चुके हैं।

जिम्बाब्वे के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट से बाहर हुए राशिद खान

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के स्टार खिलाड़ी राशिद खान निजी कारणों से जिम्बाब्वे के खिलाफ दो मैचों की सीरीज के शुरुआती टेस्ट से बाहर हो गए हैं। 26 वर्षीय राशिद अपनी पीठ की चोट के बाद अपने चिकित्सक की सलाह के अनुसार लाल गेंद वाले क्रिकेट से दूर थे और इसके बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से चूक गए। बाद में, अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने घोषणा की कि वह नवंबर तक टेस्ट क्रिकेट से दूर रहेंगे और इस बात पर संदेह था कि वह जिम्बाब्वे दौरे के लिए टेस्ट टीम में जगह बना पाएंगे या नहीं। हालांकि, राशिद को अंततः बुलावायो के क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में 26 दिसंबर से शुरू होने वाली श्रृंखला के लिए 18 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। मंगलवार को दिग्गज लेग स्पिनर ने अपने आधिकारिक फेसबुक पेज पर अपनी एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह नीदरलैंड में पोज देते हुए दिखाई दे रहे हैं। उसी दिन अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बुलावायो में अपनी टीम की पहले टेस्ट के लिए तैयारियों की तस्वीरें पोस्ट की थीं। एसीबी द्वारा शेयर की गई उन तस्वीरों में राशिद का कोई निशान नहीं था।

भारतीय हॉकी को शीर्ष पर ले जाएगा एचआईएल : ललित कुमार उपाध्याय

राउरकेला, 25 दिसंबर (एजेंसियां)।

हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) टीम यूपी रुद्रास के फॉरवर्ड ललित कुमार उपाध्याय राउरकेला में वेदांत कलिंगा लांसर्स का सामना करने के लिए एक सप्ताह से प्रशिक्षण ले रहे हैं। दो बार के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता, ललित अपने शुरुआती करियर को आकार देने और राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह के लिए लड़ने का अवसर प्रदान करने का श्रेय एचआईएल को देते हैं।

हॉकी इंडिया की ओर से जारी एक बयान में ललित ने कहा, जब लीग की शुरुआत हुई, तो यह भारतीय खिलाड़ियों के लिए एक बड़ा मंच था। इससे हमें अपनी प्रतिभा दिखाने और सीधे टीम में जगह बनाने का मौका मिला।

उन्होंने लीग द्वारा प्रदान की गई वित्तीय और पेशेवर सहायता पर प्रकाश डाला, और खेल की प्रोफ़ाइल को ऊपर उठाने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा, इससे हमें उन दिग्गजों के साथ खेलने का अनुभव मिला जिन्हें हमने केवल टीवी पर देखा था। ऐसे आइकनों के साथ मैदान साझा करने से हमारा आत्मविश्वास बढ़ा और प्रतिस्पर्धी परिदृश्यों में हम और अधिक सहज हो गए। पहली एचआईएल के बाद भारत का प्रदर्शन ग्राफ ऊपर गया, और अब लीग की वापसी के साथ, मुझे यकीन है कि यह हमें शीर्ष पर ले जाएगा और हमें वहां बने रहने में मदद करेगा।

कलिंगा लांसर्स के साथ ललित की यात्रा 2013 में एचआईएल के पिछले संस्करण के दौरान शुरू हुई थी। इस मंच ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने कौशल का प्रदर्शन करने और भारतीय पुरुष हॉकी टीम के लिए रास्ता बनाने की अनुमति दी। लीग में अपने समय को दर्शाते हुए, ललित ने अपने तीन सबसे पसंदीदा एचआईएल क्षण साझा किए।

उन्होंने कहा, मैं 2013 में जूनियर विश्व कप के लिए भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम से बाहर था, लेकिन एक कलिंगा लांसर

के रूप में, मैंने यूपी टीम के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ गोल किया। यह सीज़न के सर्वश्रेष्ठ गोलों में से एक था और हॉकी विश्व कप 2014 में भारतीय टीम के लिए चुने जाने का मुख्य कारण था।

उन्होंने आगे कहा, मेरी दूसरी सबसे अच्छी याद 2017 सीज़न की है। फिर, कलिंगा लांसर्स के हिस्से के रूप में, मैंने उल्लेखनीय गोल किए और टीम को खिताब जीतने में मदद की। हमारे बीच कई करीबी मुकाबले हुए, जिनमें से कई पेनल्टी शूटआउट तक चले। यूपी विजार्ड्स के खिलाफ सेमीफाइनल मैच में, मैंने भारतीय हॉकी की महान दीवार, पीआर श्रीजेश को पीछे छोड़ते हुए एक महत्वपूर्ण गोल किया। लेकिन मेरा सबसे अच्छा पल वह था जब कलिंगा लांसर्स ने मुझे बनाए रखने का फैसला किया और एक युवा फॉरवर्ड के रूप में लाइन का नेतृत्व करने के लिए मुझ पर विश्वास दिखाया। वह भरोसा आश्वस्त करने वाला था और मुझमें आज भी वह आत्मविश्वास बना हुआ है।

हीरो एचआईएल की वापसी के साथ, ललित के साथ ओलंपिक कांस्य पदक विजेता हार्दिक सिंह और सिमरनजीत सिंह के साथ-साथ यूपी रुद्रास में लार्स बाल्क, फ्लोरिस वोर्टेलबॉयर और सैम वार्ड जैसे अंतरराष्ट्रीय सितारे भी शामिल हो गए हैं। साथ में, उनका लक्ष्य ओडिशा के राउरकेला में दर्शकों के लिए शानदार प्रदर्शन करते हुए भारतीय हॉकी खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी का मार्गदर्शन करना है।

सीज़न को देखते हुए, ललित ने टीम की गतिशीलता और फ्रेंचाइजी समर्थन की भूमिका को लेकर कहा, एक नई टीम के साथ, तालमेल बिठाने में समय लगता है, लेकिन जैसे-जैसे टूर्नामेंट आगे बढ़ते हैं, रिश्ते में स्वाभाविक रूप से सुधार होता है। फ्रैंचाइज़ी अविश्वसनीय रूप से सहायक रही है, और कोचिंग स्टाफ की विशेषज्ञता हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए मार्गदर्शन करने में अमूल्य है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एमसीजी में जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

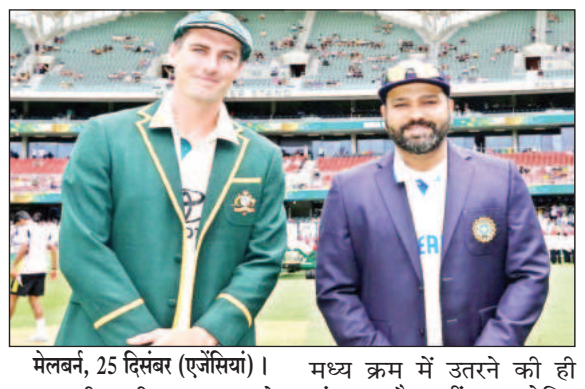

मेलबर्न, 25 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारतीय टीम गुरुवार से यहां होने वाले चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। एमएसजी मैदान पर भारतीय टीम का रिकार्ड अच्छा रहा है। उससे भी टीम प्रेरित होगी। अभी तक ये सीरीज 1-1 से बराबरी पर है। आगामी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) फाइनल के लिए अपनी दावेदारी बनाये रखने भारतीय टीम को हर हाल में इस मैच में जीत चाहिये होगी। ब्रिस्बेन टेस्ट में भारतीय टीम के निचले क्रम के बल्लेबाजों आकाशदीप सिंह और जसप्रीत बुमराह ने जबरदस्त बल्लेबाजी कर मैच ड्रा करा दिया था पर शीर्ष क्रम के केएल राहुल को छोड़कर अन्य सभी बल्लेबाज विफल रहे थे। ऐसे में अब इस मैच में जीत के लिए भारतीय टीम के शीर्ष क्रम को भी रन बनाने होंगे। अब तक इस सीरीज में भारतीय बल्लेबाज रन नहीं बना पाये हैं जिससे गेंदबाजों पर अतिरिक्त दबाव आया है। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा के खराब फॉर्म को देखते हुए बल्लेबाजी क्रम में उनके मध्य क्रम में उतरने की ही संभावना है। वहीं अगर रोहित पारी की शुरुआत करते हैं तो राहुल को फिर तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरना पड़ेगा। इस तरह की स्थिति में शुभमन गिल को मध्य क्रम में उतरना होगा। रोहित को 2019 में सलामी बल्लेबाज के रूप में उतारा गया था और तब से उन्होंने मध्यक्रम में खेलना बंद कर दिया था लेकिन अच्छी फॉर्म में चल रहे राहुल और पहले टेस्ट में शतक बनाने वाले यशस्वी जायसवाल से पारी की शुरुआत के कारण वह दूसरे और तीसरे मैच में छठे नंबर पर उतरे। रोहित मध्यक्रम में असफल रहे हैं। अब अगर उन्हें सलामी बल्लेबाज के रूप में उतारा जाता है तो यह देखना होगा कि भारतीय टीम का बल्लेबाजी क्रम किस प्रकार का होगा।

वहीं रोहित से जब उनके बल्लेबाजी क्रम को लेकर पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'कौन कहां बल्लेबाजी करेगा इसको लेकर चिंता ना करें। हमें इस पर विचार करने की जरूरत है और यह ऐसी चीज नहीं है जिस पर मैं यहां चर्चा करूं। हम वही करेंगे जो टीम के लिए सर्वश्रेष्ठ होगा।

अभ्यास के दौरान दौड़ते हुए ट्रेविस हेड

मेलबर्न के एमएसजी मैदान पर अभ्यास के दौरान दौड़ते हुए ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड।

मोहम्मद रिजवान, पीसीबी प्रमुख ने चैंपियंस ट्रॉफी कार्यक्रम की सराहना की, जय शाह उत्साहित

नई दिल्ली, 25 दिसंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान की सीमित ओवरों की टीम के कप्तान मोहम्मद रिजवान और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने मंगलवार को चैंपियंस ट्रॉफी को हाइब्रिड मॉडल में आयोजित करने के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के फैसले को देश के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर करार दिया। पाकिस्तान 28 साल बाद किसी आईसीसी इवेंट की मेज़बानी करेगा, क्योंकि यहां आखिरी वैश्विक टूर्नामेंट 1996 विश्व कप था, जिसका संयुक्त मेजबान भारत भी था1 पीसीबी मीडिया विज्ञप्ति में रिजवान ने कहा, एक क्रिकेट प्रेमी देश के रूप में, हम सभी आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की मेज़बानी करने के लिए बहुत उत्साहित हैं। यह

एक शानदार अवसर है क्योंकि पाकिस्तान 28 वर्षों में अपने तटों पर पहली बार आईसीसी इवेंट का स्वागत कर रहा है और खासकर इसलिए क्योंकि हम गत विजेता हैं। हम अपने घरेलू दर्शकों के सामने खेलने के लिए उत्सुक हैं।

हाइब्रिड मॉडल का मतलब है कि भारत अपने सभी मैच दुबई में खेलेगा और 23 फरवरी को पाकिस्तान के खिलाफ़ मुकाबला होगा। नकवी हाइब्रिड सिस्टम के तहत शोपीस के एक हिस्से की मेजबानी पाकिस्तान द्वारा किए जाने से बहुत खुश हैं।नकवी ने विज्ञप्ति में कहा, हमें खुशी है कि समानता और सम्मान के सिद्धांतों के आधार पर एक समझौता हुआ है, जो सहयोग और सहभागिता की भावना को दर्शाता है जो हमारे खेल को परिभाषित करता है। टूर्नामेंट का पहला मैच 19 फरवरी को कराची में खेला जाएगा, जिसमें पाकिस्तान का सामना न्यूजीलैंड से होगा और फाइनल 9 मार्च को होगा। 50 ओवरों का यह टूर्नामेंट, जो पिछली बार 2017 में खेला गया था, में 15 मैच होंगे, जिनमें से कम से कम 10 मैच पाकिस्तान में खेले जाएंगे। पाकिस्तान में तीन मेज़बान स्थल रावलपिंडी, लाहौर और कराची होंगे।

वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे वनडे में मिली जीत के बाद भारतीय कप्तान हरमनप्रीत ने की बल्लेबाजों की तारीफ

वडोदरा, 24 दिसंबर (एजेंसियां)।

वेस्टइंडीज खिलाफ तीन मैचों की एकदिनी सीरीज के दूसरे वनडे में 115 रन की जीत के बाद, भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अपने बल्लेबाजों की जमकर तारीफ की।

दाएं हाथ की बल्लेबाज हरलीन देओल की दमदार पारी और गेंदबाजों के सामूहिक प्रयास से भारतीय महिला टीम ने मंगलवार को कोटांबी स्टेडियम में तीन मैचों की सीरीज के दूसरे वनडे में कैरेबियाई टीम पर 115 रनों से जीत दर्ज की।

कौर ने मैच के बाद प्रेजेंटेशन में कहा, हमने वही किया जिसकी हमें उम्मीद थी। जिस तरह से हमारे सलामी बल्लेबाजों ने हमें शुरुआत दी, उसके बाद हरलीन की बल्लेबाजी और जेमी ने भी टीम का साथ दिया। जिस तरह से हमने बल्लेबाजी की, उससे निश्चित रूप से वाकई बहुत खुश हूं। दूसरी पारी में भी, जिस तरह से मैथ्यूज बल्लेबाजी कर रही थी, उससे यह संकेत मिल रहा था कि यह पिच बल्लेबाजों के लिए बेहतर थी। हमने बोर्ड पर अच्छा स्कोर बनाया था और जिस तरह से हमारे गेंदबाज गेंदबाजी कर रहे

थे, हमें उन पर भरोसा था कि वे किसी भी समय विकेट लेकर मैच का रुख बदल सकते हैं। हमारे गेंदबाज अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। बीच में, हमने कुछ रन गंवाए लेकिन फिर दीप्ति ने वापसी की, रन कम बनाए रखे और फिर तीतास ने वापसी की और दूसरे छोर से विकेट लिया। 359 रनों का पीछा करते हुए, वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज ने मेहमान टीम के लिए आगे बढ़कर नेतृत्व किया, उन्होंने 109 गेंदों पर 106 रनों की शानदार पारी खेलकर एक छोर संभाले रखा, लेकिन प्रिया मिश्रा की अगुआई में भारतीय गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन कर भारत को जीत दिलाई। इससे पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम के लिए शीर्ष क्रम ने शानदार प्रदर्शन किया, स्मृति मंधाना और प्रतीका रावल ने भारत को शानदार शुरुआत दिलाई, उन्होंने पहले विकेट के लिए 110 रनों की साझेदारी की, लेकिन मंधाना 53 रन बनाकर आउट हो गईं। अपना दूसरा वनडे खेल रही रावल ने 86 गेंदों पर 76 रनों की पारी खेली, जिससे भारत मजबूत स्कोर की ओर बढ़ गया। इसके बाद हरलीन देओल ने 103 गेंदों पर 115 रन बनाए और इस दौरान 16 चौके लगाए। 26 वर्षीय देओल ने जेमिमा रोड्रिग्स के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 70 गेंदों पर 116 रनों की आक्रामक साझेदारी की। रोड्रिग्स ने 36 गेंदों पर 52 रनों की तूफानी पारी खेली, जिससे भारत ने 50 ओवर में 5 विकेट पर 358 रन बनाए, जो महिला वनडे में भारत का संयुक्त सर्वोच्च स्कोर है। जवाब में, वेस्टइंडीज ने शुरुआत में चार विकेट जल्दी खो दिए, लेकिन इसके बादल कप्तान मैथ्यूज (106), शेमाइन कैम्पबेल (38), जैदा जेम्स (25) और एफी फ्लेचर (22) ने संघर्ष किया, लेकिन प्रिया मिश्रा के तीन विकेट की बदौलत भारत ने मेहमान टीम को 46.2 ओवर में 243 रनों पर समेट दिया और 115 रनों से जीत दर्ज की।

स्टॉक मार्केट में क्रिसमस की छुट्टी, इस साल शेयर बाजार में कुल 16 दिन रहा अवकाश

नई दिल्ली,25 दिसंबर (एजेंसियां)।

क्रिसमस के मौके पर घरेलू शेयर बाजार में छुट्टी है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में कोई कारोबार नहीं होगा। इसके साथ ही करेंसी डेरिवेटिव्स, कमोडिटी डेरिवेटिव्स और इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसिप्ट्स (ईजीआर) में भी ट्रेडिंग नहीं होगी। इस साल शेयर बाजार में रविवार और शनिवार को छोड़कर कुल 16 दिन छुट्टी रही है। साल 2024 में स्टॉक मार्केट में पहली छुट्टी 26 जनवरी को थी, जबकि क्रिसमस के दिन आखिरी छुट्टी है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के हॉली-डे कैलेंडर के मुताबिक अगले साल 2025 में स्टॉक मार्केट में कुल 14 दिनों का अवकाश रहेगा। 2025 में पहली छुट्टी 26र जनवरी की जगह महाशिवरात्रि के मौके पर 26 फरवरी को होगी। आमतौर पर स्टॉक मार्केट में पहली छुट्टी गणतंत्र दिवस यानी 26 जनवरी को होती है, लेकिन 2025 में गणतंत्र दिवस रविवार को है। उस दिन स्टॉक मार्केट में साप्ताहिक अवकाश होता है। यही वजह है कि स्टॉक मार्केट में अगले साल की पहली छुट्टी 26 फरवरी को होगी। हालांकि 2025 का आखिरी अवकाश 25 दिसंबर को क्रिसमस के मौके पर ही होगा। 2025 में दिवाली के मौके पर होने वाले मुहूर्त ट्रेडिंग का आयोजन मंगलवार 21 अक्टूबर को होगा। हालांकि बीएसई के कैलेंडर में मुहूर्त ट्रेडिंग के समय की जानकारी अभी नहीं दी गई है। इसकी जानकारी दिवाली के एक-दो दिन पहले बीएसई और एनएसई द्वारा दी जाएगी। जहां तक दिसंबर के शेष बचे दिनों की बात है तो इस सप्ताह क्रिसमस की छुट्टी के कारण कुल 4 दिन ही कारोबार होगा, जबकि अगले सप्ताह 30 और 31 दिसंबर को भी स्टॉक मार्केट में खरीद बिक्री होती रहेगी।

न्यूज ब्रीफ

31 दिसंबर को खुलेगा इंडो फार्म इक्विपमेंट का आईपीओ, 14,835 का करना होगा निवेश

मुंबई। इंडो फार्म इक्विपमेंट लिमिटेड का इनिशियल पब्लिक ऑफर (आईपीओ) 31 दिसंबर को खलेगा। निवेशक इसके लिए 2 जनवरी तक बिडिंग (बोली) लगा सकते हैं। 7 जनवरी को कंपनी के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर लिस्ट होंगे। क्रिसमस के चलते शेयर बाजार बंद है। इस आईपीओ के जरिए कंपनी टोटल 260.15 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। इसके लिए कंपनी 184.90 करोड़ रुपए के 86,00,000 फ्रेश शेयर इश्यू कर रही है। वहीं, इंडो फार्म इक्विपमेंट के मौजूदा निवेशक 75.25 करोड़ रुपए के 35,00,000 शेयर बेच रहे हैं। इंडो फार्म इक्विपमेंट लिमिटेड ने आईपीओ का प्राइस बैंड 204-215 रुपए तय किया है। रिटेल निवेशक मिनिमम एक लॉट यानी 69 शेयर्स के लिए बिडिंग कर सकते हैं। यदि आईपीओ के अपर प्राइज बैंड 215 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय किया जाता है तो इसके लिए 14,835 इन्वेस्ट करने होंगे। वहीं, मैक्सिमम 13 लॉट यानी 897 शेयर्स के लिए रिटेल निवेशक अप्लाय कर सकते हैं। इसके लिए निवेशकों को अपर प्राइज बैंड के हिसाब से 1,92,855 इन्वेस्ट करने होंगे।

कम खर्च पर एयर प्यूरीफायर्स फार होम क्रय करने का है अच्छा अवसर

मुंबई। ग्राहक के पास कम खर्च पर एयर प्यूरीफायर्स फार होम अमेजन डील्स की मदद से खरीदने का अच्छा अवसर हैं। इनमें से कुछ प्यूरीफायर ऐसे हैं जो रियल टाइम कलर इंडिकेशन को दिखाते हैं और फिल्टर को चेंज करने का मैसेज भी आपको इनमें दिखने लगता है अगर वह खराब हो जाता है या फिर इसमें कोई कमी होती है। इस पर 7 साल की वारंटी तो मिल ही रही है इसके साथ यह एक ऐसा प्यूरीफायर है जिसमें आपको सबसे लंबा और ज्यादा दिनों तक चलने वाला फिल्टर मिलता है। यह स्पेशल टू हेपा फिल्टर वाला एयर प्यूरीफायर है जिसमें 99.99 प्रतिशत वायरस और छोटे-छोटे पॉल्यूटेंट आसानी से कैद कर लिए जाते हैं। यह एक ऐसी कंपनी का एयर प्यूरीफायर है जिसके बारे में आपको ज्यादा बताने की जरूरत नहीं पड़ेगी क्योंकि डेसन एयर प्यूरीफायर न केवल अपने नाम के लिए जाना जाता है बल्कि इससे साफ होकर निकलने वाली हवा अन्य प्यूरीफायर के मुकाबले ज्यादा साफ मानी जाती है। रिमोट कंट्रोल की मदद से आप इस एयर प्यूरीफायर को आराम से ऑपरेट कर सकते हैं। ब्रैंड की ओर से इस पर 2 साल की वारंटी भी दी जा रही है। 3 इन1 फिल्टर से लैस यह एयर प्यूरीफायर घर और ऑफिस दोनों के लिए बेस्ट बताया गया है।

सिनेमाघरों में बिकने वाले पॉपकॉर्न पर पांच फीसदी ही लगेगा जीएसटी

नई दिल्ली। सिनेमा घरों में खुले रूप से बिकने वाले पॉपकॉर्न पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दर पांच फीसदी ही लागू होगा, जैसा कि रेस्टोरेंट सेवाओं पर लागू होता है। अगर पॉपकॉर्न को फिल्म टिकट के साथ बेचा जाता है, तो इसे एक समग्र आपूर्ति के रूप में माना जाएगा। चूंकि, इस मामले में मुख्य आपूर्ति टिकट है, इसलिए उसकी लागू दर के अनुसार कर लगाया जाएगा। इस बारे में जीएसटी परिषद की 55वीं बैठक में स्पष्टीकरण दिया गया था। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को दी जानकारी में कहा कि नमक और मसालों वाले पॉपकॉर्न पर लागू वर्गीकरण और जीएसटी दर को स्पष्ट करने के लिए उत्तर प्रदेश से अनुरोध मिला था। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जैसलमेर में जीएसटी परिषद की 55वीं बैठक के बाद मीडिया को बताया था कि परिषद ने पॉपकॉर्न पर कर के संबंध में स्पष्टीकरण जारी करने पर सहमति जताई है। पॉपकॉर्न पर जीएसटी की दर में कोई वृद्धि और बदलाव नहीं किया गया है। उल्लेखनीय है कि जीएसटी के तहत नमक और मसालों वाले पॉपकॉर्न को नमकीन के रूप में वर्गीकृत किया जाता है, जिसको खुले में बेचने पर 5 फीसदी का कर लगता है। पहले से पैक और लेबल के साथ ईट स्नैक्स पर 12 फीसदी जीएसटी और कुछ वस्तुओं को छोड़कर सभी चीनी कन्फेक्शनरी पर जीएसटी 18 फीसदी लगता है। इसलिए कारमेलाइज चीनी वाले पॉपकॉर्न पर 18 फीसदी की दर से जीएसटी लगाया जाएगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

लॉटरी माफिया ...

वह फ्यूचर गेमिंग और उसके मालिक लॉटरी माफिया सैंटियागो मार्टिन के ठिकानों पर मारे गए छापे में जब्त इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज़ और कंप्यूटरों में दर्ज सूचनाएं (डाटा) न ले। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद ईडी फ्यूचर गेमिंग, उसके मालिक सैंटियागो मार्टिन, उसके परिजन और कर्मचारियों से इकट्ठा किए गए फोन-लैपटॉप समेत बाकी डिजिटल डिवाइस से सबूत नहीं जुटा पाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने यह नायाब आदेश फ्यूचर गेमिंग की तरफ से दाखिल एक याचिका पर दिया है। यह आदेश जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस पंकज मित्तल की बेंच ने दिया। ईडी ने नवंबर, 2024 में ही सैंटियागो मार्टिन के ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस छापेमारी में ईडी को 12 करोड़ से अधिक कैश मिला था। ईडी ने इस दौरान मार्टिन, उसकी कम्पनी के कर्मचारियों, परिजनों समेत बाकी लोगों से बड़ी संख्या में इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस इकट्ठा किए थे। इसमें 17 मोबाइल फोन थे और बाकी कई लैपटॉप थे। ईडी ने इस दौरान कई हार्ड डिस्क, पेन ड्राइव और ईमेल का डाटा भी लिया था। इन्हीं डिवाइस से ईडी डाटा लेकर करके फ्यूचर गेमिंग के खिलाफ सबूत इकट्ठा करती। लेकिन, सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद न वह इन डिवाइस का डाटा एक्सेस कर पाएंगे और न ही उसको अपने पास कॉपी कर पाएंगे।ईडी ने सैंटियागो मार्टिन पर यह छापेमारी मेघालय पुलिस द्वारा दर्ज एक मामले के बाद की थी। मेघालय में दर्ज इस मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि फ्यूचर गेमिंग ने राज्य में अवैध तरीके से लॉटरी का धंधा कब्जा लिया। ईडी ने 6 राज्यों में यह छापेमारी की थी। ईडी के कुछ अधिकारियों ने बताया कि इससे उनकी जांच पर थोड़ा बहुत फर्क जरूर पड़ेगा लेकिन उनके पास और भी कई सबूत हैं। गौरतलब है कि ईडी फ्यूचर गेमिंग समेत बाक़ी मामलों में भी लैपटॉप और फोन आदि जब्त करती आई है। इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस की जांच पर सुप्रीम कोर्ट में पहले ही 3 याचिकाएं पड़ी हुई हैं। सुप्रीम कोर्ट में सैंटियागो मार्टिन वाली याचिका को इन्हीं याचिकाओं के साथ सम्मिलित करने का आदेश दिया गया है। सैंटियागो मार्टिन और बाकी लोगों के खिलाफ इस मामले में जारी किए गए समन पर भी रोक लगाई गई है। इससे पहले भी सैंटियागो मार्टिन के खिलाफ जांच हो चुकी है। सैंटियागो मार्टिन की फ्यूचर गेमिंग का नाम मार्च, 2024 में चर्चा में आया था।दरअसल, मार्च में चुनाव आयोग ने उन कंपनियों के नामों का ऐलान किया था, जिन्होंने राजनीतिक दलों को चंदा देने के लिए चुनावी बॉन्ड खरीदा था। इनमें सबसे अधिक बॉन्ड फ्यूचर गेमिंग और होटल सर्विसेज कम्पनी ने खरीदा था। इसका मालिक सैंटियागो मार्टिन है। इस कम्पनी ने 12 अप्रैल 2019 से 24 जनवरी 2024 के बीच 1,368 करोड़ का राजनीतिक चंदा दिया था। सैंटियागो मार्टिन की फ्यूचर गेंग ने इस 1368 करोड़ में से 542 करोड़ तृणमूल कांग्रेस, 503 करोड़ डीएमके और 150 करोड़ से अधिक का चुनावी चंदा वाईएसआर कांग्रेस को दिया था। सैंटियागो मार्टिन को लॉटरी किंग कहा जाता है। उसकी कम्पनी का बड़ा साम्राज्य है। फ्यूचर गेमिंग एंड होटल सर्विसेज की स्थापना वर्ष 1991 में सैंटियागो मार्टिन ने की थी। यह कम्पनी तमिलनाडु में शुरू हुई थी, लेकिन जब यहां लॉटरी बंद हो गई तो मार्टिन ने अपना अधिकांश धंधा केरल और कर्नाटक में चालू कर दिया। इस पूरे प्रकरण के केंद्र में रहने वाला सैंटियागो मार्टिन ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ लॉटरी ट्रेड एंड अलाइड इंडस्ट्रीज का अध्यक्ष हैं। उसकी इस कम्पनी में 1000 से अधिक लोग काम करते हैं। फ्यूचर गेमिंग वर्तमान में 13 राज्यों में लॉटरी चलाती है, इन राज्यों में अभी भी लॉटरी को कानूनी मान्यता है। यह राज्य अरुणाचल प्रदेश, असम, गोवा, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, पंजाब, सिक्किम, पश्चिम बंगाल, नागालैंड और सिक्किम हैं।मार्टिन की यह कम्पनी डियर लॉटरी नाम से लॉटरी चलाती है। उसकी कम्पनी फ्यूचर गेमिंग दक्षिण भारत में अपनी एक अन्य कम्पनी मार्टिन कर्नाटक और पूर्वोत्तर के राज्यों में अपनी एक अन्य कम्पनी सिक्किम लॉटरी के माध्यम से धंधा करती है। बताते हैं कि कभी सैंटियागो मार्टिन म्यांमार के यंगून में मजदूरी करता था। बाद में उसने यह साम्राज्य खड़ा किया। उसके कई पार्टियों से संबंध हैं।सैंटियागो मार्टिन ने वर्ष 2007 में कम्युनिस्ट पार्टी के मुखपत्र देशाभिमानी को 50 लाख के चार चुनावी बॉन्ड के माध्यम से 2 करोड़ का चंदा दिया था। जब यह मामला खुला तो पार्टी लोगों के निशाने पर आ गई। पार्टी की छवि बचाने के लिए महासचिव प्रकाश करात ने पैसा स्वीकार करने के बाद उसे लौटाने का निर्णय लिया था। वर्ष 2016 में केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के करीबी माने जाने वाले एक वरिष्ठ वकील एमके दामोदरन ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दायर एक मामले में सैंटियागो मार्टिन की तरफ से केस लड़ा था। मुख्यमंत्री विजयन के कानूनी सलाहकार एमके दामोदरन लॉटरी घोटाले के सिलसिले में मार्च 2018 में सैंटियागो मार्टिन के लिए कोर्ट गए थे।डीएमके को चंदा देने के अलावा अक्टूबर 2010 में तमिलनाडु के एडवोकेट जनरल पी.एस. रमन ने केरल हाईकोर्ट में सैंटियागो मार्टिन का केस लड़ा था। जब इस पर केरल सरकार ने ऐतराज किया तो तत्कालीन मुख्यमंत्री करुणानिधि ने इस मामले में हस्तक्षेप किया और रमन को इस मामले की पैरवी छोड़नी पड़ी थी। फ्यूचर गेमिंग और होटल सर्विसेज के मालिक सैंटियागो मार्टिन ने 50 करोड़ रुपए खर्च करके करुणानिधि की 75वीं फिल्म के निर्माण में मदद की। उसने इसमें स्क्रिप्ट भी लिखी थी। यह भी कहा जाता है कि इलैगनन नाम की एक फिल्म 3 साल तक अधर में लटकी रही, इसके बाद मार्टिन ने इसे पुनः चालू किया। इस फिल्म की कहानी लिखने के लिए करुणानिधि को 45 लाख का भुगतान किया गया था। इसके बदले में उसे (सेंटिआगो) को बिना कोई समस्या के अपना लॉटरी का धंधा चलाने दिया जाता है। जनवरी 2023 में सैंटियागो मार्टिन के दामाद आधव अर्जुन को डीएमके ने 2024 लोकसभा चुनावों के लिए पार्टी चुनावी रणनीतिकार की भूमिका में नियुक्त किया था। यह भी बताया जाता है कि अर्जुन के तमिलनाडु के मुख्यमंत्री दामाद सबरीसन के साथ अच्छे संबंध हैं।वरिष्ठ कांग्रेस नेता और वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने भी सितंबर 2010 में केरल हाई कोर्ट में घोटाले के दागी सैंटियागो मार्टिन का केस लड़ा था। हालांकि, उन्हें कम्युनिस्टों के विरोध के चलते मामले से नाम वापस लेने के लिए मजबूर होना पड़ा था। तक कांग्रेस के मीडिया प्रमुख जनार्दन द्विवेदी ने कहा था, पार्टी ने इस मुद्दे को गंभीरता से लिया है, भले ही सिंघवी इस मामले से हटने की घोषणा की है। सैंटियागो की कम्पनी फ्यूचर गेमिंग और होटल सर्विसेज ने वर्ष 2017 और 2021 के बीच पश्चिम बंगाल में 12000 करोड़ जीएसटी दिया था। सैंटियागो मार्टिन की कंपनी लंबे समय से पश्चिम बंगाल में डियर लॉटरी चला रही है। नवंबर 2022 में सीबीआई ने बताया था कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के मंत्री अनुब्रत मंडल और उनकी बेटी ने तीन साल में 5 बार यह लॉटरी जीती है। टीएमसी को सबसे अधिक चंदा फ्यूचर गेमिंग से ही मिला।

पानी के लिए ...

इसको समझने वाले लोगों में बाबा साहब अंबेडकर पहले व्यक्ति थे। देश आजाद होने के बाद सबसे पहले जल शक्ति के लिए, पानी के लिए दूरदृष्टि आयोजन, पानी का सामर्थ्य के बारे में सबसे पहले बाबा साहब ने सोचा था। इस सच्चाई को दबाकर रखा गया। एक ही व्यक्ति को क्रेडिट देने के नशे में सच्चे सेवक को भुला दिया गया। देश आजाद होने के बाद भारत की जल शक्ति, नदियों के लिए बड़े बांध बनाने की दूरदृष्टि, बड़ी नदी घाटी योजन-ाओं के लिए बाबा साहब ने काम किया। जल शक्ति आयोग भी बाबा साहेब की देन है।पीएम मोदी ने कहा देश में जब जब भाजपा को जहां जहां सेवा करने का मौका मिला है। हमने पुराने रिकॉर्ड तोड़कर काम किया है। आजादी के दीवानों ने जो सपने देखे थे, उन्हें साकार करने के लिए हम दिन रात पसीना बहा रहे हैं। अतीत में कांग्रेस की सरकारें सिर्फ घोषणाएं करने का काम करती थी। अखबारों में विज्ञापन देना, दीप जलाना ही उनका काम था। 35-35 साल बीते के बाद भी योजनाओं का काम शुरू नहीं होता था। पीएम मोदी ने कहा, मध्य प्रदेश में 1100 से अधिक अटल ग्राम सेवा सदन के निर्माण का काम आज से शुरू हो रहा है। इसके लिए पहली किस्त जारी की गई है। अटल ग्राम सेवा सदन गांवों के विकास को नई गति देंगे। हमारे लिए सुशासन दिवस एक दिन का कार्यक्रम भर नहीं है। सुशासन भाजपा सरकारों की पहचान है। देश की जनता ने लगातार तीसरी बार केंद्र में भाजपा की सरकार बनाई। मध्य प्रदेश में आप सभी लगातार भाजपा को चुन रहे हैं। इसके पीछे सुशासन का भरोसा ही सबसे प्रबल है।मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने पीएम मोदी के प्रति आभार जताते हुए कहा, आपने सरकार, समाज और व्यवस्था पर समान रूप से ध्यान रखते हुए जो आदर्श स्थापित किए, उसके लिए में आपको नमन करता हूं। आपने जयपुर में सही कहा था, हमारा देश बाकी देशों के लिए आदर्श बनना चाहिए। देश के सभी राज्यों के बीच समन्वय होना चाहिए। लेकिन, कांग्रेस ने वर्षों तक यह नहीं किया। आज भी उनसे यह सब नहीं देखा जा रहा है। वे कभी बुंदेलखंड का भला नहीं सोचते हैं। जो हो रहा है यह सिर्फ मोदीजी ही कर सकते हैं। इस दौरान सीएम मोहन यादव ने कहा कि हमारी सरकार पांच साल में ढाई लाख लोगों को नौकरी देगी।सीएम मोहन यादव ने कहा कि आज मध्य प्रदेश की धरती पर अनोखा इतिहास लिखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि अलटजी ने जो सपना देखा वो आज पीएम मोदी के मार्गदर्शन में पूरा हो रहा है। कांग्रेस इतने सालों तक लोगों से वोट मांगकर सरकार बनानी रही, लेकिन बुंदेलखंड की ओर ध्यान नहीं दिया। यहां लोग सूखे से परेशान बने रहे। मैं पीएम मोदी का आभार मानता हूं कि उन्होंने सरकार में आने के बाद किसान, गरीब समेत समाज के सभी वर्गों की चिंता की। केन-बेतवा लिंक परियोजना के शिलान्यास कार्यक्रम की शुरुआत भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और सांसद वीडी शर्मा ने अपने संबोधन से की। इस दौरान उन्होंने परियोजना को लेकर पीएम मोदी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि अब बुंदेलखंड सशक्त और समृद्ध बनेगा।

44,605 करोड़ ...

माध्यम से पानी को बेतवा नदी तक पहुंचाया जाएगा। यह परियोजना कुल 44,605 करोड़ रुपए की लागत से तैयार की जा रही है। इससे मध्य प्रदेश के 10 जिलों के लगभग 44 लाख लोग और उत्तर प्रदेश के 4 जिलों के 21 लाख लोग, यानी कुल 65 लाख लोगों को लाभ पहुंचेगा। इन इलाकों में सिंचाई की समस्या का समाधान होगा, पीने का पानी उपलब्ध होगा और औद्योगिक विकास के नए अवसर उत्पन्न होंगे।इस परियोजना से मध्य प्रदेश के पन्ना, दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, सागर, रायसेन, विदिशा, शिवपुरी और दतिया जिलों में करीब 8.11 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा मिलेगी। उत्तर प्रदेश के महोबा, झांसी, ललितपुर और बांदा जिलों को भी इससे काफी लाभ होगा। खासकर बुंदेलखंड क्षेत्र, जो लंबे समय से सूखे की समस्या से जूझ रहा है, इस परियोजना के जरिए जीवनदायिनी सुविधा प्राप्त करेगा।परियोजना के तहत दौधन बांध बनाया जाएगा, जो केन नदी के पानी को संग्रहीत करेगा। इस बांध से पानी को बेतवा नदी तक पहुंचाया जाएगा। केन और बेतवा नदियों को जोड़ने के लिए 221 किलोमीटर लंबी नहर का निर्माण किया जाएगा। यह नहर मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के सूखा प्रभावित क्षेत्रों में पानी पहुंचाएगी। नवंबर से अप्रैल के बीच पानी का वितरण होगा। इस दौरान उत्तर प्रदेश को 750 मिलियन क्यूबिक मीटर (एमसीएम) और मध्य प्रदेश को 1834 एमसीएम पानी मिलेगा। परियोजना से 103 मेगावाट जल विद्युत और 27 मेगावाट सौर ऊर्जा का उत्पादन होगा। इससे हरित ऊर्जा में योगदान बढ़ेगा और औद्योगिक विकास के लिए बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। औद्योगिक इकाइयों को भी पर्याप्त पानी की आपूर्ति मिलने से रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।इस परियोजना को पूरा करने में कई बाधाओं का सामना करना पड़ा। पर्यावरणीय और वन्यजीव संरक्षण से जुड़ी चिंताओं ने इसकी प्रगति को लंबे समय तक बाधित किया। यह परियोजना पन्ना अभयारण्य से होकर गुजरती है, जिससे वन्यजीव संरक्षण के सवाल उठे। लेकिन मार्च 2021 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्रियों और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री के बीच त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर के बाद इस परियोजना को हरी झंडी दी गई। केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना का विचार सबसे पहले पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के समय में 2002 में आया था। उन्होंने देश में 36 नदियों को जोड़ने की योजना बनाई थी ताकि सूखे और बाढ़ की समस्या का समाधान हो सके। हालांकि, इस योजना को आगे बढ़ाने में कई प्रशासनिक और पर्यावरणीय अड़चनें आईं। 2014 में मोदी सरकार ने इस योजना को फिर से शुरू किया और अब केन-बेतवा लिंक परियोजना को इसकी पहली कड़ी के रूप में देखा जा रहा है।भारत में नदियों को जोड़ने की अवधारणा नई नहीं है। ब्रिटिश काल में भी इस विचार पर चर्चा हुई थी। 1858 में ब्रिटिश सैन्य इंजीनियर आर्थर थॉमस कॉटन ने बड़ी नदियों को आपस में जोड़ने का प्रस्ताव रखा था ताकि सूखे और बाढ़ जैसी समस्याओं से निपटा जा सके। स्वतंत्रता के बाद भी नदियों को जोड़ने के कई प्रयास हुए, लेकिन यह योजना कभी पूरी तरह से अमल में नहीं लाई जा सकी। केन-बेतवा परियोजना के तहत जल वितरण को लेकर मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के बीच समझौता हुआ है। हर साल नवंबर से अप्रैल के बीच यूपी को 750 एमसीएम और एमपी को 1834 एमसीएम पानी मिलेगा। इस परियोजना की निगरानी राष्ट्रीय जल विकास प्राधिकरण (एनडब्ल्यूडीए) और केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय द्वारा की जाएगी।इस परियोजना के शुरू होने से न केवल जल संकट का समाधान होगा, बल्कि किसानों को बेहतर सिंचाई सुविधा मिलेगी और उनकी आय में वृद्धि होगी। साथ ही, बुंदेलखंड जैसे सूखाग्रस्त क्षेत्र में जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा। यह परियोजना अटल बिहारी वाजपेयी के उस सपने को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसमें उन्होंने नदियों को जोड़कर जल संकट का समाधान करने की परिकल्पना की थी।

अटल का...

बैठक में फैसला लिया गया कि अटल जी की जयंती के अवसर पर आने वाले दिनों में एनडीए की एक और बैठक होगी। वाजपेयी के नेतृत्व में भाजपा में भारत की पहली पूर्णकालिक गठबंधन सरकार ने अपने पूरे कार्यकाल में कई अहम फैसले लिए थे। भाजपा और एनडीए उनके योगदान को आज भी अपनी प्रेरणा के स्रोत मानते हैं।इसके अलावा, बैठक में एनडीए के नेताओं ने आगामी चुनावों और एक देश-एक चुनाव के मुद्दे पर भी विचार-विमर्श किया। गठबंधन के सभी सदस्य इस प्रस्ताव के समर्थन में हैं और इसे आगामी चुनावों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम मान रहे हैं। एक देश-एक चुनाव पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की आठ जनवरी को बैठक होगी, जिसमें इस मुद्दे पर चर्चा होगी।लोकसभा चुनाव-2024 के नतीजों के बाद भाजपा के लिए अपने गठबंधन (एनडीए) साथियों के साथ तालमेल बनाए रखना जरूरी है। ऐसा माना जा रहा है कि अपने सहयोगी दलों के साथ भाजपा ने इसीलिए आज की बैठक रखी थी। बैठक के बारे में बताया गया कि यह पूर्व पीएम अटल बिहार वाजपेयी की जन्म शताब्दी के अवसर पर रखी गई, लेकिन असलियत यह है कि एक देश एक चुनाव विधेयक को लेकर रणनीति बनाने और अंबेडकर मुद्दे पर छिड़ी बहस को अपने लिए अवसर बनाने की योजना पर बातचीत हुई।लोकसभा चुनाव-2024 के नतीजे सामने आने के बाद से गठबंधन के सहयोगी दलों पर भाजपा की निर्भरता काफी बढ़ गई है। भाजपा को जेडीयू और टीडीपी का समर्थन प्राप्त है। भाजपा मौजूदा राजनीतिक मुद्दों पर अपने सहयोगी दलों की ओर से आश्वस्त रहना चाहती है।

पीड़ित बच्चे ...

और अब खुद सांस ले सकता है। इस दौरान अल्लू अर्जुन के पिता ने घोषणा की कि अल्लू अर्जुन ने एक करोड़ रुपए, पुष्पा प्रोडक्शन कंपनी मैत्री मूवी मेकर्स ने 50 लाख रुपए और फिल्म के निर्देशक सुकुमार ने 50 लाख रुपए की सहायता बच्चे के परिवार को दी है। अरविंद ने दिल राजू को चेक सौंपे और उनसे अनुरोध किया कि वह इसे लड़के के परिवार तक पहुंचा दें। उन्होंने बताया कि कानूनी बाध्यताओं के कारण बिना पूर्व मंजूरी के परिवार से सीधे संपर्क नहीं किया जा सकता।इस मामले में परिवार की शिकायत के आधार पर चिक्कड़पल्ली पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत अल्लू अर्जुन, उनकी सुरक्षा टीम और थिएटर प्रबंधन के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। 4 दिसंबर को हैदराबाद के संध्या थिएटर में भगदड़ के दौरान एक 35 वर्षीय महिला की मौत हो गई, जहां पुष्पा-2 फिल्म दिखाई जा रही थी और उसके आठ वर्षीय बेटे को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अल्लू अर्जुन को 13 दिसंबर को महिला की मौत के सिलसिले में शहर की पुलिस ने गिरफ्तार किया था। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने उन्हें उसी दिन चार सप्ताह की अंतरिम जमानत दे दी और 14 दिसंबर की सुबह उन्हें जेल से रिहा कर दिया गया।

असम से अंसारुल्ला ...

एसटीएफ प्रमुख पार्थसारथी महंत ने पिछले हफ्ते अंसारुल्ला बांग्ला टीम के सदस्यों की गिरफ्तारी के बाद कहा था कि पकड़े गए बांग्लादेशी नागरिक का नाम मोहम्मद साद रदी उर्फ शब शेख है। वह बांग्लादेश के राजशाही का निवासी है और नवंबर 2024 में भारत में घुसकर आतंकवाद फैलाने के लिए काम कर रहा था। रदी ने एबीटी के स्लीपर-सेल कार्यकर्ताओं से मिलने के लिए असम, पश्चिम बंगाल और केरल का दौरा किया था। एसटीएफ ने पुलिस के सहयोग से उसे केरल से गिरफ्तार किया। इसके अलावा, पश्चिम बंगाल और असम से भी अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। एसटीएफ ने इस मामले में एक प्राथमिकी दर्ज की और जेहादी गतिविधियों के खिलाफ ऑपरेशन प्रघात शुरू किया था। गिरफ्तारी के दौरान, आरोपियों से जब्त किए गए मोबाइल फोन और दस्तावेजों से पता चला कि इनका संपर्क सीमा पार स्थित बांग्लादेश और पाकिस्तान के आतंकवादी संगठनों से था। इसके साथ ही एसटीएफ प्रमुख ने कहा कि यह गिरोह असम और पश्चिम बंगाल में स्लीपर सेल बनाने के लिए काम कर रहा था। उनका उद्देश्य भारत में हिंसा और अराजकता फैलाना था। गिरफ्तार किए गए आरोपियों ने साद रदी की मदद से ऐसे लोगों की पहचान की थी जो कट्टरपंथी विचारध-ारा से प्रभावित थे और उन्हें भर्ती कर रहे थे।

विमान हादसे में ...

विमान में अजरबैजान के 37 यात्री सवार थे। इसके अलावा उसमें रूस के 16, कजाखस्तान के 6 और किर्गिस्तान के 3 यात्री सवार थे।समाचार एजेंसी ने मध्य एशियाई देश के आपातकालीन मंत्रालय के हवाले से बताया कि विमान में कुछ लोग जीवित बचे हैं। आपातकालीन सेवाएं मौके पर मौजूद हैं। वहीं, कजाखस्तान की मीडिया ने स्वास्थ्य मंत्री अकमारल अलनाजारोवा के हवाले से बताया था कि एक बच्चे समेत 12 यात्रियों को जीवित बचा लिया गया है। विशेषज्ञों, ट्रॉमेटोलॉजिस्ट, न्यूरो सर्जन समेत तमाम बचाव दलों को मौके पर भेज दिया गया है। एयर एम्बुलेंस की व्यवस्था भी की गई है। मौके पर सभी सहायता प्रदान करने की कोशिश की जा रही है। राहत और बचाव कार्य जारी है।बताया जा रहा है कि उड़ान भरने वाले एम्ब्रेयर 190 एएचवाई8243 विमान से एक पक्षी टकरा गया था। इस वजह से विमान के पायलट ने आपातकालीन लैंडिंग के लिए अक्तौ एयरपोर्ट से संपर्क किया। हालांकि, इससे पहले कि विमान लैंड कर पाता, वह स्टीयरिंग फेल होने की वजह से क्रैश हो गया और उसमें धमाके के साथ आग लग गई। फिलहाल आग को बुझा लिया गया है।

जम्मू कश्मीर...

शाह ने अर्धसैनिक बल के रोजमर्रा के कार्यों में हिंदी का चलन बढ़ाने पर जोर दिया, ताकि भाषाई एकता को बढ़ावा दिया जा सके। इसके अलावा उन्होंने जवानों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए श्री अन्न के ज्यादा से ज्यादा प्रयोग पर भी जोर दिया। उन्होंने जवानों को आयुर्वेद के लाभ उठाने और प्रकृति परीक्षण अभियान में हिस्सा लेने के लिए भी कहा। अमित शाह के इस दौरे में गृह मंत्रालय के सचिव गोविंग मोहन समेत कई वरिष्ठ अफसर भी मौजूद थे।

वीर बाल दिवस

देह शिवा बर मोहि इहै शुभ कर मन ते कबहूं न टरो।।
न डरों अरि सो जब जाइ लरों निश्चे कर अपनी जीत करों।।

गुरुजी गुरु गोबिंद सिंह जी के पुत्रों साहिबजादा बाबा जोरावर सिंह जी और बाबा फतेह सिंह जी ने पिता के इन सुवचनों को सदा के लिए सार्थक कर दिखाया है।

9और 5साल की आयु में शहीदी प्राप्त करने वाले साहिबजादा बाबा जोरावर सिंह जी और बाबा फतेह सिंह जी के बलिदान दिवस को आज सारा विश्व 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने के लिए उदयुक्त है। धर्म, न्याय एवं मानवता की रक्षा हेतु अपना सर्वस्व अर्पित कर वीरता, बहादुर से विजय पताका फहराने वाले, अपने लहू से शहादत की अद्वितीय गाथा लिखने वाले गुरु गोविंद सिंह जी के चार साहिबजादो को सारा संसार आज नतमस्तक हो श्रद्धा सुमन अर्पित कर रहा है। सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव जी ने जिस मानवता धर्म, सीख धर्म की स्थापना की, उसे उनके परवर्ती गुरुओं ने पूर्ण निष्ठा से स्वीकारा । सिखों के दसवें गुरु गुरु गोविंद सिंह जी ने भी अपना सर्वस्व न्याय तथा धर्म की स्थापना हेतु समर्पित किया। ऐसे सरबंस दानी, खालसा पंथ के संस्थापक, शुरुता तथा वीरता के पुंज, हिंदू धर्म की रक्षा के लिए बलिदान देने वाले श्री गुरु तेग बहादुर जी के पुत्र श्री गुरु गोविंद सिंह जी के चारों पुत्रों ने भी अपने गुरुओं, दादा तथा अपने पिता के नाम की लाज रख शहीदों की श्रृंखला में अपना नाम सदा के लिए अमर कर दिया ।

1705 का वह दिसंबर का महीना इंसानियत कभी भुला नहीं पाएगी। श्री गुरु गोबिंद सिंह जी का पूरा परिवार सन 1705 के दिसंबर महीने में बिछड़ गया जो फिर कभी ना मिल सका। श्री गुरु गोविंद सिंह जी के परिवार की शहादत को इतिहास की सबसे बड़ी शहादत माना जाता है जहां श्री गुरु गोविंद सिंह जी के पिता श्री गुरु तेग बहादुर जी ने औरंगजेब के जबरदस्ती बलपूर्वक धर्म परिवर्तन का विरोध करने हेतु कश्मीरी पंडितों की मदद की ।धर्म की रक्षा हेतु हिंद की चादर बनकर बलिदान दिया ।वहीं उनके पूरे परिवार ने भी जुल्म एवं अत्याचार,अन्याय का विरोध करते हुए शहीदी प्राप्त की । इस अद्वितीय शहादत को याद करते हुए प्रतिवर्ष 21 दिसंबर से 28 दिसंबर तक शहीदी सप्ताह मनाया जाता है तथा उन शहीदों को याद कर श्रद्धापूर्वक सुमन अर्पित किए जाते हैं। 20 दिसंबर सन 1705 में पहाड़ी राजाओं और मुगलों ने अपने वचनों को तोड़ आनंदपुर साहिब पर हमला बोल दिया । गुरु गोविंद सिंहजी ने अपने परिवार एवं अन्य सिखों के साथ तब आनंदपुर किला छोड़ा और वहां से निकले। 21 दिसंबर के दिन जब सब लोग सरसा नदी पार कर रहे थे तब पानी का बहाव इतना अधिक तेज हो गया कि गुरुजी का पूरा परिवार उसमें बिछड़ गया जो दोबारा कभी नहीं मिला ।बिछड़ने के बाद श्री गुरु गोविंद सिंह जी अपने दोनों बडे साहिबजादे बाबा अजीत सिंह जी उम्र 18 साल तथा बाबा जुझार सिंह जी उम्र 14 साल तथा अन्य सिखों के साथ चमकौर गाड़ी पहुंचे । जहां 22 और 23 दिसंबर को 40 सिखों ने दस लाख की मुगल से युद्ध किया। इस युद्ध में श्री गुरु गोविंद सिंह जी के दो बडे साहिबजादे तथा अन्य सिखों ने वीरता के साथ युद्ध करते हुए शहीदी प्राप्त की । बाद में गुरुजी अन्य सिखों एवं पंजप्यारों के कहने से वहां से निकल गए। इधर सरसा नदी में बिछड़े हुए दो साहिबजादे साहब बाबा जोरावर सिंह जी उम्र 9 साल और बाबा फतेह सिंह जी उम्र 5 साल अपनी दादी मां माता गुजरी जी के साथ निकल गए। जहां गुरुजी के सेवक रसोइए गंगू ने उन्हें अपने घर रखा। माताजी के पास रखे सोने की मोहर देखकर गंगू के मन में लालच आ गया।उसने सरहिंद के नवाब वजीर खान को माताजी तथा बच्चों की जानकारी दी । इसके बाद माता गुजरी जी और दोनों छोटे साहबजादो को कैद कर लिया गया। वजीर खान ने दोनों छोटे साहिबजादा और माता गुजरी जी को चमकौर ग़ड़ी के ठंडे बुर्ज में कैद किया। वहां पर बच्चों को पहले फुसलाकर, डरा धमका कर धर्म परिवर्तन करने के लिए कहा गया। पर दोनों नन्हे वीरों ने अपनी निडरता एवं साहस का परिचय देते हुए धर्म परिवर्तन करने से मना कर दिया। गुस्से में आग बगुला होकर वजीर खान ने दोनों नन्हे मासूम बच्चों को दीवार में जिंदा चुनवा देने का हुकुम दिया । 27 दिसंबर को दोनों साहिबजादों को दीवार में जिंदा चुनवा दिया गया ।यह खबर जैसे ही माता गुजरी जी के पास पहुंची उन्होंने भी अपने प्राण त्याग दिए। इतिहास में ऐसा युद्ध कहीं नहीं देखा गया होगा जहां एक ओर पिता ने अपने हाथों से अपने बच्चों को युद्ध के मैदान में मुघलों से

युद्ध के लिए जाने के लिए खुद अपने हाथों से तैयार कर रणभूमि में भेजा ।जहां पिता ने अपने पुत्रों को अपनी आंखों के सामने शहीद होते हुए देखा फिर भी विचलित नहीं हुए।रणभूमि में अपने वीर पराक्रमी पुत्रों को लड़ते देख गुरु गोविंद सिंह जी का सीना गर्व से चौड़ा हो गया। उनकी आंखों में उस समय अश्रु नहीं, वीरगति को प्राप्त हुए अपने सुपुत्रों की वीरता का मन चमक रहा था। वहीं दूसरी ओर सरहद में वजीर खान के अमानुषिक अत्याचार को देख मानवता तारतार हो गई ,जब वजीर खान ने गुरुजी के दोनों छोटे साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह जी और बाबा फतेह सिंह जी को और उनकी बूढ़ी दादी मां माता गुजरी जी को सरहद के ठंडे बुर्ज में बंदी बनाकर रखा। दिसंबर की हड्डियों को कंपकपाने वाली ठंड में उन्हें भूखे प्यासे रखकर कई प्रकार की शारीरिक और मानसिक यातनाएं दी गई। उन्हें डरा धमकाकर, फुसलाकर धर्म परिवर्तन करने हेतु जबरदस्ती की गई।पर नन्हे योद्धाओं की धमनियों में अपने वीर पिता गुरु गोविंद सिंह जी, वीर बलिदानी दादाजी एवं अपने गुरुओं का लहू बह रहा था। उन्हें अपने धर्म एवं न्याय की रक्षा हेतु दिए गए बलिदान गाथा का स्मरण था जिनके फल स्वरुप उन्होंने वजीर खान के आगे घुटने नहीं टेके, अपितु मृत्यु को गले लगाना स्वीकार किया। मासूम सी नन्ही जानों को दीवार में जिंदा चुनवा दिया गया पर उन्होंने उफ़ तक नहीं की ।अपने वीर पोतों के शहीद होने की सूचना पाकर माता गुजरी जी ने भी अपने प्राण त्याग दिए। अपने चारों साहबजादो के शहीद होने पर भी गुरुजी के मन में किसी प्रकार का अवसाद नहीं आया। अपितु उन्होंने यह वचन कहे कि-

इन पुत्रन के शीश पर वार दिए सुत चार।।
चार मुए तो क्या भया जीवत कई हजार।।

और इसके पश्चात गुरुजी ने अत्याचारी औरंगजेब के शासन का अंत करने की शपथ ली।

धर्म की रक्षा हेतु, मानव अधिकारों की रक्षा हेतु, मानवीय उच्च मूल्यों की रक्षा हेतु किया गया यह बलिदान विश्व का सर्वोच्च बलिदान है। मात्र 9 और 5 वर्ष की आयु में साधारणतः जहां बच्चे कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने की अवस्था में नहीं होते, ऐसे में इन नन्हे बालकों ने अपना धर्म परिवर्तन करने से मना किया। यह साधारण बात नहीं थी। बाल्यावस्था में विचारों की ऐसी प्रगल्भता, संयम, सूझबूझ ,निर्णय में अडीग़ता असाधारण है ।इतनी छोटी उम्र में भी उनके मन में किसी प्रकार का डर, भय, विचारों में असमंजस्य अथवा भ्रम तिलमात्र भी नहीं था ।था तो केवल मात्र साहस ।अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने का साहस। इसी साहस एवं अपने सु संस्कारों का परिचय देते हुए वजीर खान के सामने उन्होंने अपना शीश नहीं झुकाया उल्टे उसे उसके द्वारा किए जाने वाले दुष्कर्म के बारे में निडरता से बताया। दोनों हंसते-हंसते जिंदा दीवार में चुन गए । ऐसा कर इन नन्हे से महान योद्धाओं ने, ब्रह्म ज्ञानी साहबजादो ने विचारों की स्वतंत्रता,जीवन जीने के अधिकार को सर्वोच्च माना। धर्म के महान सिद्धांतों की रक्षा हेतु मृत्यु को हंसते-हंसते गले लगाया, पर अन्याय के सामने सर नहीं झुकाया । ऐसा कर उन्होंने पूरे विश्व में सत्य तथा न्याय धर्म की स्थापना की। आज आवश्यकता है, आज समय की मांग है कि ऐसे वीर बलिदानी साहिबजादों की शहादत के इतिहास के बारे में सभी को पता चले । केवल मात्र भारत ही नहीं, संपूर्ण विश्व को प्रेम, शांति सदाचार, सत्य, आत्मविश्वास और न्याय का संदेश इन वीरों ने दिया है । कभी किसी के सामने विवश न होना,हार ना मानना, किसी के आगे नहीं झुकना मानव धर्म की पहचान है और इसी पहचान को कायम रखने के लिए इन वीर साहबजादों ने बलिदान देकर सदा के लिए अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है। अपने देश की संस्कृति एवं धर्म की रक्षा के लिए स्वयं का बलिदान कर अपने दादाजी एवं अपने पिता के वचनों को साकार कर दिखाया है। आज भी हमें सत्य धर्म एवं न्याय का साथ देने की परम आवश्यकता है ।हमें बाल्यावस्था से ही बच्चों को ऐसी शिक्षा एवं संस्कार देने चाहिए जिससे उन्हें मानसिक विचारों से दृढ़ बनाए जा सके ताकि आने वाले भविष्य में भी कभी डगमगाए नहीं। गुरुजी के इन दो साहिबजादों का यह वीर बाल दिवस हमें याद दिलाएगा कि शौर्य की पराकाष्ठा के समय आयु महत्वपूर्ण नहीं होती, उस समय लिए गए निर्णय महत्वपूर्ण होते हैं। समस्त मानवता के स्वाभिमान को बनाए रखने के लिए दिया गया यह बलिदान विश्व का सर्वश्रेष्ठ बलिदान है।वीर बाल दिवस के अवसर पर शूरवीर नन्हे योद्धाओं साहिबजादा बाबा जोरावर सिंह जी और साहिबजादा बाबा फतेह सिंह जी को मेरा कोटि-कोटि प्रणाम।

-डॉ.राजेंद्र कौर महाजन
हैदराबाद

वार्षिक राशिफल 2025

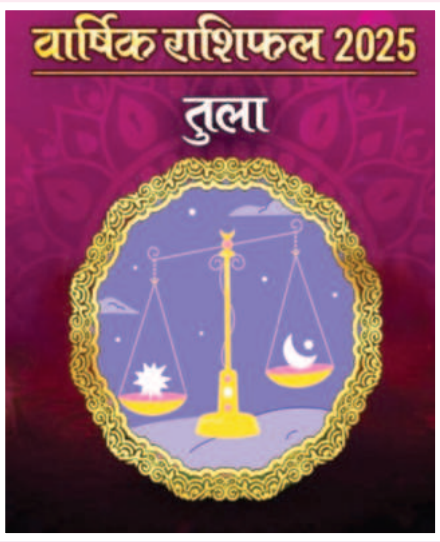

7.तुला राशि

पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा.अनीष व्यास ने बताया कि वर्ष 2025 कुछ बड़े बदलावों वाला साल रहेगा। इस साल आपको अच्छे और बुरे दोनों ही तरह के स्वाद चखने को मिलेंगे। नए साल की शुरुआत में गुरु आपके अष्टम भाव में गोचर करेंगे। मई से गुरु तुला राशि के नवम भाव से और अक्टूबर से दिसंबर तक गुरु तुला राशि के दशम भाव से गोचर करेंगे। यह समय आपके जीवन में शुभता लाएगा। आपको अपने प्रयासों में सफलता मिलेगी। आपके द्वारा किए गए हर कार्य को सराहा जाएगा। लेकिन पूरे साल ऐसा नहीं रहने वाला क्योंकि मार्च से शनि तुला राशि वालों के छठे भाव से गोचर करेगा। इस अवधि में आपके जीवन में निराशा के बादल छा सकते हैं। आपको कार्यक्षेत्र में अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। आपके रिश्तों में कड़वाहट पैदा हो सकती है। इस वर्ष 29 मई से राहु आपके पंचम भाव से और केतु ग्यारहवें भाव से गोचर करेगा। यह गोचर आपके जीवन में मुसीबतें ला सकता है। किसी भी तरह के निवेश में रिस्क न लें और हर बड़ा फैसला अपने पिता या किसी अनुभवी व्यक्ति से विचार-विमर्श कर ही लें। साल आपके लिए अधिकांश मामलों में काफी अच्छे परिणाम देता हुआ प्रतीत हो रहा है। विशेषकर मई के बाद की स्थितियां काफी अच्छी रह सकती हैं। मार्च के महीने से शनि ग्रह के गोचर की अनुकूलता आपकी पुरानी समस्याओं को दूर करके उन्नति के नए द्वार खोल सकती है। विशेषकर नौकरी आदि से संबंधित मामलों में काफी अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। आपकी सोचने की शक्ति और प्रखर होने के कारण आप अब बेहतर योजना बनाकर व्यापार व्यवसाय में भी अच्छा कर सकेंगे। विद्यार्थीगण के जीवन में आ रही कठिनाइयां भी दूर होंगी। मई मध्य के बाद बृहस्पति ग्रह की अनुकूलता भी बड़ी कठिनाइयों को दूर करने का काम करेगी। भाग्य बेहतर ढंग से साथ देगा। बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद और मार्गदर्शन जीवन में तरक्की के द्वार खोलेगा। यदि आप विद्यार्थी हैं तो बृहस्पति शिक्षा के मामले में मदद करेगा। वहीं अन्य लोगों को आर्थिक मामले में बृहस्पति के द्वारा अच्छी अनुकूलता देखने को मिल सकती है। मई मध्य के बाद का समय प्रेम, विवाह, वैवाहिक जीवन आदि से संबंधित मामलों में अच्छी अनुकूलता देने का काम कर सकता है। इस साल आपको किसी भी विरोधी से परेशान होने या घबराने की बिल्कुल भी जरूरत नहीं पड़ेगी, क्योंकि वे अपने आप ही पीछे हट जाएंगे और आपको कार्यों में सफलता मिलेगी। वर्ष की शुरुआत में आपको प्रॉपर्टी खरीदने में सफलता मिल सकती है। आपके रुके हुए काम भी धीरे-धीरे गति पकड़ेंगे। इस वर्ष आप आलस्य से जितना दूर रहेंगे, उतना ही जीवन में सक्सेस कर पाएंगे। जॉब में आपकी स्थिति मजबूत बनेगी और कॅरियर में स्टेबिलिटी आने लगेगी।

कैरियर – साल 2025 तुलनात्मक रूप से बेहतर रहेगा। अर्थात पिछले साल की तुलना में यह साल अच्छा रहने वाला है। यदि आप नौकरी में बदलाव करना चाह रहे हैं तो मार्च के बाद बदलाव करना ज्यादा अच्छा रहेगा। वैसे संभव हो तो मई महीने के मध्य के बाद बदलाव किया जाय, क्योंकि मई महीने के मध्य के बाद किया गया बदलाव और भी ज्यादा अच्छे परिणाम दे सकता है। अर्थात साल के शुरुआती महीने खास कर मार्च तक का समय नौकरी में कुछ धीमापन दे सकता है। वर्षकी शुरुआत से गुरु वृश्चिक राशि वालों के सप्तम भाव, मई से गुरु वृश्चिक राशि वालों के अष्टम भाव और अक्टूबर से दिसम्बर तक गुरु वृश्चिक राशि वालों के नवम भाव से गोचर करेगा। देव गुरु बृहस्पति का यह गोचर आपके लिए काफी लाभदायक साबित होगा। यदि आप अपने करियर में किसी भी तरह का बदलाव करना चाहते हैं तो यह समय लाभदायक रहेगा। वर्ष की शुरुआत में आप अपनी आर्थिक स्थिति को बेहतर बना सकते हैं। आप एक से अधिक स्त्रोतों के साथ ही अपने व्यापार का विस्तार करने मुनाफा कमा सकते हैं। जो छात्र पढ़ाई के साथ-साथ कोई अन्य रुचि भी रखते हैं तो वह इस समय अपनी रुचि के माध्यम से धन कमाने में सफल हो सकते हैं। आपकी नौकरी और व्यापार के लिए यह समय बहुत ही भाग्यवर्धक है। अपने करियर को आगे बढ़ाने के लिए आपको दोस्तों और सीनियर्स का पूर्ण सहयोग मिलेगा। इस साल यदि आप किसी नई नौकरी की तलाश में हैं तो आपको अपनी मनचाही नौकरी बहुत ही आराम से मिल सकती है। आपको किसी विदेश कंपनी के साथ जुडने का मौका भी मिल सकता है। जो लोग बैंकिंग, मार्केटिंग, शेयर ट्रेडिंग फ़ील्ड से जुड़े हैं उनको इस अवधि में अच्छा धन कमाने को मिलेगा। आपकी इनकम बढ़ेगी। आपको अच्छी खासी बचत भी होगी। जो छात्र हायर स्टडीज़ के लिए विदेश जाना चाहते हैं उन्हें इस साल अपना सपना पूरा करने का मौका मिलेगा। वृश्चिक राशि के जो छात्र परीक्षाओं की तैयारी कर रहें हैं तो इस अवधि में उन्हें अच्छे अंक प्राप्त होंगे और सफलता का स्वाद चखने को मिलेगा।

आर्थिक स्थिति –आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। इस वर्ष धन का निवेश शेयर, मकान तथा रियल स्टेट में करेंगे। मई के बाद धन का आगमन बहुत अच्छा होगा। जमीन या मकान खरीदने के संयोग बनेंगे। वाहन भी खरीदने का सुखद संयोग बन सकता है। इस वर्ष म्यूच्यूअल फंड व शेयर में निवेश से लाभ होगा। आपको आर्थिक मोर्चे पर सफलता मिलेगी। इस साल आप अच्छी मात्रा में धन कमाओगे। मेहनत का हाथ थामे रहोगे तो आपको आर्थिक लाभ जरूर होगा। वर्ष की शुरुआत में देव गुरु बृहस्पति आपके भाग्य स्थान से गोचर करेंगे। इससे आपको धन लाभ होगा। आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आपके पास निश्चित रुप से धन होगा और आपको धन की कोई कमी नहीं होगी। नौकरीपेशा लोगों को इस साल पदोन्नति के माध्यम से अच्छा वेतन मिलने की पूरी संभावना है। वर्ष के शुरुआती महीने आपके लिए बेहद शानदार रहने वाले हैं। आपके जीवन में आजीविका के साधनों में बढ़ोतरी होगी। बिजनेस की दुनिया में आपका नाम होगा। आपकी पद-प्रतिष्ठा बनी रहेगी और सभी कार्य आपकी योजना के अनुरूप होते चले जाएंगे। कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी और समय आपके अनुकूल होता जाएगा। इस साल जमीन-जायदाद से जुड़े मामलों में आपको लाभ होगा। आपकी प्रॉपर्टी में इजाफ़ा भी हो सकता है। आपके द्वारा किए गए निवेशों में आपको सफलता प्राप्त होगी। कार्यक्षेत्र पर आप जितना अधिक फोकस होकर काम करेंगे उतना अधिक सफल भी रहेंगे। बिजनेस ट्रिप आपके लिए सफलता के द्वार खोलेंगी। जो लोग केमिकल, फार्मेसी, इलेक्ट्रॉनिक्स की फ़ील्ड से जुड़े हैं उन्हें इस साल अच्छा मुनाफा देखने को मिलेगा। आपके निवेश आपके लिए धन वृद्धि के रास्ते खोलेंगे। इस वर्ष सुख समृद्धि प्राप्त करने के लिए कई अवसर आपको मिलेंगे। आपके बैंक-बैलेंस में गजब का

इजाफा होगा। आप अपनी जरूरत के मुताबिक धन खर्च और संचय करने में सफल रहोगे। बिजनेस के विस्तार के लिए इस साल आप कई छोटी-बड़ी यात्राएं कर सकते हैं। इन यात्राओं से आपको लाभ होगा। मई से गुरु वृश्चिक राशि वालों के अष्टम भाव से गोचर करेगा जिसके चलते आपको आर्थिक मामलो में परेशानियां हो सकती हैं। आपके बिजनेस में कुछ गिरावट आ सकती है। आर्थिक धन लाभ भी तभी होगा जब आप अपनी तरफ़ से प्रयासरत रहेंगे। आपको एक बैक-अप प्लान के साथ अपने निवेशों पर अमल करना होगा।

परिवार-वर्ष में निजी और पारिवारिक संबंधों को लेकर आपको भाग-दौड़ करनी पड़ सकती है। इस दौरान आपकी जिम्मेदारी बढ़ी हुई रहेगी। चाहे वह नाते-रिश्तेदारी हो या फिर अन्य परिवार से जुड़े कामों को पूरा करने की मंशा हो, सितारों की चाल सुखद और शानदार परिणामों की ओर बढ़ाने वाली रहेगी। किंतु छोटी-छोटी बातों में गुस्से से बचने की जरूरत रहेगी। प्रेम संबंधों में साथी के साथ वांछित स्थानों में भ्रमण होने के आसार रहेंगे, किंतु उनके साथ छोटी-छोटी बातों में उलझने से बचें, अन्यथा रिश्तों में गहरे तनाव हो सकते हैं। कुल मिलाकर, वर्ष के इन महीनों में आपको अच्छे परिणाम मिलेंगे, किंतु बुद्धिमत्ता को कमजोर न करें। मार्च महीने के बाद शनि का प्रभाव दूसरे भाव से समाप्त हो जाएगा। फलस्वरूप पारिवारिक मामलों में धीरे-धीरे करके अनुकूलता का ग्राफ बढ़ने लगेगा और धीरे-धीरे करके सब ठीक हो जाएगा। वहीं गृहस्थ संबंधी मामलों की बात की जाय तो इस मामले में इस वर्ष लंबे समय तक कोई प्रतिकूलता नजर नहीं आ रही है। साल के शुरुआती महीनों में भले ही बृहस्पति आठवें भाव में रहे लेकिन नवम दृष्टि से चतुर्थ भाव को देखेगा; जो गृहस्थ संबंधी मामलों में कोई बड़ी परेशानी नहीं आने देगा। वहीं मई महीने के मध्य के बाद बृहस्पति की पोजीशन काफी अच्छी हो जाएगी जो हर मामले में आपके लिए मददगार बनेगी। अर्थात इस वर्ष गृहस्थ संबंधी मामलों में किसी भी बड़ी परेशानी की योग नहीं हैं। 14 मई से 19 अक्टूबर तक गुरु की शत्रु दृष्टि के कारण घरेलू माहौल में अस्थिरता और कलह की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। शुक्र की स्वगृही के कारण 31 मई से 29 जून तक और अष्टमस्थ स्थिति के बीच पारिवारिक जीवन में खुशहाली और सौहार्द बना रहेगा। जून से अगस्त तक प्रेम में खूबसूरत यात्राएं ,यहां तक कि विदेश यात्रा भी हो सकती है। लव लाइफ को लेकर यह वर्ष बहुत ही आनन्द दायक व सुखमय रहेगा।

प्रेम – रोमांस – साल मिला-जुला रह सकता है। कुछ मामलों में परिणाम थोड़े से कमजोर भी रह सकते हैं। साल की शुरुआत से लेकर मार्च के महीने तक पंचम भाव में शनि ग्रह का प्रभाव रहेगा। हालांकि शनि ग्रह अपनी राशि में है लेकिन शनि नीरस ग्रह होते हैं जो पंचम भाव में होकर प्रेम संबंधों में निरसता के भाव दे सकते हैं। अर्थात लव लाइफ में कोई खास मजा नहीं रहेगा। एक दूसरे के प्रति खींचातानी वाले भाव रह सकते हैं। यानी प्रेम के स्थान पर आप एक दूसरे में कमियां निकालने का काम कर सकते हैं। यदि वास्तव में ऐसा हो रहा हो तो उससे बचने की जरूरत है। मार्च के बाद शनि का प्रभाव पंचम भाव से दूर हो जाएगा। अतः पुरानी गलतफहमियां व परेशानियां दूर होंगी लेकिन मई महीने के बाद राहु पंचम भाव में आ जाएंगे अतः नए सिरे से कुछ गलतफहमियां शुरू हो सकती हैं। इन सब के बीच अनुकूल बात यह रहेगी कि मई महीने के मध्य के बाद बृहस्पति का प्रभाव पंचम भाव पर शुरू हो जाएगा जो गलतफहमियों को दूर करने का काम करेगा। अर्थात साल की शुरुआत से लेकर मार्च के महीने तक का समय कमजोर है। मार्च से मई के बीच का समय अनुकूल है। मई के बाद का समय मिला-जुला रह सकता है अर्थात कुछ परेशानियां आएंगी लेकिन जल्दी ही ठीक हो जाएंगी इसलिए हम इस साल को प्रेम प्रसंग के मामले में मिला-जुला कह रहे हैं।

शिक्षा- साल आपको मिले-जुले परिणाम देता हुआ प्रतीत हो रहा है। हालांकि खूब कड़ी मेहनत करने वाले विद्यार्थी और शोध के विद्यार्थी ज्यादातर समय अनुकूल परिणाम प्राप्त करते रहेंगे लेकिन पढ़ाई के प्रति ज्यादा गंभीर न रहने वाले विद्यार्थियों को साल के पहले हिस्से में तुलनात्मक रूप से कमजोर परिणाम देखने को मिल सकते हैं। साल का दूसरा हिस्सा विशेषकर मई महीने के मध्य के बाद से ही शिक्षा के स्तर में तेजी के साथ सुधार देखने को मिल सकता है। ऐसे विद्यार्थी जो जन्म स्थान या अपने वर्तमान निवास से दूर रहकर पढ़ाई करने की इच्छा रख रहे हैं और बाहर जाकर पढ़ाई करने की कोशिश भी कर रहे हैं; उनकी कोशिश कामयाब हो सकती है। विदेश जाकर पढ़ने की इच्छा रखने वाले विद्यार्थी भी अच्छे परिणाम प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही साथ विदेश में रहकर पढ़ाई करने वाले विद्यार्थी भी अच्छे परिणाम प्राप्त कर सकेंगे। धर्म व आध्यात्म से संबंधित शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए भी मई महीने के मध्य के बाद का समय काफी अच्छा रहेगा। हालांकि इसी समय अवधि से अर्थात मई महीने के बाद से ही राहु का पंचम भाव में होना प्राथमिक शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के मन को उच्चाटित या उद्विग्न करने का काम कर सकता है। अर्थात बार-बार आपका फोकस आपके विषय से हट सकता है, जिसे लगातार कोशिश करके आपको बनाए रखना है; तभी जाकर आप अच्छे परिणाम प्राप्त कर सकेंगे। पठन एवं पाठन के क्षेत्रों को उच्च मुकाम तक पहुंचाने के सुखद एवं शानदार अवसर रहेंगे। चाहे वह स्कूली शिक्षा हो या फिर कार्मिक एवं व्यापारिक शिक्षा के क्षेत्र, सितारों की चाल सुखद एवं शानदार परिणाम देने वाली रहेगी। हालांकि, विषयों को तैयार करने और उन्हें दोहराने में कोताही न करें। अन्यथा आपकी परेशानी बढ़ सकती है। बहुत संभव है कि इस दौरान आपको चिकित्सा, तकनीक, कला, साहित्य एवं फिल्म आदि के क्षेत्रों में वांछित मुकाम हासिल हो, जिससे आपका मन प्रसन्न होता रहेगा। यदि आप कहीं मनपसंद संस्थानों में शिक्षण एवं प्रशिक्षण हेतु प्रवेश लेना चाहते हैं, तो वांछित किस्म की प्रगति होने के आसार रहेंगे। किन्तु पूरे मनोयोग के साथ तैयारी करें।

स्वास्थ्य – इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य बहुत अच्छा रहेगा। लीवर, यूरिन व पथरी की प्रॉब्लम शुक्र देता है। फरवरी व सितंबर का समय थोड़ा खराब है। बीपी तथा शुगर से प्रभावित लोग सितम्बर के बाद अत्यंत सावधानी बरतेंगे। स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से लीवर व सांस के रोगियों के लिए फरवरी तक का समय बहुत बेहतर नहीं है। बृहस्पति भी मई महीने के मध्य के बाद अच्छे परिणाम देगा लेकिन इन सबके बीच मई महीने के बाद से राहु का गोचर पेट से संबंधित कुछ परेशानियां देना चाहेगा। अर्थात साल के पहले हिस्से में स्वास्थ्य का अधिक ख्याल रखना जरूरी रहेगा। इसके बाद परिणाम धीरे-धीरे करके बेहतर होने लग जाएंगे। बस छोटी-मोटी विसंगतियां ही रह सकती हैं। बाकी सावधानी रखने की स्थिति में आप अपने स्वास्थ्य का बेहतर आनंद ले सकेंगे। साल स्वास्थ्य से संबंधित मामलों में मिले-जुले परिणाम दे सकता है। साल का दूसरा हिस्सा स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से ज्यादा अच्छा कहा जाएगा। अपने स्वास्थ्य से संबंधित समस्याओं का हल निकालने के लिए आपको नियमित रुप से मेडिटेशन करना चाहिए। आपको अपने खान-पान और अपने आस-पास की सफाई पर विशेष ध्यान देना चाहिए। अपने बिजी लाइफ़स्टाइल से समय निकालकर फिज़िकल एक्टिविटीज़ करना आपके लिए अच्छा रहेगा। आपको सेहत को लेकर किसी भी तरह की लापरवाही नहीं लेनी है वरना आगे चल कर यह आपकी सेहत पर भारी पड़ सकता है। अच्छे स्वास्थ्य के लिए आपको प्रतिदिन सूर्य को अर्घ्य देना चाहिए और गायत्री मंत्र का जाप करना चाहिए। वर्ष के अंतिम महीनों में आपकी सेहत में सुधार आ सकता है। आप मानसिक रुप से मजबूत रहोगे। आप जीवन की मुश्किलों का आसानी से सामना करने में सक्षम बनोगे। आपके अंदर एक नई शक्ति का संचार होगा। आप अपने हर काम में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करोगे। एक अच्छी सेहत का अच्छा असर आपके रिश्तों में और आपके करियर पर देखने को मिलेगा। महिलाओं को अपनी सेहत को नजरअंदाज नहीं करना है। अपनी बिज़ी लाइफ़ से अपने लिए कुछ समय जरूर निकालें और योग व मेडिटेशन जरूर करें। छात्रों को कुछ समय मनोरंजन के साधनों जैसे म्यूज़िक, अपना पसंदीदा गेम या फिर अपनी कोई हॉबी जरूर करें। ऐसा करने से आपको खुशी मिलेगी और मानसिक सुकून का एहसास होगा।

ज्योतिष उपाय- प्रतिदिन श्री सूक्त का पाठ करें। गाय की सेवा करें। कन्याओं के पैर छूकर उनका आशीर्वाद प्राप्त करें। मां लक्ष्मी, मां दुर्गा तथा मां संतोषी की पूजा करनी चाहिए।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

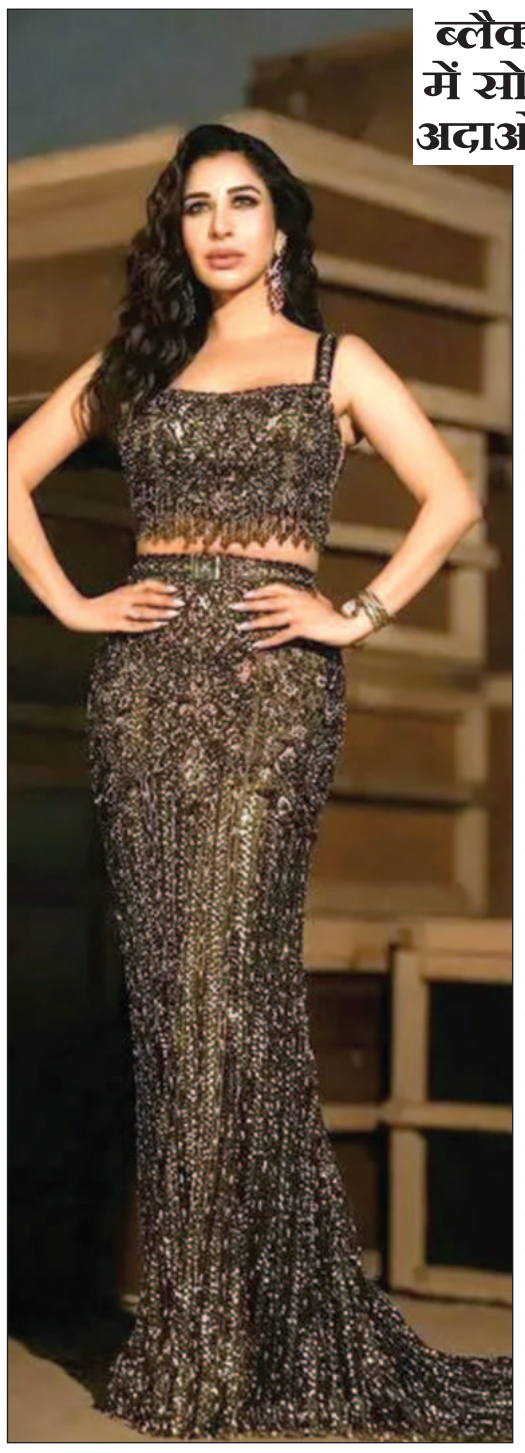

ब्लैक रिवीलिंग लहंगे में सोफी चौधरी ने हॉट अदाओं से लूटी महफील

बॉलीवुड एक्ट्रेस और सिंगर सोफी चौधरी आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। उनका कातिलाना अवतार इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं।एक्ट्रेस, मॉडल और सिंगर सोफी चौधरी आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर लोगों को दीवाना बनाए रहती हैं।वो जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस सोफी चौधरी ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं।

इन फोटोज में उनका रिवीलिंग लुक देखकर फैंस उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।

लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान आप देख सकते हैं एक्ट्रेस सोफी चौधरी ने ब्लैक कलर का रिवीलिंग गाउन स्टाइल में लहंगा कैरी किया है, जिसमें वो बेहद ही सिजलिंग और हॉट नजर आ रही हैं।खुले बाल, कानों में इयररिंग्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस सोफी चौधरी ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।सोफी चौधरी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है।

सनी देओल,वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी की बॉर्डर 2 की शूटिंग शुरू

सनी देओल की बॉर्डर 2 की शूटिंग आखिरकार शुरू हो गई है। मेकर्स ने सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी जैसे सितारों से सजी फिल्म बॉर्डर 2 की शूटिंग की पहली झलक सोशल मीडिया पर शेयर की है। इस फिल्म की शूटिंग ने फैंस के उत्साह को बढ़ा दिया है।मेकर्स ने बॉर्डर 2 के सेट से एक तस्वीर शेयर की है और फैंस को बताया कि फिल्म की शूटिंग शूरू हो गई है। इस पोस्टर को साझा करते हुए

मेकर्स ने लिखा है, सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी की मुख्य भूमिका वाली यह अनुराग सिंह की निर्देशित फिल्म, सिनेमा के दिग्गज भूषण कुमार, जेपी दत्ता और निधि दत्ता ने शुरू कर दिया है। यह फिल्म अनदेखे एक्शन, ड्रामा और देशभक्ति का वादा करती है। अपने कैलेंडर पर निशान लगा लें: बॉर्डर 2 23 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में आएगी।1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध पर आधारित बॉर्डर 2 की शूटिंग पहले इसी साल नवंबर में शुरू होनी थी। लेकिन, लॉजिस्टिक के कारण, प्रोडक्शन टीम ने इसे पोस्टपोन करने का फैसला किया। फिल्म मेकर जेपी दत्ता और उनकी बेटी निधि दत्ता ने अपनी टीम के माध्यम से शूटिंग करने के लिए परमिशन ले लिया है। जम्मू-कश्मीर पर्यटन विभाग के एक अधिकारी ने इसकी पुष्टि की है।अधिकारी ने बताया था, वे कश्मीर में एलओसी और राजौरी-पुंछ सेक्टर के पास फिल्म की शूटिंग करने का प्लान कर रहे हैं। साथ ही उत्तराखंड के देहरादून में एडिशनल सीन शेड्यूल किए गए हैं। टीम को जम्मू-कश्मीर में सभी आवश्यक विभागों से मंजूरी मिल गई है। अधिकारी ने यह भी बताया कि प्रोडक्शन टीम एक पूर्व आर्मी मेजर की सलाह से फिल्म पर काम कर रही है, ताकि युद्ध की घटनाओं को दिखाते समय दर्शकों के बीच हिस्टोरिकल एक्यूरेसी बना रहे।बॉर्डर 2 का निर्देशन अनुराग सिंह कर रहे हैं। बॉर्डर 2 से पहले अनुराग ने इससे पहले केसरी, पंजाब 1984, जट्ट एंड जूलियट और दिल बोले हड़िप्पा जैसी फिल्में बनाई हैं। फिल्म का एलान 13 जून, 2024 को बॉर्डर के 27 साल पूरे होने पर की गई थी। मेकर्स ने इसे भारत की सबसे बड़ी युद्ध फिल्म घोषित किया है।

सेलेब्स पर 'क्रिसमस' का खुमार, किसी ने विदेश तो किसी ने जंगल में मनाया त्यौहार

क्रिसमस का जश्न जारी है। दुनिया भर में लोग त्योहार को अपने अंदाज में मना रहे हैं। फिल्म जगत के सितारे भी इस मामले में कम नहीं हैं। शिल्पा शेट्टी ने पंजाबी अंदाज में परिवार के साथ क्रिसमस मनाया तो निर्देशक रोहित शेट्टी परिवार के साथ पेरिस पहुंचे। शरवरी वाघ ने सतपुड़ा टाइगर रिजर्व से तस्वीरें शेयर कर प्रशंसकों को क्रिसमस की शुभकामनाएं दी।

क्रिसमस के जश्न की तस्वीरें अभिनेत्री भूमि पेडनेकर, नेहा धूपिया, रोहित शेट्टी, शरवरी वाघ, मानुषी छिल्लर से लेकर शिल्पा शेट्टी और कृति सेनन तक ने सोशल मीडिया पर शेयर कर प्रशंसकों को शुभकमनाएं देते हुए 'मेरी क्रिसमस' कहा।

सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने वाली अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने पति राज कुंद्रा और बच्चों के साथ क्रिसमस को पंजाबी अंदाज में मनाया। उन्होंने ठंड के मौसम में भांगड़ा करते हुए खुद का एक मजेदार पल साझा किया, परिवार के साथ सांता क्लॉज भी क्रिसमस का आनंद लेते दिखाई दिए।

मजेदार वीडियो को शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, क्रिसमस हमेशा परंपराओं का एक सुंदर मिश्रण रहा है - हंसी, प्यार और एकजुटता। इस साल भी कुछ अलग नहीं रहा। 13 डिग्री सेल्सियस में भांगड़ा से लेकर परिवार के साथ सांता से मिलने तक। आप हमें पंजाब से निकाल सकते हैं, लेकिन आप हमसे पंजाबी को कभी अलग नहीं कर सकते। मेरी क्रिसमस।

'सिंघम' के निर्देशक रोहित शेट्टी अपने बेटे के साथ क्रिसमस का जश्न मनाने के लिए पेरिस और लंदन पहुंचे, जहां का एक वीडियो शेयर कर उन्होंने लिखा, जब आपका यंग बेटा आपको यात्रा पर ले जाता है।वीडियो में शेट्टी बेटे के साथ लंदन और पेरिस की सड़कों पर टहलते और जश्न मनाते नजर आए।

क्रिसमस का जश्न मनाने के लिए बहन के साथ सतपुड़ा टाइगर रिजर्व पहुंची अभिनेत्री शरवरी वाघ ने खास अंदाज में जश्न मनाया। शरवरी वाघ ने प्रशंसकों को क्रिसमस की शुभकामनाएं देने के लिए इंस्टाग्राम का सहारा लिया और लिखा, वाघ की ओर से मेरी क्रिसमस। नेशनल पार्क में अभिनेत्री ने जंगल के कई खूबसूरत पलों को कैमरे में कैद किया।

जेनेलिया ने बनाई क्रिसमस की चाय, रितेश का रिएक्शन देख आ जाएगी हंसी

फैंस के साथ अक्सर मजेदार पोस्ट शेयर करने वाली जेनेलिया देशमुख और रितेश देशमुख ने क्रिसमस के मौके पर फैंस के साथ एक मजेदार पोस्ट शेयर किया है, जिसमें जेनेलिया बता रही हैं कि उन्होंने रितेश के लिए क्रिसमस की चाय बनाई है। वीडियो को देखकर हंसने पर मजबूर हो जाएंगे।

कॉमेडी से भरपूर वीडियो में जेनेलिया

पति के लिए प्यार से क्रिसमस की चाय बनाकर उन्हें देती नजर आईं। इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए इस वीडियो के कैप्शन में उन्होंने लिखा, क्रिसमस की चाय। वीडियो में अभिनेत्री हाथ में चाय का कप लिए रितेश के पास आती हैं और कहती हैं, बेबी, मैंने तुम्हारे लिए चाय बनाई है। जरा बताना कैसी है। रितेश हंसते हुए चाय की कप ले लेते हैं और जैसे ही एक घूंट पीते हैं तो उनके मुंह से उहह (खराब स्वाद की वजह से) निकल जाता है। उहह शब्द सुनते ही पास में खड़ी जेनेलिया पति के पेट पर हल्के से एक केहुनी लगाती हैं और वह तपाक से वाह बोल पड़ते हैं। जेनेलिया और रितेश की वीडियो को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। यह कोई पहली बार नहीं है, जब दोनों ने अपने मजेदार अंदाज से फैंस को हंसने पर मजबूर किया है। दोनों अक्सर रिल्स बनाते रहते हैं और सोशल मीडिया पर शेयर भी करते रहते हैं।

अशनूर कौर को फिल्म 'किसको था पता' से मिला शानदार अनुभव

अभिनेत्री अशनूर कौर ने अपनी नई फिल्म 'किसको था पता' में अपने किरदार 'श्रेया' को लेकर बताया कि यह भावनात्मक उतार-चढ़ाव से भरा है, जो कमजोरी, ताकत और फिर से खुद के व्यक्तित्व को खोजने से जुड़ा है। अभिनेत्री ने बताया कि फिल्म के जरिए उन्हें शानदार अनुभव मिला।

अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए अशनूर ने बताया, श्रेया एक ऐसा किरदार है, जो हर उस व्यक्ति के साथ गहराई से जुड़ती है, जिसने प्यार की ताकत और उसे खोने के डर को अनुभव किया है। श्रेया का सफर भावनाओं से भरा है।

अभिनेत्री ने बताया, मैं ऐसी खूबसूरती से लिखी गई कहानी का हिस्सा बनने के लिए धन्य महसूस करती हूं, जो दर्शकों को प्यार और नियति के अर्थ पर सवाल उठाने पर मजबूर कर देगी। यह पहली बार था जब मैं अकेले शूटिंग कर रही थी और मैं नर्वस थी, लेकिन साथ ही उत्साहित भी थी। मैं 'जी सिनेमा' पर 'श्रेया' के रूप में दर्शकों के सामने आने के लिए रोमांचित हूं और मुझे उम्मीद है कि दर्शक उससे उतना ही जुड़ेंगे, जितना मैं जुड़ी थी।

रत्ना सिन्हा निर्देशित 'किसको था पता' बुधवार को क्रिसमस पर 'जी सिनेमा' पर रिलीज होने के लिए तैयार है। रायपुर में सेट की गई रोमांटिक-कॉमेडी में अभिनेत्री के साथ अक्षय ओबेरॉय और आदिल खान अहम रोल में हैं।

अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अक्षय ओबेरॉय ने बताया, ''देवांश एक ऐसा व्यक्ति है, जिसकी दुनिया तब बिखर जाती है, जब वह जिससे सबसे ज्यादा प्यार करता है, वह उसे छोड़कर चली जाती है। यह भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण भूमिका थी। इस भूमिका ने मुझे बहुत कुछ सिखाया। मैं दर्शकों को देवांश के दिल टूटने, ठीक होने और खुद को फिर से खोजने की यात्रा में शामिल करने के लिए अब और इंतजार नहीं कर सकता। मैं बहुत उत्साहित हूं। यह एक ऐसी कहानी है, जो लंबे समय तक आपके साथ रहेगी।''

अभिनेता आदिल खान ने कहा कि उनका किरदार धैर्य, स्वतंत्र विचारों वाला और ऐसा व्यक्ति है जो जीवन को पूरी तरह से जीने में विश्वास करता है। 'किसको था पता' सिर्फ एक प्रेम कहानी नहीं है, यह एक 'लाइफ स्टोरी' है। मैं रत्ना सिन्हा का आभारी हूं कि उन्होंने प्रतिभाशाली अशनूर और अक्षय के साथ इस भूमिका के लिए मुझ पर भरोसा किया। मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को इसे देखने में उतना ही मजा आएगा, जितना हमें इसे बनाने में आया।

'किसको था पता' एक मनोरंजक कहानी है, जिसमें देवांश और श्रेया की प्रेम कहानी को शानदार तरीके से पर्दे पर उतारा गया है।

कियारा ने 13 दिनों में फिल्माया अपकमिंग फिल्म गेम चेंजर का गाना

जल्द ही अपकमिंग फिल्म गेम चेंजर में दिखाई देने वाली अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने हाल ही में खुलासा किया है कि उन्होंने पहली बार 13 दिनों के लंबे शेड्यूल में एक गाने की शूटिंग की है।सोमवार को अभिनेत्री कबीर सिंह ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी अपकमिंग फिल्म गेम चेंजर के गाने धोपळ के लिए रिहर्सल करते हुए एक वीडियो पोस्ट किया।कैप्शन में, कियारा ने खुलासा किया कि यह पहली बार था, जब उन्होंने 13 दिनों तक एक फिल्म के गाने को ऐसे सेट पर फिल्माया, जो डिज्नीलैंड जैसा महसूस हुआ।क्लिप शेयर करते हुए आडवाणी ने लिखा, गेम चेंजर के पहले शेड्यूल के लिए रिहर्सल के पहले दिन की एक झलक। हमने फिल्म की शुरुआत खूबसूरती से तैयार किए गए गाने धोपळ की शूटिंग के साथ की।अभिनेत्री ने कहा, यह पहली बार था जब मैंने 13 दिनों तक एक फिल्म के गाने की शूटिंग ऐसे सेट पर की, जिसने मुझे ऐसा महसूस कराया कि मैं डिज्नीलैंड में हूं। मैं सोच रही थी कि हम यह कैसे करने जा रहे हैं, लेकिन यही हमारे काम की खूबसूरती है कि हम हमेशा कुछ नया सीखते हैं।गेम चेंजर में चरण ने दोहरी भूमिका निभाई है, जिसमें कियारा, अंजलि, एसजे सूर्या, श्रीकांत और समुथिरकानी जैसे शानदार कलाकार शामिल हैं। यह फिल्म 10 जनवरी, 2025 को तेलुगु, तमिल और हिंदी में रिलीज होने वाली है।बीते दिन निर्माता दिल राजू के जन्मदिन पर एल्बम के चौथे सिंगल धोप का टीजर रिलीज किया।विवेक द्वारा लिखे गए तमिल संस्करण में थमन एस, अदिति शंकर और प्रुध्वी श्रुति रंजनी ने अपनी आवाज दी है, जबकि रकीब आलम द्वारा लिखे गए हिंदी संस्करण में थमन एस., राजकुमारी और प्रुध्वी श्रुति रंजनी की आवाजें हैं। इस फुट-टैपिंग नंबर में राम चरण और कियारा अपने जबरदस्त डांस मूव्स दिखाए हैं।धोप को अमेरिका के टेक्सस प्रांत के डैलस शहर में बहुत उत्साह के साथ लॉन्च किया गया, जहां गेम चेंजर टीम का सैकड़ों प्रशंसकों ने स्वागत किया। यहां फैंस को राम चरण के साथ बातचीत का अवसर मिला। यह कार्यक्रम एक भव्य समारोह में बदल गया, जिसमें प्रभावशाली स्टार एंट्री, आकर्षक बातचीत और ट्रैक के बारे में रोचक किस्से शामिल थे।राम चरण ने फिल्म गेम चेंजर के लिए निर्देशक शंकर के साथ काम किया है। इस प्रोजेक्ट में राम चरण को दोहरी भूमिका में दिखाया गया है। उनके साथ फिल्म में कियारा आडवाणी, अंजलि, एसजे सूर्या, श्रीकांत और समुथिरकानी जैसे स्टार कलाकार शामिल हैं।गेम चेंजर मनोरंजक राजनीतिक थ्रिलर बनाने में अपनी विशेषज्ञता के लिए प्रसिद्ध निर्देशक एस. शंकर की वापसी है। इस फिल्म में राम एक आईएएस अधिकारी की भूमिका निभाते हैं, जो भ्रष्ट व्यवस्था को चुनौती देता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे– आप जो भी करेंगे उसे आप उससे आधे वक़्त में ही कर देंगे, जितना वक़्त आप अक्सर लेते हैं। आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। दूसरों के मामलों में दख़ल देने से आज बचें। प्यार का भरपूर लुत्फ़ मिल सकता है। आप किसी बड़े व्यावसायिक लेन–देन को अंजाम दे सकते हैं और मनोरंजन से जुड़ी किसी परियोजना में कई लोगों का संयोजन कर सकते हैं। आज आप पुरस्कृत होंगे या सराहे जाएगें। दाम्पत्य जीवन मे बहुत स्नेह बढेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा–ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। जब आप समूह में हों तो ध्यान रखें कि आप क्या कह रहे हैं, बिना ज़्यादा समझे–बूझे अचानक कहे गए शब्दों के चलते आप कड़ी आलोचना के शिकार हो सकते हैं। आपको पता लग सकता है कि आपके बॉस आपसे इतने रूखेपन से क्यों बात करते हैं। वजह जानकर आपको वाक़ई तसल्ली होगी। अपने घर में बिखरी चीजों को संभालने का आज आप प्लान करेंगे लेकिन आपको इसके लिए आज खाली समय नहीं मिल पाएगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड,छ,के,को,ह

आज मुमकिन है कि आपको धन से जुड़ी कोई समस्या हो लेकिन अपनी सूझबूझ से आप हानि को भी मुनाफे में बदल सकते हैं। आपके जीवन–साथी की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उसे चिकित्सकीय देखरेख की ज़रूरत है। जो लोग अब तक बेरोजगार हैं उन्हें अच्छी जॉब पाने के लिए आज और अधिक मेहनत करने की जरुरत है। मेहनत करके ही आप सही परिणाम पा पाएंगे। आज आपके पास लोगों से मिलने–जुलने का और अपने शौक़ पूरे करने का पर्याप्त खाली वक़्त है। वैवाहिक सुख के दृष्टिकोण से आज बहतर दिन हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

ख़ुशी से भरा अच्छा दिन है। आज आप अपने घर के वरिष्ठ जनों से पैसे की बचत करने को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं और उस सलाह को जिंदगी में जगह भी दे सकते हैं. आज के इस ख़ूबसूरत दिन प्रेम–संबंध में आपकी सभी शिकायतें ग़ायब हो जाएंगी। अगर आप कामकाज के लिए ज़रूरत से ज़्यादा दबाव बनाएंगे तो लोग भड़क सकते हैं – कोई भी फ़ैसला लेने से पहले दूसरों की ज़रूरतों को समझने की कोशिश करें। कोई आध्यात्मिक गुरू या बड़ा आपकी सहायता कर सकता है। जीवनसाथी का साथ बढीया खाने का लुत्फ उठाएंगे ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ख़ुशी से भरा अच्छा दिन है। आज धन आपके हाथ में नहीं टिकेगा, आपको धन संचय करने में आज बहुत दिक्क़तों का सामना करना पड़ सकता है। आप महसूस करेंगे कि आपके दोस्त सहयोगी स्वभाव के हैं– लेकिन बोलने में सावधानी बरतें। सावधान रहें, कोई आपसे अपना काम निकालकर अपना उल्लू सीधा कर सकता है। लेखक और मीडियाकर्मी बड़ी ख्याति प्राप्त कर सकते हैं। कोई रोचक पुस्तक पढ़ के आजके दिन को आप अच्छी तरह से व्यतीत कर सकते हैं। ज़्यादा ख़र्चे की वजह से जीवनसाथी से खट–पट हो सकती है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपको अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा–ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। आपको परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी दिक़्क़त होगी, लेकिन इस वजह से अपनी मानसिक शान्ति भंग न होने दें। आपकी आकर्षक छवि मनचाहा परिणाम देगी। नई योजनाएँ आकर्षक होंगी और अच्छी आमदनी का ज़रिया साबित होंगी। आज आपको अचानक किसी अनचाही यात्रा पर जाना पड़ सकता है जिसकी वजह से घरवालों के साथ समय बिताने का आपका प्लान खराब हो सकता है। जीवनसाथी के साथ कुछ समय बिताए।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अगर आप यात्रा पर जाने वाले हैं तो अपने कीमती सामान का ध्यान रखें उसके चोरी होने की संभावना है। खासकर अपने पर्स को आज बहुत संभालकर रखें। कुछ लोग जितना कर सकते हैं, उससे कई ज़्यादा करने का वादा कर देते हैं। शाम ढलते–ढलते कोई काम का बोझ आप को चिंतित कर सकता हैं आप चाहें तो परेशानियों को मुस्कुराकर दरकिनार कर सकते हैं या उनमें फँसकर परेशान हो सकते हैं। चुनाव आपको करना है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज के दिन आराम करना ज़रूरी साबित होगा, क्योंकि आप हाल के दिनों में भारी मानसिक दबाव से गुज़रे हैं। नयी गतिविधियाँ और मनोरंजन आपके लिए विश्राम करने में सहायक सिद्ध होंगे। अपने अतिरिक्त धन को सुरक्षित जगह पर रखिए, जो आने वाले वक़्त में आप फिर पा सकें। घर में कुछ बदलाव आपको काफ़ी भावुक बना सकते हैं, लेकिन आप अपनी भावनाएँ उनके सामने ज़ाहिर करने में क़ामयाब रहेंगे जो आपके लिए ख़ास हैं। योग्य कर्मियों को पदोन्नति या आर्थिक मुनाफ़ा हो सकता है। आज के दिन आप वैवाहिक जीवन का आनंद उठाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

नए क़रार फ़ायदेमंद दिख सकते हैं, लेकिन वे उम्मीद के मुताबिक़ लाभ नहीं पहुँचाएंगे। निवेश करते समय जल्दबाज़ी में निर्णय न लें। आज आपमें धैर्य की कमी रहेगी। इसलिए संयम बरतें, क्योंकि आपकी तल्ख़ी आस–पास के लोगों को दु:खी कर सकती है। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। पेशेवर तौर पर अपने अच्छे काम की पहचान आपको मिल सकती है। अगर आप अपनी चीज़ों का ध्यान नहीं रखेंगे, तो उनके खोने या चोरी होने की संभावना है। अपने जीवनसाथी के साथ अपनी बातों को साझा करें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

अपने मूल्यों को दरकिनार करने से बचें और हर फ़ैसला तार्किक तरीक़े से लें। प्रोपर्टी से जुड़े लेन–देन पूरे होंगे और लाभ पहुँचाएंगे। घर में उल्लास का माहौल आपके तनावों को कम कर देगा मुहब्बत और रोमांस आपको ख़ुशमिज़ाज रखेंगे। आपका रचनात्मक काम आस–पास के लोगों को अचरज में डाल देगा और आपको काफ़ी सराहना मिलेगी। आपके घर वाले आज आपसे कई परेशानियां शेयर करेंगे लेकिन आप अपनी ही धुन में मस्त रहेंगे और खाली समय में कुछ ऐसा करेंगे जो करना आपको पसंद है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। दोस्तों के साथ शाम को घूमने बाहर जाएँ, इससे आपको बहुत फ़ायदा होगा। जो लोग अब तक सिंगल हैं उनकी मुलाकात आज किसी खास से होने की संभावना है । अच्छा दिन है, क्योंकि आपको अपने लक्ष्यों को पाने के लिए बेहतरीन मौक़े मिलेंगे। आईटी से जुड़े लोगों को विदेश से बुलावा आ सकता है। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी भी धार्मिक स्थल पर अपना खाली समय बिता सकते हैं। आज आपको जीवनसाथी के साथ पर्याप्त समय मिल सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आप मानसिक और शारीरिक तौर पर थकान महसूस कर सकते हैं, थोड़ा–सा आराम और पौष्टिक आहार आपके ऊर्जा–स्तर को उठाए रखने में अहम साबित होगा। किसी बड़े समूह में भागीदारी आपके लिए दिलचस्प साबित होगी, हालाँकि आपके ख़र्चे बढ़ सकते हैं। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएँ। आज का दिन बढ़िया प्रदर्शन और ख़ास कामों के लिए है। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा। जीवन की सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में आपको अपने जीवनसाथी से पूरा सहयोग मिलेगा।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 26 दिसंबर 2024 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : पोष , कृष्ण पक्ष
तिथि : एकादशी रात्रि 12:46 तक
नक्षत्र : स्वाति सायं 06:10 तक
योग : सुकर्मा रात्रि 10:22 तक
करण : बव प्रातः 11:42 तक
चन्द्रराशि : तुला
सूर्योदय : 06:43, सूर्यास्त 05:49 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:39, सूर्यास्त 06:01 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:33 , सूर्यास्त 05:42 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:33 , सूर्यास्त 05:42 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : सफला एकादशी व्रत , धनुर्मास चालू है

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

35 लाख किसानों को फसली ऋण उपलब्ध कराने का लक्ष्य : भजनलाल

जयपुर,25 दिसंबर (एजेंसियां)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी के अवसर पर देश भर में 10 हजार नवगठित एम-पैक्स, डेयरी व मत्स्य सहकारी समितियों का शुभारंभ किया गया है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था सशक्त होगी। साथ ही, इन नवगठित पैक्स के बहुउद्देशीय बनने से ग्रामीण स्तर पर संसाधनों की सुगम उपलब्धता संभव हो सकेगी एवं ग्रामीणों को त्वरित सुविधाएं भी मिल सकेंगी।

शाह बुधवार को नई दिल्ली में सहकार से समृद्धि अभियान कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आरआईसी में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम से इस कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े। इस अभियान के तहत देश भर में 10 हजार नवगठित एम-पैक्स, डेयरी व मत्स्य सहकारी समितियों का शुभारंभ किया गया। चयनित समितियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। इस अवसर पर शाह ने राजस्थान के अलवर जिले के घेवर पैक्स के अध्यक्ष रमेश चंद शर्मा को पंजीकरण का प्रमाण पत्र वितरित किया।

शाह ने कहा कि भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने जनता की आवाज बनकर हम सबका मार्गदर्शन किया। उन्होंने देश को परमाणु शक्ति सम्पन्न राष्ट्र, कारगिल विजय, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और भाषाओं को जीवंतता देने के लिए संगठित प्रयास जैसे अनेक काम किए जिससे देश को नई दिशा मिली। उनका पूरा जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। अटल जी ने सहकारिता को मुख्य धारा में लाने के लिए भी विशेष प्रयास किए। उन्होंने कहा कि इसी क्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सहकारिता मंत्रालय का गठन किया और आगामी पांच साल में 2 लाख नए पैक्स बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया। हमारा विश्वास है कि पांच वर्ष से पहले ही हम 2 लाख पैक्स बनाने का लक्ष्य प्राप्त कर लेंगे।

केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि आज पैक्स के कर्मचारियों के प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल का अनावरण किया गया है। पैक्स को 32 प्रकार की नई गतिविधियों से जोड़ा गया है जिससे यह बहु-आयामी बन सकें। उन्होंने कहा कि निष्क्रिय पैक्स के लिक्विडेशन के लिए भी एसओपी जारी की गई है। जिसके माध्यम से 15 हजार गांवों में नए पैक्स खोलने का मार्ग प्रशस्त हो सकेगा। उन्होंने कहा कि इन पैक्स में आधुनिक तकनीक पर जोर दिया गया है जिससे सिस्टम में पारदर्शिता आएगी। साथ ही, सहकारिता मंत्रालय द्वारा लगातार ऐसे नवाचार किए जा रहे हैं जिससे सहकारिता जमीनी स्तर पर सशक्त बने और ग्रामीण युवाओं को रोजगार भी मिले।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि वाजपेयी की जन्म शताब्दी दिवस के उपलक्ष्य पर हम सुशासन दिवस बना रहे हैं। उन्होंने अपने जीवन और कार्यों के माध्यम से हमें यह सिखाया है कि सुशासन का अर्थ आमजन को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने से है और सहकारिता उसका सबसे बड़ा माध्यम है। वाजपेयी ने ही किसानों को ऋण उपलब्धता में सुगमता के लिए किसान क्रेडिट कार्ड का नवाचार किया था। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक ग्राम पंचायत पर चरणबद्ध रूप से अटल ज्ञान केंद्र स्थापित करने की घोषणा की गई है, जिससे प्रदेश के युवाओं व आमजन को जागरूक और सशक्त किया जा सके। इससे ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विकसित भारत के लक्ष्य पर काम कर रहे हैं। इसी क्रम में प्रधानमंत्री की पहल पर सहकार से समृद्धि अभियान शुरू किया है जिसके माध्यम से बहुउद्देशीय ग्राम सेवा सहकारी समितियों, डेयरी समितियों और मत्स्य सहकारी समितियों को सशक्त किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सहकार आंदोलन को और अधिक सशक्त एवं समृद्ध बनाने के लिए प्रदेश में नए को-ऑपरेटिव कोड ला रही है। इस नए कोड को अमलीजामा पहनाने के लिए समिति भी बनाई गई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की महिला और किसान परिश्रम और त्याग कर सहकारिता को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। हमारी सरकार भी सहकारिता में काम करने वालों की समस्याओं के निराकरण के लिए तत्पर है।

नेशनल शूटिंग में 50 मीटर रायफल में चंडीगढ़ गर्ल्स टीम को सिल्वर

चंडीगढ़,25 दिसंबर (एजेंसियां)। विदुषी रावत, माहित संधू और गीत गोदारा की तिकड़ी ने नेशनल शूटिंग चैम्पियनशिप में चंडीगढ़ के लिए सिल्वर मेडल जीता है। भोपाल में आयोजित नेशनल शूटिंग चैम्पियनशिप में चंडीगढ़ की टीम ने यह मेडल 50 मीटर रायफल प्रॉन केटेगरी में जीता है। इस केटेगरी में गोल्ड महाराष्ट्र तथा ब्रोंज मेडल हरियाणा को मिला है। चंडीगढ़ की तीनों शूटर विदुषी रावत, माहित्त संधू तथा गीत गोदारा ने इंडियन शूटिंग टीम के ट्रायल जय लिए भी कालीफाई कर लिया है।

इंडियन शूटिंग टीम के ट्रायल के लिए कालीफाई स्कोर 605 है। विदुषी रावत ने 614.7, माहित संधू ने 614.4 तथा गीत गोदारा ने 612.9 स्कोर हासिल किया। नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में यह चंडीगढ़ का पहला मेडल है।

टीम के कोच विकास प्रसाद के अनुसार चंडीगढ़ के तीनों शूटर्स ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। चंडीगढ़ के शूटर्स द्वारा अभी 50 मीटर रायफल श्री पीजीशन में भी भाग लिया जाएगा। विदुषी रावत पंजाब यूनिवर्सिटी में लॉ की स्टूडेंट है। इससे पहले विदुषी गोआ में आयोजित नेशनल ओपन शूटिंग चैंपियनशिप में भी पदक जीत चुकी है। माहित संधू अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में देश का प्रतिनिधित्व कर चुकी है।

राजस्थान पर्यटन की व्यापक ब्रांडिंग की जाए: दिया कुमारी

जयपुर,25 दिसंबर (एजेंसियां)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में बुधवार को पर्यटन भवन में पर्यटन विभाग से जुड़े विभिन्न विषयों पर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में शासन सचिव पर्यटन विभाग रवि जैन एवं पर्यटन आयुक्त विजयपाल सिंह भी मौजूद थे। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि राइजिंग राजस्थान के तहत पर्यटन के क्षेत्र में हुए एमओयू को सौ फीसदी धरातल पर उतारने के लिए पर्यटन विभाग संकल्पित होकर कार्य करें।उपमुख्यमंत्री निर्देश दिए कि इस हेतु प्रगति की शासन सचिव रवि जैन हर सप्ताह समीक्षा करेंगे तथा वे स्वयं प्रत्येक महीने समीक्षा करेंगी।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि मेरा मानना है कि राजस्थान को एक समग्र ब्रांड के रूप में प्रचारित – प्रसारित किया जाए। हमें पूरे राजस्थान को एक ब्रांड के रूप में विकसित करना है। इसी प्रकार जयपुर तथा राज्य के अन्य जिलों को पर्यटन ब्रांड बनाने के लिए प्रचार- प्रसार किया जाए। उन्होंने एआर वीआर, फिल्म के लिए निर्देश दिए कि ये फिल्म राजस्थान के लिए आकर्षण और कौतूहल जगाने वाली होनी चाहिए।

फिल्म ऐसी हो स्मारकों को देखने के लिए जिज्ञासा, कौतूहल जगाए ताकि पर्यटक उस पर्यटन स्मारकों को देखने के लिए लालयित होकर वहां तक पहुंचे। इस हेतु फिल्म निर्माण में बेहतर, सर्वश्रेष्ठ कार्यों का चुनाव होना चाहिए। इसी प्रकार ऐप भी ऐसा विकसित हो जो स्मारकों को देखने के लिए वहां तक पहुंचने के लिए प्रेरित और गाइड करें।

उपमुख्यमंत्री ने 7-9 मार्च, 2025 को जयपुर में आयोजित होने वाले 25वें अंतर्राष्ट्रीय भारतीय फ़िल्म अकादमी (आईफ़ा) पुरस्कार समारोह के आयोजन, पर्यटन विभाग की बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन, नई पर्यटन नीति आदि पर चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।उन्होंने महाराणा प्रताप पेनोरमा विकास करने, मोनूमेंट्स साइट्स पर लाइट एन्ड साउंड शो करवाने, मोनूमेंट्स अडॉप्ट करने आदि विषयों पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। दिया कुमारी ने राजस्थान राज्य के संग्रहालयों के विकास लिए केंद्रीय योजनाओं में मिल रहें आर्थिक सहयोग प्राप्त करने सहित केंद्र की पर्यटन विकास की योजनाओं का राज्य में बेहतर क्रियान्वयन हेतु निर्देश दिए।

सरकारी अधिकारी जनता की समस्या संवेदनशीलता से समझें :सैनी

चंडीगढ़,25 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत रत्न से सम्मानित पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में सुशासन दिवस के अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को जन सेवा के माध्यम से सुशासन का संदेश दिया। उन्होंने सरकारी सेवकों को कहा कि हम जब अंत्योदय की बात करते हैं तो हमारे कार्य में संवेदनशीलता होनी चाहिए, जिस भी कुर्सी पर हम बैठे हैं, वह एक मौका हमें ईश्वर ने दिया है कि हम अंत्योदय के उत्थान की सोचें। इसलिए हमेशा ध्यान रखना है कि जब भी कोई व्यक्ति हमारे दफ्तर में आता है, हमसे मिलता है और अपनी समस्या रखता है तो उसे संवेदनशीलता से समझें। उसका दिया हुआ कागज, दरखास्त, वह सिर्फ एक कागज का टुकड़ा नहीं है, बल्कि उसके दर्द का निचोड़ है, इसलिए उस कागज के पीछे की कहानी को समझें और जिस दिन हम उस कहानी को समझ पाए, तो मान लेना हम अपने सुशासन के प्रयास में सफल हो गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सुशासन दिवस के अवसर पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम हरियाणा प्रदेश को ऐसा बनाएंगे, जहां विकास समावेशी होगा, जहां नागरिक को अपनी क्षमताओं को पहचानने और निखारने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में सरकार ने अनेक निर्णय लेकर जनता के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का काम किया है। आज घर बैठे सुविधाओं का लाभ नागरिकों को मिल रहा है, यही सुशासन का सबसे बड़ा मंत्र है।

बॉर्डर पर बीएसएफ की सतर्कता पाकिस्तानी घुसपैठिए को किया ढेर

श्रीगंगानगर,25 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर मंगलवार देर रात बीएसएफ (बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स) ने एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को मार गिराया। यह घटना केसरीसिंहपुर इलाके के पास की है, जहां रात करीब 12:30 बजे घुसपैठिए ने भारतीय सीमा में प्रवेश करने की कोशिश की।

बीएसएफ जवानों ने घुसपैठिए को भारतीय सीमा की तरफ आते देखा और उसे चेतावनी दी। बार-बार सचेत करने के बावजूद घुसपैठिया नहीं रुका। इसके बाद जवानों ने उसे गोली मार दी। घटना के बाद मौके पर तलाशी लेने पर घुसपैठिए के पास पाकिस्तानी मुद्रा, सिगरेट का पैकेट और अन्य सामान मिला। इसके अलावा, एक आईडी कार्ड भी बरामद हुआ, जिस पर उर्दू में कुछ लिखा हुआ है। यह घटना श्रीगंगानगर जिला मुख्यालय से करीब 50 किलोमीटर दूर हुई। ग्रामीण इलाके में कोहरे की वजह से सुबह तक पुलिस घटना स्थल तक नहीं पहुंच पाई। घुसपैठिया कुर्ता-पायजामा पहने हुए था और उसका चेहरा ढका हुआ था। बीएसएफ अधिकारियों ने कहा कि शव का पोस्टमॉर्टम होने के बाद ही आगे की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। घटना के बाद सेना और पुलिस के अधिकारी लगातार आपसी संवाद कर रहे हैं। घुसपैठिए की पहचान और मंशा का पता लगाने के लिए जांच तेज कर दी गई है। बरामद आईडी कार्ड और अन्य सामग्री की भी जांच की जा रही है, ताकि यह पता चल सके कि घुसपैठ का उद्देश्य क्या था। बीएसएफ की तत्परता और मजबूत सुरक्षा व्यवस्था के कारण एक और घुसपैठ को विफल किया गया है।

अजमेर डिस्कॉम में 1.14 करोड़ का गबन

अजमेर,25 दिसंबर (एजेंसियां)। उदयपुर जिले के मावली स्थित अजमेर डिस्कॉम कार्यालय में एक ऐसा घोटाला उजागर हुआ है, जिसने न केवल विभागीय अधिकारियों को झकझोर दिया, बल्कि निगम की साख पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। आरोपी कैशियर धरमवीर चौधरी ने 1 करोड़ 14 लाख 82 हजार रुपये का गबन कर सरकारी व्यवस्था की नींव हिलाने की कोशिश की।

यह मामला तब सामने आया जब सहायक अभियंता बिजेंद्र गहलोत ने 19 दिसंबर 2024 को एक प्रारंभिक जांच के बाद मावली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। आरोप है कि धरमवीर चौधरी, जो मुख्य रोकड़िया के पद पर तैनात थे, ने कैश बुक में फर्जी एंट्री कर और दस्तावेजों की कूटरचना के जरिए निगम को चूना लगाया।

जांच में पता चला कि धरमवीर चौधरी ने निगम काउंटर पर एकत्रित राशि को निगम के बैंक खाते में जमा नहीं करवाया। इसके बजाय, उन्होंने इस राजस्व राशि का दुरुपयोग किया और नकली इंद्राज के माध्यम से सबकुछ सामान्य दिखाने की कोशिश की। यह गबन लंबे समय तक निगम की नजरों से बचा रहा, जिससे विभाग को भारी आर्थिक क्षति हुई।

नायब सिंह ने किया कोसली में 6 परियोजनाओं का शिलान्यास

चंडीगढ़,25 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को कोसली विधानसभा क्षेत्र की जनता को विकास परियोजनाओं की सौगात देते हुए 23 करोड़ रुपये से अधिक लागत की कुल 6 परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया। इनमें 20 करोड़ 53 लाख रुपये की लागत की 4 परियोजनाओं का उद्घाटन और 2 करोड़ 51 लाख रुपये की लागत की 2 परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल है। गांव बोहका में 33 के.वी. सब स्टेशन, धवाना से मंडोला सड़क तथा बोहतवास अहीर में पी.एच.सी. तथा लिलोध में वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के भवन का उद्घाटन किया गया है। इसी प्रकार गुगोड से तुम्बाहेड़ी तक और मूस्सेपुर से हाल्हेड़ा सम्पर्क सड़क का शिलान्यास किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डहीना खण्ड को मानदंड पूरे होने पर उपमंडल का दर्जा दिया जाएगा। गांव नठेड़ा और सुर्खपुर में पंचायती जमीन उपलब्ध होने पर सब हेल्थ सेंटर का निर्माण किया जाएगा। गांव गुडियानी तथा रत्न थल में जमीन उपलब्ध होने पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनाया जाएगा। गांव मोतलकलां में जलघर का निमार्ण करवाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि जाटूसाना में शीघ्रता से कॉलेज का निर्माण किया जाएगा। भूरथला डिस्ट्रीब्यूटरी का जीर्णोद्धार, गांव भड़ंगी और नयागांव माइनर का पुनर्निर्माण करवाया जाएगा। गांव बालावास में माइनर पर गांव नागल से देहलावास के रास्ते पर पुल का निर्माण, जवाहर लाल नेहरू नहर पर गांव लूहाना से खालेटा जाने वाले रास्ते पर पुल का निर्माण कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि बास, पहराजवास और सुम्मा खेड़ा, रत्नथल तथा लीलोढ में खेतों में जलभराव की समस्या का समाधान किया जाएगा।

भूकंप के झटकों से दहले रोहतक और आसपास के जिले, लोगों में दहशत

रोहतक,25 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के रोहतक और उसके आसपास के जिलों में बुधवार को दोपहर करीब 12:28 बजे भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए, जिससे लोग दहशत में अपने घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए। ये झटके करीब पांच सेकंड तक जारी रहे, और लोग एक-दूसरे को सचेत करते हुए सड़कों पर आ गए। रोहतक के सेक्टर-4 समेत अन्य इलाकों में लोग पार्कों और खुली जगहों पर इकट्ठा हो गए, ताकि सुरक्षित रह सकें। भूकंप के झटके इतने तेज थे कि कई घरों और इमारतों में रखे सामान भी हिलते हुए दिखाई दिए। हालांकि, भूकंप के केंद्र और इसकी तीव्रता की अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है। अभी तक किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और सतर्क रहें। भूकंप के बाद कुछ देर तक सामान्य जनजीवन में हलचल मच गई।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने नीतीश के लिए मांगा भारत रत्न

चुनाव के लिए प्लानिंग बताई

बेगूसराय (एजेंसियां)।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बिहार के आगामी विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि एनडीए गठबंधन नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ेगा और बिहार में फिर से एनडीए की सरकार बनेगी।

गिरिराज सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार ने बिहार को ऊंचाई तक पहुंचाने का काम किया है। उन्होंने राज्य को जर्जर व्यवस्था और जंगलराज से बाहर निकाला। ऐसे में उन्हें उनके काम के लिए भारत रत्न से सम्मानित किया जाना चाहिए।

गिरिराज सिंह ने यह भी कहा कि लालू यादव लाख कोशिश कर लें, अब उनकी बात सुनने वाला कोई नहीं है। उन्होंने लालू यादव पर तंज कसा कि वर्तमान में लोग उनके झांसे में नहीं आने वाले।

बेगूसराय में मीडिया से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री ने बांग्लादेशी घुसपैठियों को लेकर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठ बिहार और देश के अन्य हिस्सों में सामाजिक समरसता के लिए खतरा बन रहे हैं। उन्होंने पूर्णिया, अररिया, कटिहार और किशनगंज जैसे सीमावर्ती इलाकों का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि बिहार में 800 किलोमीटर की सीमा पर अवैध मस्जिदों के निर्माण को भी चिन्हित करने की आवश्यकता है। बांग्लादेशी घुसपैठियों को पहचानकर उन्हें देश से बाहर निकालना चाहिए।

गिरिराज सिंह ने कहा कि यह समस्या सिर्फ बिहार तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश के लिए एक चुनौती है। उन्होंने सरकार और समाज से घुसपैठियों की पहचान कर उचित कार्रवाई करने का आह्वान किया।

केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी अब सांसदों के साथ धक्का-मुक्की करने वाले बाउंसर बन गए हैं। उन्होंने कहा कि पहले ही अमित शाह ने स्पष्ट कर दिया था कि कांग्रेस ने आज तक आंबेडकर का नाम लेकर सिर्फ लोगों को छलने का काम किया है, लेकिन उनकी सच्चाई अब जनता के सामने आ चुकी है।

दिल्ली में बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान कर कार्रवाई करने के संदर्भ में गिरिराज सिंह ने कहा कि यह एक सराहनीय कदम है और इसे पूरे देश में लागू किया जाना चाहिए। इसके अलावा, दिल्ली चुनाव को लेकर उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर भी तीखा हमला बोला।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह बुधवार की सुबह बेगूसराय के गांधी स्टेडियम पहुंचे, जहां उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उन्होंने गांधी स्टेडियम के अटल पवेलियन में नवनिर्मित भवन का उद्घाटन भी किया।

गिरिराज सिंह ने अटल बिहारी वाजपेयी की नेतृत्व क्षमता और देश के लिए उनके योगदान को याद करते हुए कहा कि अटल जी की विचारधारा और उनकी नीतियां आज भी हमें मार्गदर्शन देती हैं।

तीन जगह हुई कार्रवाई में 3,710 लीटर विदेशी शराब जब्त

सब्जी की आड़ में चल रही थी तस्करी

पूर्णिया (एजेंसियां)।

किशनगंज पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए तीन अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई कर 3,710 लीटर विदेशी शराब जब्त की है। इन कार्रवाइयों में पांच तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है। तस्करी की यह गतिविधि सब्जी लदे वाहनों की आड़ में चल रही थी। पुलिस के इन ऑपरेशनों से शराब माफियाओं में खलबली मच गई है।

पाठामारी थाना की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर एनएच-327ई पर कार्रवाई की। यहां एक सब्जी लदे पिकअप वैन की तलाशी के दौरान 1,769.6 लीटर विदेशी शराब बरामद हुई। पुलिस ने मौके से तीन तस्करों को गिरफ्तार किया, जिनकी पहचान सुनील कुमार, संतोष कुमार और गोपाल कुमार के रूप में हुई है। ये सभी तस्कर मुजफ्फरपुर जिले के निवासी हैं।

सुखानी थाना पुलिस ने सालगुड़ी इलाके में एक और सब्जी लदी पिकअप वैन की जांच के दौरान 909 लीटर विदेशी शराब बरामद की। इस मामले में पुलिस ने मुजफ्फरपुर निवासी राकेश कुमार नामक तस्कर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

गलगलिया थाना पुलिस ने बंगाल की ओर से आ रही एक पिकअप वैन की तलाशी बस स्टैंड के पास की। तलाशी के दौरान 1,031.4 लीटर विदेशी शराब जब्त की गई। इस मामले में वैशाली जिले के अरविंद महतो नामक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि जब्त की गई शराब बंगाल से बिहार में तस्करी के लिए लाई जा रही थी। सब्जी की आड़ में तस्करों का यह नेटवर्क लंबे समय से सक्रिय था, जिसे पुलिस ने अपने सटीक अभियान से ध्वस्त कर दिया।

किशनगंज पुलिस की इन तीन बड़ी कार्रवाइयों ने शराब माफियाओं की गतिविधियों पर गहरी चोट की है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि शराबबंदी कानून के तहत कार्रवाई और तेज की जाएगी, ताकि तस्करी पर पूरी तरह से लगाम लगाई जा सके।

पूर्णिया और मुजफ्फरपुर में सड़क हादसे में दो लोगों की मौत

पूर्णिया (एजेंसियां)।

पूर्णिया में तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई। मौत उस वक्त हुई जब युवक आर 15 बाइक से ससुराल पूर्णिया आ रहे थे। मौत के बाद परिजनों में मातम पसरा हुआ है। सूचना के बाद गुलाबबाग टीओपी पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए पूर्णिया जीएमसीएच भेज दिया और दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को जब्त कर लिया है। घटना मंगलवार देर रात्रि सदर थाना क्षेत्र के सोनौली चौक के पास घटी है। मृतक की पहचान मुफस्सिल क्षेत्र के वीरपुर पोखरिया निवासी मो जाहिर के पुत्र जसिन (25 वर्ष) के रूप में है।

मृत के भतीजा वसीम ने बताया कि चाचा जसिन की शादी एक वर्ष पूर्व पूर्णिया शहर में हुई थी। देर रात्रि पत्नी के फोन आने के बाद मिलने के लिए पूर्णिया आ रहे थे। इसी सोनौली चौक ट्रक जीरो माइल से पूर्णिया की तरफ जा रहे थे। तेज रफ्तार बाइक होने के कारण बाइक ट्रक में जा घुसी।

इससे युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहां के स्थानीय लोगों द्वारा युवक के इलाज के लिए पूर्णिया जीएमसीएच में भर्ती कराया गया। डॉक्टर ने भी जांच के दौरान युवक को मृत घोषित कर दिया। सोनौली चौक पर मौजूद पुलिस के द्वारा दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को अपने कब्जे में लिया। साथ ही ट्रक चालक और उप चालक को गिरफ्तार कर लिया है।

मुजफ्फरपुर में तेज रफ्तार का बड़ा कहर देखने को मिला है। एक तेज रफ्तार कार राहगीर को रौंदते हुए एक बिजली के पोल से जा टकराई है। उक्त कार में अचानक आग लग गई और मौके पर पूरी कार धू-धूकर जल गयी। इस दौरान कार में सवार लोगों को बाहर में निकाल लिया गया है। पूरा मामला जिले के बोचहा थाना क्षेत्र इलाके के भूसाही छक 57 फोर लेन के पास की बताई गई है। कार में आग लगने के बाद से मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे बोचहा थाना की पुलिस और अग्निशमन विभाग मौके पर पहुंच मामले की जांच में जुट गई है। आग पर काबू पाया जाने में जुटी हुई है। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि दरभंगा की ओर से आ रही एक कार ने एक राहगीर को रौंदते हुए बिजली के पोल में जाकर जबरदस्त टक्कर मार दी। इसके कारण कार में देखते-देखते आग लग गई। कार पूरा जलकर खाक हो गयी।

रेलवे में मिट्टी भराई के लिए जा रहे ट्रक ने युवक को रौंदा, मौत

विरोध में लोगों ने किया सड़क जाम

सुपौल (एजेंसियां)।

सुपौल नगर परिषद क्षेत्र के सुकमारपुर वार्ड 3 में मंगलवार देर शाम एक तेज रफ्तार हाइवा ने 26 वर्षीय युवक ललन कुमार को कुचल दिया। जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतक गौरवगढ़ वार्ड 5 निवासी सुरेंद्र यादव का पुत्र था। हादसे के बाद स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा।

गुस्साए लोगों हाइवा को पकड़ लिया और शव को सड़क पर रखकर पूरी रात प्रदर्शन किया। सुबह करीब 09 बजे तक लोगों ने घटना के विरोध में प्रदर्शन किया। इस दौरान स्थानीय लोग पीड़ित परिवार के लिए उचित सहायता और वाहन मालिक तथा चालक के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग कर रहे थे। इधर, सूचना पर सदर थानाध्यक्ष अनिरुद्ध कुमार दलबल के साथ घटनास्थल पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को समझाने-बुझाने का प्रयास किया। लेकिन लोग जिलाधिकारी को बुलाने की मांग पर अड़े रहे। पूरी रात स्थिति तनावपूर्ण बनी रही। वही बुधवार सुबह करीब 9:30 बजे सुपौल सीओ संदीप कुमार के आश्वासन पर लोग शांत हुए।

मृतक के बहनोई राजकुमार ने बताया कि मंगलवार की रात ललन कुमार सुकुमारपुर स्थित अपने ससुराल पहुंचा था। जहां दरवाजे पर बाइक खड़ी कर वह शौच के लिए जा रहा था। इसी दौरान सड़क पार करने के दौरान तेज रफ्तार हाइवा ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक अपने पीछे पत्नी और ढाई व डेढ़ साल के दो छोटे बच्चों को छोड़ गया है। वह तीन भाइयों में मंझला था। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में मातम छा गया।

स्थानीय लोगों ने टक्कर मारने के बाद हाइवा चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। वह सुपौल-अररिया-गलगलिया नई रेल परियोजना में मिट्टी भराई के काम में लगा था।

घटनास्थल से करीब एक किलोमीटर दूर हाइवा खड़ी कर चालक फरार हो गया। इस बीच स्थानीय लोगों ने रस्ते से गुजर रही कुछ और हाइवा का भी घेराव किया। प्रदर्शनकारियों ने सड़क जाम कर विरोध दर्ज कराया। हालांकि सुबह 9 बजे तक भी जब प्रशासन की ओर से कोई ठोस आश्वासन नहीं मिला तो शव को एक ट्रैक्टर पर लाद कर मुख्य सड़क को जाम करने की तैयारी होने लगी। इस बीच मौके पर पहुंचे सीओ ने लोगों को समझा-बुझा कर शांत कराया।

करीब 12 घंटे से भी अधिक चला विरोध प्रदर्शन सुपौल सीओ संदीप कुमार के आश्वासन पर समाप्त हुआ। सीओ ने बताया कि मृतक के परिजनों को सरकारी योजनाओं के तहत जल्द ही मुआवजा और अन्य सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है। पुलिस को वाहन मालिक तथा चालक के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। वही सदर थानाध्यक्ष अनिरुद्ध कुमार ने बताया कि हाइवा को जब्त कर लिया गया है और पुलिस आवश्यक कानूनी कार्रवाई में जुटी है।

बाल सुधार गृह के बाथरूम की खिड़की के रास्ते फरार हुए आठ बाल अपराधी, दुष्कर्म-हत्या में थे संलिप्त

पटना (एजेंसियां)।

रोहतास जिले के सासाराम स्थित बाल सुधार गृह में मंगलवार की रात उस समय हड़कंप मच गया, जब वहां से आठ बाल अपराधी फरार हो गए। इन सभी को दुष्कर्म, हत्या और चोरी जैसे संगीन मामलों में रखा गया था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने इलाके में नाकेबंदी कर दी और छह घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद सभी फरार बालकों को सकुशल बरामद कर लिया।

जानकारी के मुताबिक, मंगलवार रात लगभग आठ बजे बाल सुधार गृह में बच्चों की गिनती के दौरान आठ बाल अपराधी गायब पाए गए। बाल सुधार गृह के अधिकारियों ने तुरंत पुलिस को सूचित किया। इसके बाद आसपास के थानों की पुलिस ने इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया। देर रात तक छापामारी के बाद सभी फरार बालकों को दरिगांव थाना क्षेत्र के सिकरिया और मलांव गांव के पास से बरामद किया गया।

रोहतास पुलिस अधीक्षक रोशन कुमार ने बताया कि घटना के तुरंत बाद पुलिस ने सघन तलाशी अभियान चलाया और सभी बच्चों को सुरक्षित बरामद कर लिया गया। मामले की जांच की जा रही है और लापरवाही के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बाल सुधार गृह में मौजूद आठ बाल अपराधियों ने योजनाबद्ध तरीके से यह फरार होने की साजिश रची। सबसे पहले बालकों ने बाथरूम के दरवाजे को तोड़ा। इसके बाद खिड़की के ग्रिल में मजबूत और लंबा कपड़ा बांधकर बाहर निकलने का रास्ता बनाया। फिर खिड़की के सहारे बाहर निकलने के बाद सभी ने चहारदीवारी पार कर भागने में सफलता पाई।

सासाराम के इस बाल सुधार गृह में गंभीर अपराधों जैसे दुष्कर्म, हत्या और चोरी में संलिप्त बालकों को रखा जाता है। इनमें से अधिकांश अपराधी रोहतास जिले के ही रहने वाले हैं। घटना के समय सुधार गृह में नियमित गिनती हो रही थी, तभी आठ बालकों के गायब होने का खुलासा हुआ। फरार बाल अपराधियों को पकड़ने के लिए पुलिस ने आसपास के इलाकों में नाकाबंदी की। फिर तलाशी अभियान में सिकरिया और मलांव गांव के आसपास सभी बालकों को पकड़ लिया गया। घटना के पीछे सुधार गृह की सुरक्षा में हुई चूक की जांच की जा रही है। पुलिस अधीक्षक ने कहा है कि जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

घटना ने बाल सुधार गृह की सुरक्षा और प्रबंधन पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस घटना से यह स्पष्ट होता है कि सुधार गृह में सुरक्षा इंतजाम कमजोर थे, जिसका लाभ उठाकर बाल अपराधी भागने में सफल हुए। हालांकि पुलिस ने बालकों को बरामद कर लिया है और उन्हें फिर से बाल सुधार गृह में रखा गया है। घटना के बाद से सुरक्षा कड़ी कर दी गई है और बाल सुधार गृह की व्यवस्थाओं में सुधार के निर्देश दिए गए हैं।

सरकारी राशि गबन करने के आरोपी पूर्व प्रधानाध्यापक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

दरभंगा (एजेंसियां)।

दरभंगा, जिला के गोराबोराम प्रखंड क्षेत्र के अधलाइजर गांव के मध्य विद्यालय के पूर्व प्रधानाध्यापक रामभरोस प्रसाद को स्कूल के सरकारी का 5 लाख 91 हजार रुपये की गबन के मामले घनश्यामपुर थाना की पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बताया जाता है यह मामला 2022 का बताया जाता है।

प्रधानाध्यापक पर आरोप है कि विद्यालय विकास मद और बच्चों के पोशाक और छात्रवृति के पैसों का गबन पाया गया था। आरोपी प्रधानाध्यापक के खिलाफ स्कूल के एक शिक्षक संजय पासवान ने गबन की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इस मामले एक बार आरोपी प्रधानाध्यापक जेल जा चुके हैं। जेल जमानत मिलने के बाद वह फिर से स्कूल में पढ़ा रहे थे।

जानकारी के अनुसार आरोपी प्रधानाध्यापक रामभरोस प्रसाद पर 2022 में स्कूल के विकास छात्रवृति और पोशाक योजना की राशि विरतण में पांच लाख 91 हजार रुपये गबन करने का मामला सामने आया था। जिसके बाद शिक्षा विभाग ने जांच करवाई थी। जांच के बाद विद्यालय के ही एक शिक्षक संजय पासवान के आवेदन उक्त प्रधानाध्यापक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। जिसके बाद उन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। एक वर्ष पूर्व कोर्ट से जमानत मिलने के बाद वह फिर से स्कूल में पढ़ाने का कर रहे थे। इस बीच फिर एक बार आरोपी को गिरफ्तार करने से इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है।

इस सम्बंध में घनश्यामपुर थानाध्यक्ष कल्पना कुमारी ने बताया कि अधलाइयर मध्य विद्यालय के पूर्व प्रधानाध्यापक रामभरोस प्रसाद को गिरफ्तार कर लिया गया है। जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com